THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 237 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.3, 2079 शुक्रवार, 11 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'संजय राउत का लेनदेन अपराध की आय नहीं'

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना सांसद संजय राउत द्वारा रायगढ़ जिले के अलीबाग के पास किहिम में भूखंड खरीदने के मामले में अदालत ने जांच एजेंसी के तर्कों से असहमति जताई है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने कहा है कि संजय राउत ने रायगढ़ जिले के अलीबाग के पास किहिम में भूखंड खरीदने के लिए कुछ बेहिसाब धन का लेनदेन किया है, लेकिन इसे पीएमएलए प्रावधानों के तहत अपराध की आय नहीं माना जा सकता है। विशेष पीएमएलए अदालत के न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने बुधवार को राउत को पात्रा चॉल पुनर्विकास परियोजना से संबंधित एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें उन्हें इस साल 1 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई

हैदराबाद की फार्मा कंपनी के चीफ समेत 2 गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अरबिंदो फार्मा के चीफ शरद रेड्डी और विनय बाबू का नाम शामिल है। ये दोनों हैदराबाद की टॉप फार्मा कंपनी के कारोबारी हैं। इस मामले में अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले सीबीआई ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और एक मीडिया कंपनी के पूर्व सीईओ विजय नायर, हैदराबाद के कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया था।

17 अगस्त को सीबीआई ने 3 लोगों के खिलाफ केस किया

इससे पहले मामले में सीबीआई ने 17 अगस्त को 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम के डायरेक्टर अमित अरोड़ा, दिनेश अरोड़ा और अर्जुन पांडे का नाम शामिल है। इन सभी को सिसोदिया का करीबी बताया जाता है। सीबीआई के मुताबिक राधा इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर दिनेश अरोड़ा ने इंडोस्पिरिट्स के समीर महेंद्रु से एक करोड़ रुपये लिए थे। वहीं, इस मामले में बिजनेसमैन दिनेश अरोड़ा को सरकारी गवाह बनाया गया है।

सबसे पहले विजय नायर की गिरफ्तारी हुई

एक महीने पहले दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई ने आरोपी विजय नायर को अरेस्ट किया किया था। वह एक एंटरटेनमेंट और इवेंट मीडिया कंपनी के पूर्व सीईओ हैं। इससे पहले ईडी ने भी उसके ठिकानों पर छापेमारी की थी। विजय को इस कथित घोटाले का मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। विजय नायर मनीष सिसोदिया का करीबी है।

केजरीवाल सरकार ने नवंबर 2021 में लागू की नई शराब नीति

2020 में दिल्ली सरकार ने नई शराब नीति लाने की बात कही थी। मई 2020 में दिल्ली सरकार विधानसभा में नई शराब नीति लेकर आई, जिसे नवंबर 2021 से लागू कर दिया गया। सरकार ने नई शराब नीति को लागू करने के पीछे 4 प्रमुख तर्क दिए थे।

टीआरएस सांसद के घर ईडी की तलाशी

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के संबंध में टीआरएस राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र के हैदराबाद के श्रीनगर कॉलोनी में स्थित आवास पर ईडी के अधिकारियों ने राज्य में तलाशी ली। माना जा रहा है कि यह छापेमारी बुधवार को ग्रेनाइट व्यवसायियों के कार्यालयों और राज्य मंत्री गंगुला कमलाकर के घर पर की गई छापेमारी का सिलसिला है। सांसद वद्दीराजू रविचंद्र गायत्री रवि के रूप में लोकप्रिय है। वह तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के सांसद, गायत्री समूह के संस्थापक अध्यक्ष हैं। इसके साथ ही वह एक प्रमुख ग्रेनाइट उद्योगपति और तेलंगाना ग्रेनाइट खदान ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष भी है हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर की संयुक्त टीमों ने बुधवार को करीमनगर में नागरिक आपूर्ति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री गांगुला कमलाकर के आवास और कई ग्रेनाइट कंपनियों के कार्यालयों सहित कई स्थानों पर एक साथ तलाशी ली।कमलाकर अपने परिवार के साथ दुबई में छुट्टियां मनाने गए हुए थे, तभी संयुक्त टीम ने उनके बंद घर पर छापा मारा था।

यह तलाशी कथित तौर पर फेमा के कथित उल्लंघन की जांच के सिलसिले में की गई थी। अधिकारियों ने ग्रेनाइट ब्लॉकों के निर्यात से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों और अभिलेखों की छानबीन की और कथित तौर पर मंत्री के भाई से संबंधित श्वेता ग्रेनाइट सहित ग्रेनाइट फर्मों के अन्य व्यापारिक लेनदेन के बारे में पता लगाया। >14

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शरद पवार शामिल नहीं होंगे : रमेश

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार स्वास्थ्य कारणों से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इसकी जानकारी दी। रमेश ने संवाददाताओं को यहां संबोधित करते हुए कहा कि पवार (81) ने पहले इस पैदल यात्रा में शामिल होने पर सहमति जतायी थी।

कांग्रेस के संचार महसचिव रमेश ने कहा, हाल ही में वह (पवार) अस्पताल में भर्ती हुये थे और आराम करने की चिकित्सकों की सलाह के मद्देनजर वह यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

पवार की बेटी और राकांपा की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सूले, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल तथा राकांपा नेता जितेंद्र आव्हाड, इस पैदल यात्रा में शामिल होने के लिये यहां पहुंच गए हैं। ये नेता राहुल गांधी की सार्वजनिक सभा में शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इस रैली में शामिल होंगे। रमेश ने कहा कि पवार जब अस्पताल में थे तो राहुल गांधी ने उनसे बातचीत की थी।

राम सेतु को राष्ट्रीय विरासत घोषित करने की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, केंद्र पीछे क्यों हट रहा?

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने तमिलनाडु स्थित ऐतिहासिक राम सेतु को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। केंद्र सरकार ने इसका जवाब देने के लिए वक्त मांगा तो शीर्ष कोर्ट ने आज चार सप्ताह की मोहलत दे दी।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ को सुब्रमण्यम स्वामी ने बताया कि यह एक छोटा मामला है जहां केंद्र को इस पर सिर्फ हां या ना कहना है। इस पर केंद्र के वकील ने कहा कि हलफनामा तैयार है। हमें मंत्रालय से निर्देश प्राप्त करना है। वकील ने जब वक्त मांगा तो पीठ ने कहा, वे (केंद्र) अपने पैर क्यों खींच रहे हैं?

इसके बाद कोर्ट ने जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का वक्त देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता स्वामी को एक प्रति दी जाए। इस पर यदि स्वामी को कोई प्रत्युत्तर हो तो वे उसे दो सप्ताह में दाखिल करें। इसके बाद आगे सुनवाई होगी। इससे पहले 3 अगस्त को इस पीआईएल पर तत्कालीन सीजेआई एनवी रमण ने कहा था कि वे स्वामी की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

एडम्स ब्रीज भी कहलाता है राम सेतु, भगवान राम ने किया था निर्माण

तमिलनाडु में रामेश्वरम के पास समुद्र में स्थित राम सेतु को एडम्स ब्रीज भी कहा जाता है। पौराणिक व धार्मिक मान्यता है कि भगवान राम ने श्रीलंका जाने के लिए इस पुल का निर्माण कराया था। जब रावण माता सीता का अपहरण कर लंका ले गया था, तब वहां पहुंचने के लिए इस पुल का निर्माण किया गया था। इसके अवशेष आज भी वहां नजर आते हैं।

पंबन द्वीप व मन्नार द्वीप को जोड़ता है राम सेतु :

राम सेतु तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर पंबन द्वीप और श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट पर मन्नार द्वीप के बीच चूने के पत्थरों की एक श्रृंखला है। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी का कहना है कि वे इस मुकदमे का पहला दौर जीत चुके हैं, जिसमें केंद्र सरकार ने राम सेतु के अस्तित्व को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने उनकी मांग पर विचार करने के लिए 2017 में एक बैठक बुलाई थी, लेकिन बाद में कुछ नहीं हुआ।

यूपीए-1 सरकार लाई थी सेतुसमुद्रम योजना, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी रोक :

भाजपा नेता स्वामी ने पूर्ववर्ती यूपीए-1 सरकार द्वारा शुरू की गई विवादास्पद सेतुसमुद्रम शिप चैनल परियोजना के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में भी राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था। मामला शीर्ष अदालत तक पहुंचा, जिसने 2007 में रामसेतु पर परियोजना के लिए काम पर रोक लगा दी थी।

केंद्र सरकार ने बाद में कहा था कि उसने परियोजना के सामाजिक-आर्थिक नुकसान पर विचार किया था और राम सेतु को नुकसान पहुंचाए बिना सेतुसमुद्रम परियोजना के लिए एक और मार्ग तलाशने को तैयार थी। यूपीए सरकार की इस योजना का भाजपा व सहयोगी संगठनों ने देशभर में कड़ा विरोध किया था। योजना का पर्यावरणविदों व हिंदू संगठनों ने भी विरोध किया था।

'उत्तर बंगाल को अलग करने की हो रही साजिश, सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की योजना'

रानाघाट, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उत्तर बंगाल को राज्य से अलग करने के लिए बिहार और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से आग्नेयास्त्रों की तस्करी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस उद्देश्य के लिए वीआईपी वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और इस तरह के प्रयासों को रोकने के लिए जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया। ममता बनर्जी ने अधिकारियों से कड़ी निगरानी रखने को भी कहा, उनका कहना है कि कुछ लोगों की योजना दिसंबर से राज्य में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की है।

वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मतदाता सूची को अपग्रेड करने में शामिल अधिकारियों से कहा कि वे 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके लोगों को इसमें शामिल करें और किसी को भी धार्मिक पहचान से बाहर न करें। एक बैठक में सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि साजिश रची जा रही है और कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 30 प्रतिशत मतदाताओं को नई सूची से बाहर कर दिया गया है। ममता बनर्जी ने बैठक में कहा कि मैं अधिकारियों से अनुरोध करती हूं कि चुनाव आयोग के नियम के अनुसार सभी का नाम शामिल करें। उन्हें 18 साल के हो चुके लोगों को शामिल करना चाहिए और धार्मिक पहचान के आधार पर किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए। सीएम ने डीएम और एसपी को मतदाता सूचियां तैयार करने पर नजर रखने का भी निर्देश दिया ताकि यह जांचा जा सके कि कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएम, एसपी को उन शिविरों का औचक दौरा करना चाहिए जहां मतदाता सूचियां तैयार की जाती हैं। विधायकों, जिला परिषद सदस्यों को भी इस पर नजर रखनी चाहिए। बुधवार को प्रकाशित एक मतदाता सूची के मसौदे के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 7,42,88,233 मतदाता हैं, जो एक साल पहले की तुलना में 12,577 कम हैं।

गौतम नवलखा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत जेल से निकालकर हाउस अरेस्ट के आदेश

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में आरोपी गौतम नवलखा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक महीने के लिए नवलखा को तलोजा जेल से निकालकर नवी मुंबई में हाउस अरेस्ट के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नवलखा पर शर्तें भी लगाईं हैं और कहा है कि हाउस अरेस्ट के दौरान किसी तरह का कोई संचार उपकरण यानी कोई लैपटॉप, मोबाइल, कंप्यूटर आदि कुछ नहीं होगा। इस दौरान वो किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। ना ही मीडिया से बात करेंगे, साथ ही मामले से जुड़े लोगों और गवाहों से भी बात नहीं करेंगे। कोर्ट ने नवलखा की पार्टनर सहबा हुसैन को साथ रहने की इजाजत दी हैं। नवलखा पुलिस अधिकारियों की ओर से उपलब्ध कराए गए मोबाइल फोन से रोज पांच मिनट तक घर वालों से बात कर सकेंगे। पुलिस अधिकारी निगरानी और फोन कॉल का रिकॉर्ड रख सकेंगे। >14

जैकलीन का आरोप : ईडी तंग कर रही

कोर्ट ने जांच एजेंसी से पूछा, सबूत थे तो अरेस्ट क्यों नहीं किया?

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की नियमित जमानत याचिका पर आज यानी 11 नवंबर को फैसला आएगा। इस केस में गुरुवार को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान ईडी ने कहा कि जैकलीन के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, इसलिए उन्हें नियमित जमानत न दी जाए। इस पर कोर्ट ने ईडी से पूछा कि अगर सबूत हैं तो आपने जैकलीन को अब तक अरेस्ट क्यों नहीं किया? सुनवाई के वक्त पटियाला हाउस कोर्ट में जैकलीन के साथ पिंकी ईरानी भी मौजूद थीं। पिंकी पर सुकेश से पैसा लेकर जैकलीन तक पहुंचाने का आरोप है।

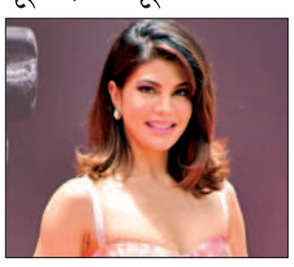

जैकलीन ने कोर्ट रूम में अपने बचाव में कहा, इस मामले में जांच एजेंसी को मैंने पूरा सहयोग किया है। मैंने खुद इस मामले में सरेंडर किया, लेकिन ईडी ने मुझे सिर्फ परेशान किया है। मैं अपने काम के सिलसिले में विदेश जाती रहती हूं, लेकिन मुझे विदेश जाने से रोक दिया गया। मुझे अपने परिवार वालों से भी नहीं मिलने दिया जा रहा है। जैकलीन ने आगे कहा, मैंने इन सब बातों के लिए जांच एजेंसी को ईमेल किया था, लेकिन उसका भी जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मैं देश छोड़कर भागने वाली हूं।

फिर उन्होंने मुझे एलओसी (लुक आउट सर्कुलर) जारी कर रोक दिया। ईडी के सारे आरोप बेबुनियाद हैं। ईडी की तरफ से वकील ने कहा कि जैकलीन एक विदेशी नागरिक हैं। उनका परिवार श्रीलंका में रहता है।

ज्ञानवापी में मिले 'शिवलिंग' के संरक्षण पर आज सुप्रीम सुनवाई, मामले के लिए पीठ का होगा गठन

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मिले 'शिवलिंग' के संरक्षण की अर्जी पर आज शुक्रवार को सुनवाई करेगी। मामले पर विचार के लिए एक पीठ का भी गठन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने शिवलिंग की सुरक्षा के मामले पर कल दोपहर 3 बजे सुनवाई तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले आदेश में वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि मस्जिद के अंदर जिस स्थान पर 'शिवलिंग' मिला है, उसे सुरक्षित रखा जाए।

इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि इससे मुसलमानों के नमाज अदा करने का अधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी के जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया था कि वह मामले को खारिज करने की मांग करने वाली ज्ञानवापी मस्जिद की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति के आवेदन पर फैसला करें। समिति ने कहा था कि पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के तहत ज्ञानवापी केस दायर नहीं किया जा सकता।

मालदीव आग में 9 भारतीयों समेत 11 की मौत

माले, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मालदीव के माले शहर में गुरुवार को एक बिल्डिंग के गैरेज में आग लग गई। इस हादसे में 9 भारतीयों समेत 11 लोगों की मौत हो गई। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। गुरुवार सुबह यानी आज आग पर काबू पाया गया, जिसके बाद ये जानकारी सामने आई है। पुलिस ने कहा, देर रात करीब 12:30 बजे हमें एक बिल्डिंग में आग लगने की खबर मिली। हम तुरंत मौके पर पहुंचे। दमकल की गाड़ियां भी बुलाई गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर बने गैरेज में लगी, जो काफी भीषण थी। इसकी लपटें पहली मंजिल तक पहुंच गई। देखते ही देखते पूरी इमारत जल गई। दमकल विभाग के कर्मियों ने 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह करीब 4:30 बजे आग पर काबू पाया।

एक पुलिस ऑफिसर ने कहा, बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर माइग्रेंट वर्कर्स रहते थे। सभी प्रवासी भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के रहने वाले थे। हादसे में एक बांग्लादेशी प्रवासी की भी मौत हुई है। इस इमारत में तीसरी बार आग लगी है। 2 महीने पहले ही यहां आग लगी थी। मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) की फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के मुताबिक, 28 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 9 लोग अब भी लापता हैं। वहां कुल कितने लोग थे, इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस ऑफिसर ने कहा, फिलहाल आग लगने की वजह का पता नहीं चल सका है। हालांकि गैरेज में कई तरह की गैस रखी हुई थी। जिससे शायद आग लगी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

चंबल का डकैत गुड्डा गुर्जर गिरफ्तार, मुठभेड़ में 100 राउंड गोलियां चलीं

ग्वालियर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने चंबल के कुख्यात इनामी डकैत गुड्डा गुर्जर को शॉर्ट एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दोनों ओर से 100 गोलियां चलीं। ये मुठभेड़ बुधवार रात 8 बजे ग्वालियर से 40 किलोमीटर दूर जंगल हुई। डकैत गुर्जर के पैर में गोली लगी है। इसके बाद भी फायरिंग करता रहा। उसके 3 साथी भाग निकले।

एडीजी डी. श्रीनिवास वर्मा के मुताबिक, डकैत गुड्डा गुर्जर के पास से 315 बोर की बंदूक मिली है। गुड्डा गुर्जर पर 3 हत्या, 5 हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। 28 से 30 डकैती के मामले भी दर्ज हैं। डकैत गुड्डा करीब 15 दिन पहले तब चर्चा में आया था, जब उसने लोगों को चांचौला गांव खाली कर भाग जाने की धमकी दी। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था, डकैत गुड्डा गुर्जर की वजह से प्रदेश की छवि खराब हो रही है। उसका तुरंत सफाया करो। इसके बाद से ही पुलिस उसे सर्च कर रही थी। गुड्डा गुर्जर पर 60 हजार रुपये का इनाम था। गुड्डा के सर्च ऑपरेशन को लीड कर रहे एएसपी क्राइम राजेश दंडौतिया ने इस शॉर्ट एनकाउंटर पर बात की।

उन्होंने कहा, हमें डकैत गुड्डा गुर्जर की मूवमेंट की लोकेशन ग्वालियर से करीब 50 किमी दूर घाटीगांव-भंवरपुरा में मिली थी। मैं अपनी टीम के चुनिंदा 14 ऑफिसर के साथ घाटीगांव के पास बसोटा के जंगल में पहुंचा। शाम का वक्त था। हल्का अंधेरा होने लगा था, तभी हमारा सामना गुड्डा गुर्जर की गैंग से हो गया। टीम ने तत्काल अपनी लोकेशन लेकर डकैतों की घेराबंदी की। हम कुछ समझ पाते, तब तक डकैतों की ओर से पुलिस टीम पर फायरिंग हुई।

गुजरात में भाजपा ने 84 विधायकों के टिकट काटे

अहमदाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को पहली लिस्ट जारी की। 180 विधानसभा सीटों में से अभी 160 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल घाटलोढ़िया से चुनाव मैदान में उतरेंगे। यहां उनके खिलाफ कांग्रेस की एमी यागनिक हैं।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की जगह डॉ. दर्शिता शाह राजकोट पश्चिम से चुनाव लड़ेंगीं। वहीं पार्टी ने वर्तमान सरकार में शामिल 5 मंत्रियों का भी टिकट काट दिया है। इनमें राजेंद्र त्रिवेदी और प्रदीप परमार जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। मोरबी में भाजपा ने मौजूदा विधायक बृजेश का टिकट काट दिया है। उनकी जगह पूर्व विधायक कांतिलाल अमृतिया को टिकट दिया है। >14

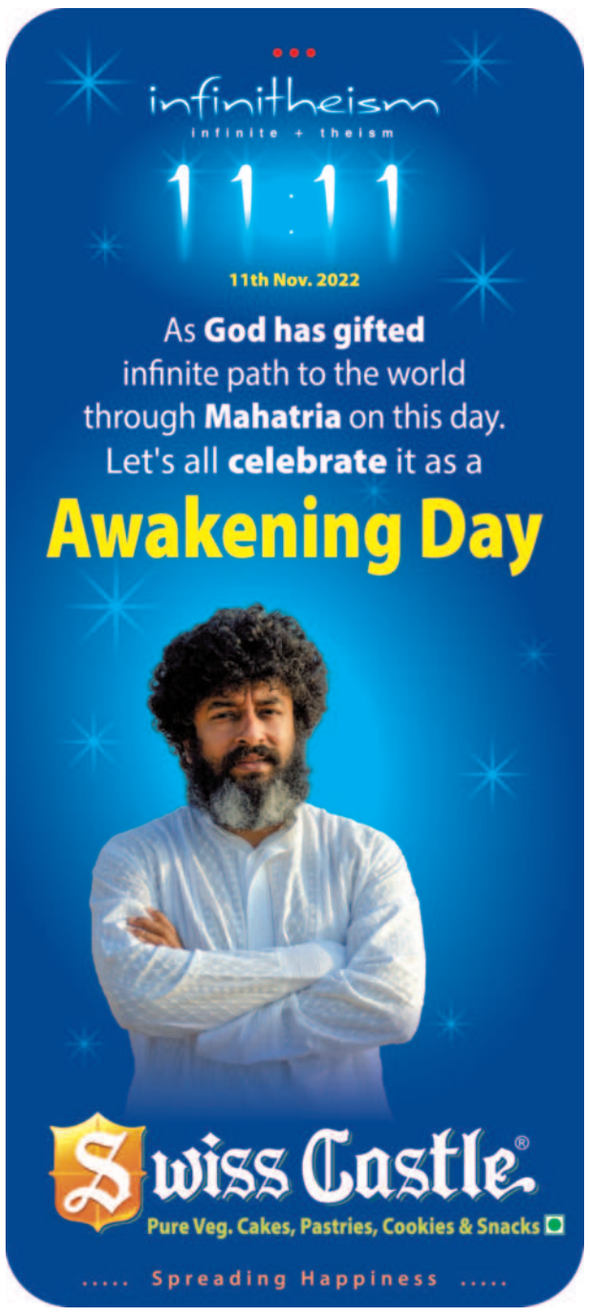

इंश्योरेंस-फाइनेंस ऑफिस में पहले चोरी, फिर आग लगाई

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के एमपी नगर स्थित एक प्राइवेट इंश्योरेंस और फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में चोरों ने पहले चारी की, फिर आग लगा दी। चोर कंप्यूटर, कैश समेत सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़कर ले गए। आग से ऑफिस में रखे कंप्यूटर, फाइलें समेत फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गए। सुबह कर्मचारी जब ऑफिस खोलने पहुंचे तो उन्होंने अंदर से धुआं निकलते हुए देखा। फिर आग बुझाई गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एमपी नगर जोन-1 में पंजाब डेयरी के ऊपर प्राइवेट इंश्योरेंस, फाइनेंस कंपनी के ऑफिस है। गुरुवार सुबह साढ़े 9 बजे जब ऑफिस के कर्मचारी पहुंचे तो उन्होंने धुआं निकलते हुए देखा। इसके बाद फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग बुझाई।

संजय राउत ने जेल से छूटने के बाद की सरकार की तारीफ

कहा पीएम, गृह मंत्री से मिलकर बताऊंगा मेरे साथ क्या हुआ

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में स्पेशल कोर्ट से जमानत मिलने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत जेल से बाहर आ गए हैं। जेल से बाहर आते ही राउत के बोल में नरमी दिखाई दी और उन्होंने मौजूदा सरकार द्वारा किए गए कामों की तारीफ की। उन्होंने साथ ही कहा कि वह जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे और उन्हें बताएंगे कि उनके साथ क्या हुआ है। राउत ने कहा, 'मेरी पार्टी को जो भुगतना था, हम भुगत चुके। अब आगे देखेंगे।'

'फडणवीस से मिलूंगा, राज्य वही चला रहे हैं'

महाराष्ट्र की शिंदे-फडणवीस सरकार की तरीफ करते हुए राउत ने कहा, 'इस सरकार ने अच्छे काम किए हैं और मैं उसकी तारीफ करता हूं। सरकार ने हाल ही में बेहतरीन निर्णय लिए हैं, उनका स्वागत करता हूं। मेरे कुछ काम हैं इसलिए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलकर बात करूंगा क्योंकि राज्य को वही चला रहे हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या किसी से कोई नाराजगी है, उन्होंने कहा, 'मेरे मन मैं किसी के लिए गुस्सा नही हैं। मैं ईडी के खिलाफ कुछ नही बोलूंगा, हम सिर्फ विरोध के लिए कुछ नहीं कहूंगा।'

'सोचता हूं सावरकर, तिलक जेल में कैसे रहे'

जेल में बिताए अपने वक्त को याद करते हुए राउत ने कहा, 'जेल में तबियत खराब थी, अभी भी खराब है। देखिए, अभी तो मेरी घड़ी भी ढीली हो गई है। जेल की दीवारों से बात करनी पड़ती हैं। मैं सोचता था कि वीर सावरकर, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जेल में कैसे रहे। अगर किसी को गलत इल्जाम में जेल भेजा जाता हैं वह गलती ही है।' राउत ने कहा कि वह गुरुवार को उद्धव ठाकरे और शरद पवार से मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि शरद पवार ने उन्हें सुबह फोन भी किया था। राउत ने कहा कि मेरे परिवार ने बहुत कुछ सहा है।

'फडणवीस से लोगों के कामों के लिए मिलूंगा'

संजय राउत ने कहा कि वह लोगों के कामों के सिलसिले में 2-4 दिन में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिल रहा हूं क्योंकि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री है। प्रधानमंत्री या उपमुख्यमंत्री किसी पार्टी के नहीं, लोगों के होते हैं। महाराष्ट्र में किसी से मिलना राजनीति नही होती।' वहीं, भारत जोड़ो यात्रा पर उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो यात्रा का मैं स्वागत करता हूं। अगर तबीयत ठीक होती तो मैं जरूर इसमें शामिल होता। इस संदर्भ में मैं उद्धव ठाकरे से बात करूंगा।'

हर रोज 30 मिनट तक

'जनहित से जुड़ा' प्रसारण करेंगे टीवी चैनल, सरकार ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सेटेलाइट टीवी चैनलों को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार को नए नियम जारी किए हैं। नए नियमों के मुताबिक टीवी चैनलों को हर रोज 30 मिनट तक 'जनहित से जुड़ा' प्रसारण करना होगा। भारत को प्रमुख अपलिंकिंग केंद्र (हब) के रूप में पेश करने के लिए सरकार ने बुधवार को टेलीविजन चैनलों के अनुपालन के लिए दिशानिर्देशों में रियायतों की घोषणा की। साथ ही मुख्य रूप से मनोरंजन चैनलों के लिए 30 मिनट का दैनिक जनहित से जुड़ा प्रसारण अनिवार्य कर दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में सैटेलाइट टेलीविजन चैनल के अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए दिशानिर्देश, 2022 को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस कदम से भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के टेलीविजन चैनलों को सिंगापुर के बजाय भारत से अपलिंक करने की अनुमति मिलने की उम्मीद है। सिंगापुर उपमहाद्वीप में प्रसारित चैनलों के लिए पसंदीदा अपलिंकिंग हब है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में पंजीकृत कुल 897 चैनल में से केवल 30 चैनल ही भारत से अपलिंक हैं।

महबूबा मुफ्ती को घर खाली करने का नोटिस

पूर्व सीएम बोलीं- बहन के घर जा रही हूं, नहीं बचा कोई विकल्प

श्रीनगर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती को अब जल्द ही श्रीनगर के गुप्कर रोड पर आठ कमरों वाले बंगले फेयर व्यू गेस्ट हाउस को छोड़ना होगा. हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री और प्रशासन के बीच अभी तक नए घर को लेकर कोई सहमति नहीं बनी है. बागों से घिरा, फेयर व्यू गेस्ट हाउस महबूबा के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद को 2005 में आवंटित किया गया था, जब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन सरकार में सीएम के रूप में तीन साल पूरे किए थे.

इस्तीफा देने के बाद भी इसी घर में रहीं मुफ्ती

महबूबा मुफ्ती ने अप्रैल 2016 और जून 2018 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वहां रहना जारी रखा. बाद में प्रेस ब्रीफिंग और पार्टी की बैठकों के लिए एक सम्मेलन कक्ष को विशाल लॉन में जोड़ा गया. महबूबा को जून 2018 (पीडीपी-बीजेपी सरकार गिरने के बाद) में सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद भी आवास पर बने रहने की अनुमति दी गई थी.

घर खाली करने के लिए दिया 15 नवंबर तक का समय

हालांकि, अब महबूबा के पास कोई संवैधानिक पद नहीं होने के कारण प्रशासन चाहता है कि वह घर खाली कर दें. 15 अक्टूबर को उन्हें केंद्र शासित प्रदेश के संपदा विभाग ने घर खाली करने के लिए एक नोटिस भी भेज दिया है. 10 दिन बाद भेजे गए एक दूसरे नोटिस में कहा गया कि वह एक अनधिकृत कब्जा है और अब वे पूर्व मुख्यमंत्री की क्षमता में सरकारी आवास को बनाए रखने की हकदार नहीं हैं. उन्हें घर छोड़ने के लिए 15 नवंबर तक का समय दिया गया है.

इस पूरे घटनाक्रम पर महबूबा ने यह तर्क देने की कोशिश की कि उन्हें गुप्कर रोड आवास सुरक्षा के आधार पर प्रदान किया गया था, न कि मुख्यमंत्री के नामित निवास के रूप में. उधर, प्रशासन ने उनके तर्क को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि सरकार उन्हें एक वैक्लिपक आवास देने के लिए तैयार है. महबूबा मुफ्ती अब तक प्रशासन के एक घर को ठुकरा चुकी हैं. वहीं प्रशासन ने उन्हें एम5, तुलसीबाग में एक वीआईपी बंगला दिखाया है, जहां वह पिछले शनिवार को गई थीं. इस घर में उन्होंने रुचि व्यक्त की थी. हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभी भी संशय बना हुआ है.

पार्टी की ओर से क्या कहा गया?

श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम में मुफ्ती के परिवार के घर को उन्होंने पहले ही खारिज कर दिया है, क्योंकि उनके विस्तारित परिवार के सदस्य वहां रहते हैं. पार्टी के एक प्रवक्ता ने कहा कि मुफ्ती को आवंटित वीआईपी बंगला पीडीपी प्रमुख के रूप में मिलने वाले विजिटर्स की संख्या के कारण खराब और अनुपयुक्त था.

चर्च के बिशप और पदाधिकारियों के ठिकाने पर ईओडब्ल्यू की छापेमारी, एक साथ चल रही कार्रवाई

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में गुरुवार सुबह ईओडब्ल्यू की टीम ने ईएलसी चर्च ऑफ एमपी के पदाधिकारियों के घर छापेमार कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि चर्च के बिशप सहित अन्य 5 पदाधिकारियों के घर एक साथ दबिश दी गई है। करीब 15 से 20 गाड़ियों में भोपाल ईओडब्ल्यू की टीम छापेमारी करने पहुंची है। जानकारी के अनुसार सभी जगह पर एक साथ घेराबंदी कर छापा मारा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार चर्च का लूथरन भवन बंद पाया गया है।

सिद्धू मूसेवाला हत्या के राज उगलेंगे निशानेबाज

कोर्ट ने 2 शूटरों समेत 3 लोगों को 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार दो शूटरों समेत तीन लोगों को पूछताछ के लिए दो सप्ताह के लिए सोमवार को पुलिस हिरासत में भेज दिया है।मअतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संजय खनगवाल ने हरियाणा के सोनीपत के प्रियव्रत (26), झज्जर जिले के कशिश (24) और पंजाब के बठिंडा के केशव कुमार (29) को 14 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। इससे पहले स्पेशल सेल ने अदालत से कहा था कि बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ की जरूरत है। पुलिस ने अदालत से कहा कि प्रियव्रत ने शूटरों की टीम की अगुवाई की और वह घटना के समय कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी बरार के सीधे संपर्क में था। पुलिस के अनुसार, वह मेन शूटर था और उसी ने हत्या को अंजाम दिया। जांच एजेंसी के मुताबिक, गोल्डी बरार ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली है। पुलिस का कहना है कि घटना से पहले एक पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में प्रियव्रत को देखा जा सकता है, वह पहले भी दो हत्याओं में शामिल था और उसे 2015 में सोनीपत में एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

एक स्वीपर के खिलाफ उतरी इतनी ताकतवर सत्ता

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने क्यों लगाई तमिलनाडु सरकार को फटकार

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। स्कूल में काम करने वाले सफाई कर्मचारी को नियमित किए जाने के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी डाली थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाते हए कहा कि आखिर इतनी ताकतवर सत्ता एक सफाईकर्मचारी के खिलाफ अदालत क्यों चली आई। दरअसल मद्रास हाई कोर्ट ने एक फैसला दिया था, जिसके तहत 22

साल से एक स्कूल में काम कर रहे सफाई कर्मचारी को नियमित करने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी। अर्जी पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'एक शख्स ने स्कूल में 22 साल तक नौकरी की। इन 22 सालों के बाद वह शख्स बिना ग्रैच्युटी और पेंशन के घर लौटता है। यह समाज का सबसे निचला वर्ग है। आखिर कैसे सरकार एक स्वीपर के खिलाफ जा सकती है? एक सरकार सफाई कर्मचारी के खिलाफ अपनी ताकत का इस्तेमाल कर रही है? सॉरी, हम इस अर्जी को खारिज करते हैं।' तमिलनाडु सरकार का तर्क था कि सफाई कर्मचारी ने भले ही 22 सालों तक स्कूल में काम किया, लेकिन वह पार्ट टाइम जॉब ही थी। यदि स्कूल में परमानेंट वैकेंसी ही नहीं है तो फिर उसे कैसे रेग्युलर वैकेंसी के तहत भर्ती कर्मचारी वाले फायदे दिए जा सकते हैं। इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती कि जिस स्कूल में हजारों बच्चे पढ़ते हैं, वहां सफाई और हाइजीन का जिम्मा एक पार्ट टाइम कर्मचारी को दे दिया गया। हम मानते हैं कि राज्य सरकार को एक स्कीम लानी चाहिए और ऐसे कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति मिलनी चाहिए। मद्रास हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ ही तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने शीर्ष न्यायालय में अपील दायर की थी, लेकिन वहां भी उसे झटका ही लगा।

वादों को नहीं किया पूरा...

एमसीडी चुनाव से पहले आप नेता आतिशी का बीजेपी पर हमला

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने मीडिया से बात करते हुए बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा आज बीजेपी ने मैनिफ़ेस्टों जारी किया है. हम इंतज़ार कर रहे थे कि वो बताए कि पिछले 15 सालों में उन्होंने क्या किया है. लेकिन इनमें से किसी बात को बीजेपी ने नहीं रखा. पिछली बार संकल्प पत्र में जो वादा किया था दिल्ली को साफ़ करने का उसके बारे में हर दिल्ली वाला जानता है कि बीजेपी ने कूड़े पर क्या काम किया है. बीजेपी ने जब अपना रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं किया तो हमने सोचा हम ही कर देते हैं. 2017 में जो संकल्प पत्र जारी किया था मनोज तिवारी ने. हम पूछ रहे हैं कि उन वादों का क्या हुआ. 2017 में बीजेपी ने वादा किया था कि हम एमसीडी के लिए फंड सीधा केन्द्र सरकार से लेकर आएंगे लेकिन पिछले 5 साल में केन्द्र सरकार ने एमसीडी को एक रुपया भी नहीं दिया. उन्होंने कहा कि दिल्ली को ढलाव मुक्त करने का वादा था. बीजेपी ने इसका फ़ार्मूला कुछ इस तरह निकाला कि ढलाव के अलावा पूरी दिल्ली को कूड़ा-कूड़ा कर दिया. बीजेपी ने वादा किया था कि लैंडफिल साइट को हटाएंगे और उस कचरे से हाईवे बनायेंगे. लेकिन आज इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार से ऊँची हो गई है. दीवार तक टूट गई बढ़ते कूड़े की वजह से. बीजेपी ने एक और वादा किया था. सभी मार्केट की रात में क्लीनिंग होगी. लेकिन मार्केट जायेंगे तो सिर्फ़ कबड़ा दिखेगा. बीजेपी का वादा था कि नया टाक्स नहीं लगाएंगे. लेकिन मौजूदा टैक्स को 34% बढ़ा दिया. सैलरी देने के पैसे नहीं है. वादा किया था कि सड़कें नहीं टूटी होगी. लेकिन आप कहीं भी चले जाए तो सड़क नहीं दिखेगी बल्कि गड्ढे दिखेंगे.

मुंबई पर फिर मंडराया टेरर अटैक का साया

ड्रोन और छोटे एयरप्लेन से हो सकता है आतंकी हमला; अलर्ट जारी

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक बार फिर से आतंकी हमले का साया मंडराने लगा है. मुंबई में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि ये आतंकवादी ड्रोन और छोटे एयरप्लेन से मुंबई में आतंकी हमले को अंजाम दे सकते हैं. इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हो गई हैं और बहुत सारी गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी गई है. सूत्रों की मानें तो मुंबई में रिमोट कंट्रोल एयरक्राफ्ट से भी हमले का अलर्ट है. इतना ही नहीं, मुंबई में केवल प्रमुख जगह ही आतंकियों के टारगेट पर नहीं हैं, बल्कि कहा जा रहा है कि आतंकवादी वीवीआईपी को भी निशाना बना सकते हैं. फिलहाल, मुंबई में ड्रोन के उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है. मुंबई पुलिस द्वारा जारी आदेश में साफ कहा गया है कि अगर कोई भी इन नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे आईपीसी की धारा 188 के तहत सजा दी जाएगी. ग्रेटर मुंबई पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आतंकवादी और राष्ट्र विरोधी तत्व ड्रोन, रिमोट कंट्रोल्ड माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, पाराग्राइडर्स का इस्तेमाल कर हमला कर सकते हैं और वीवीआईपी को भी टारगेट कर सकते हैं. यही वजह है कि प्राइवेट हेलीकॉप्टर्स से लेकर हॉट एयर बैलून समेत इन सभी चीजों के इस्तेमाल पर अगले 30 दिनों तक पाबंदी लगा दी गई है. इस दौरान केवल मुंबई पुलिस ही एरियल सर्विलांस कर सकती है. यह आदेश 13 नवंबर से 12 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा.

सोनीपत में हत्या कर शव जलाया

गन्नौर/ सोनीपत, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में बड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार सुबह डेड बॉडी मिलने से हड़कंप मच गया। जिस हालत में शव मिला है, उससे माना जा रहा है कि हत्या के बाद शव को खुद बुर्द करने के लिए जलाया गया है। मौके पर एफएसएल टीम के अलाव गन्नौर के डीएसपी आत्मा राम और एसएचओ संदीप कुमार मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस की छानबीन अभी जारी है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

बड़दांड की मिट्टी को सिरमाथे लगाया

पुरी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा की दो दिवसीय यात्रा पर गयी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज भक्त का भगवान के प्रति रहने वाली श्रद्धा का अनुपम उदाहरण पेश किया। त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, बुलेट प्रूफ गाड़ी होने के बावजूद महामहिम ने एक आम भक्त की तरह दोनों हाथ जोड़कर नीलचक्र को देखते हुए बड़दांड की मिट्टी को सिरमाथे लगाने का साथ पैदल चलकर जगन्नाथ महाप्रभु के दरबार में हाजिरी लगायी है। एक आम भक्त जिस प्रकार से महाप्रभु के दरबार में जाता है, नील चक्र को देखकर महाप्रभु को प्रणाम करता है, ठीक उसी तरह से राष्ट्रपति भी श्रीमंदिर के सामने पहुंची। इतना ही नहीं श्रीमंदिर के बाहर लगे नल के पास गई और वहां पर आम भक्त की ही हाथ-पैर धोकर मंदिर में प्रवेश किया।

सुरक्षा कर्मचारी चकित हो गए

जानकारी के मुताबिक ब्लू बुक सिक्योरिटी के बीच राष्ट्रपति का काफिला जैसे ही बड़दांड में मौसी मां चौक के पास पहुंचा। राष्ट्रपति ने अपनी गाड़ी को रोकने को कहा। अचानक वह गाड़ी से नीचे उतर गई। राष्ट्रपति के गाड़ी से उतरते

देख उनकी सुरक्षा में तैनात तमाम सुरक्षा कर्मचारी चकित हो गए।

बड़दांड की मिट्टी को सिर माथे लगाया

वह कुछ समझ पाते महामहिम राष्ट्रपति ने जगन्नाथ मंदिर के ऊपर लगे नीलचक्र को देखा और वहीं से महाप्रभु को दंडवत प्रणाम किया, बड़दांड की मिट्टी को सिर माथे लगाया। राष्ट्रपति का यह सिलसिला मौसी मां चौक से लगभग डेढ़ किमी दूर जगन्नाथ मंदिर तक जारी रहा है। राष्ट्रपति नील चक्र को देखती और फिर दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करते हुए आगे बढ़ती।

महाप्रभु के दरबार में हर कोई एक समान

राष्ट्रपति के महाप्रभु के इस श्रद्धा ने एक तरफ जहां भक्त का भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास को प्रदर्शित किया, वहीं यह संदेश देने का भी प्रयास किया कि महाप्रभु के दरबार में हर कोई एक समान है। महाप्रभु के दरबार में जाने वाला कोई व्यक्ति ना बड़ा होता है और ना ही छोटा होता है। वहीं राष्ट्रपति के स्वागत में खड़े स्कूली बच्चों से एक राष्ट्रपति के रूप में नहीं बल्कि एक शिक्षिका के रूप में मुलाकात की उनसे हाथ मिलाया। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल, केन्द्र शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान प्रमुख उपस्थित थे।

हरियाणा की हवा 'वैरी पुअर' हुई:6 जिले रेड जोन में पहुंचे

चंडीगढ़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के शहरों की हवा दमघोंटू श्रेणी में पहुंच गई है। राज्य के अधिकांश हिस्से कोहरे की चपेट में आ गए हैं। इस कारण से शहरों में वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) 'वैरी पुअर' यानी बेहद खराब स्थिति में पहुंच गई है। नॉर्थ हरियाणा के शहरों में हालात ज्यादा खराब हो गए हैं, यहां के कुरुक्षेत्र और अंबाला शहरों का एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। राज्य के छह जिले ऐसे हैं, जो रेड जोन में चले गए हैं। इनमें कैथल जिसका एक्यूआई 391 पहुंच गया है। इसके साथ ही यमुनानगर का 371, करनाल का 337, पंचकुला का 330, पानीपत का 320, और फतेहाबाद एक्यूआई 306 पहुंच गया है। आंकड़ों के अनुसार सिरसा, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, हिसार, जींद की भी हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई है।

रेवाड़ी में पीट-पीटकर युवक की हत्या

रेवाड़ी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। गुरुवार की सुबह आरोपी शव को डहीना सामुदायिक केन्द्र में स्ट्रेचर पर डालकर भाग गए। स्वास्थ्य कर्मचारी ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रेवाड़ी स्थित नागरिक अस्पताल में भिजवाया। मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी के गांव कहाड़ी निवासी केशव (24) बीती रात 10 बजे घर से निकला था। उसकी बताया जा रहा है कि केशव की मानसिक हालत कुछ समय से ठीक नहीं थी। उसके बाद वह घर नहीं लौटा। सुबह उसका शव डहीना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्ट्रेचर पर पड़ा होने की सूचना पुलिस की तरफ से परिजनों को दी। उसके बाद परिजनों ने मौके पर पहुंचकर पहचान की।

'जज को जज न करें' ओवैसी को बार असोसिएशन की नसीहत

बार असोसिएशन ने जस्टिस अवस्थी की आलोचना को लेकर ओवैसी को फटकार लगाई है। जस्टिस अवस्थी जब कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, तब उनकी पीठ ने हिजाब केस में फैसला सुनाया था। उन्हें विधि आयोग का अध्यक्ष बनाने की ओवैसी ने आलोचना की है।

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया बार असोसिएशन (एआईबीए) ने एआईएमआईएम के प्रमुख व वकील असद्दीन ओवैसी को कड़ी नसीहत दी है। वकीलों के इस अखिल भारतीय संगठन ने ओवैसी से कहा है कि वे 'जज को जज न करें' यानी किसी न्यायाधीश के बारे में कोई निर्णय या उनकी आलोचना न करें। ओवैसी ने कर्नाटक के हिजाब केस में फैसले सुनाने वाले

जस्टिस ऋतुराज अवस्थी को लॉ कमीशन का अध्यक्ष बनाए जाने की आलोचना की थी। बार असोसिएशन ने जस्टिस अवस्थी की आलोचना को लेकर ओवैसी को फटकार लगाई है। जस्टिस अवस्थी जब कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, तब उनकी पीठ ने हिजाब केस में फैसला सुनाया था। बार असोसिएशन के अध्यक्ष व वरिष्ठ वकील आदिश सी. अग्रवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि विधि आयोग के पुनगर्ठन व जस्टिस अवस्थी को उसका अध्यक्ष बनाए जाने का स्वागत किया है। अग्रवाल ने कहा कि जस्टिस अवस्थी की अध्यक्षता वाली हाईकोर्ट की पीठ के फैसले को बाद में सुप्रीम कोर्ट ने यथावत रखते हुए उस भावना में बरकरार रखा था। बार असोसिएशन के प्रमुख ने कहा कि ओवैसी द्वारा विधि आयोग के अध्यक्ष के रूप में अवस्थी की नियुक्ति की आलोचना की कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। ओवैसी को खुद एक वकील और बैरिस्टर होने के नाते, तथ्यों को गलत तरीके से पेश नहीं करना चाहिए। उन्हें देश की न्यायपालिका में अपना विश्वास प्रदर्शित करना चाहिए।

अग्रवाल ने कहा कि एआईबीए विधि आयोग और उसके नए अध्यक्ष जस्टिस अवस्थी को अपना समर्थन देने का वचन देता है और सभी विघटनकारी और अस्थिरतावादी ताकतों के खिलाफ खड़ा होने का वचन देता है। कर्नाटक हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस अवस्थी को बुधवार को विधि आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 11 नवंबर, 2022 3

सुविचार

आप अनुमान लगाने का जितना अधिक प्रयत्न करेंगे, उतना ही अधिक परेशान होंगे

प्रधाननंत्री के दौरे को लेकर सीएस ने बैठक की

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने आज बीआरकेआर भवन में विभिन्न विभागाध्यक्षों के अधिकारियों के साथ बैठक की और 12 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रामागुंडम यात्रा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को समन्वय से काम करने और प्रधानमंत्री के राज्य के दौरे को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग को रामागुंडम और हैदराबाद में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था और बंदोबस्त करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने पेद्दापल्ली कलेक्टर एस. संगीता सत्यनारायण, सीपी रामागुंडम एस.चंद्रशेखर रेड्डी और सीईओ रामागुंडम फर्टिलाइजर्स ए. के. जैन के साथ एक टेलीकांफ्रेंस की और प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में डीजीपी एम.महेंद्र रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव ऊर्जा सुनील शर्मा, प्रधान सचिव गृह रवि गुप्ता, सचिव जीएडी शेषाद्री, सचिव, टीआर एंड बी केएस श्रीनिवास राजू, डीजी अग्निशमन सेवा संजय कुमार जैन और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने विदेशी नौकरियों के प्रावधान पर चर्चा की

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार, आईएएस ने आज बीआरकेआर भवन में विदेशी नौकरियों पर एक बैठक की और विदेशों में रोजगार प्रदान करने की दिशा में विभिन्न विभागों द्वारा शुरू किए गए उपायों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को विदेश जाने के इच्छुक सभी इच्छुक और सक्षम उम्मीदवारों की पहचान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को नर्सिंग उम्मीदवारों की पहचान करने और उन्हें टॉमकॉम द्वारा विकसित ऐप में पंजीकृत करने के लिए कहा। सभी पंजीकृत नर्सिंग चिकित्सकों और उम्मीदवारों को एक एसएमएस भेजा जाना चाहिए, जो विदेश जाने के इच्छुक हैं। कॉल सेंटर के माध्यम से एक संदेश भी दिया जाना चाहिए। सभी पंजीकृत उम्मीदवारों को लक्षित किया जाना चाहिए और प्रारंभिक स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए और उन उम्मीदवारों पर विचार किया जाना चाहिए जो विदेश में नौकरी करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो मैकेनिक, निर्माण श्रमिकों, ड्राइवरों और इसी तरह के अन्य पेशेवरों के लिए भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। 3अधिकारियों ने बताया कि टॉमकॉम में एक परियोजना निगरानी इकाई स्थापित की गई है। नौकरी के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 20 देशों को प्राथमिकता वाले देशों के रूप में चुना गया है। इच्छुक उम्मीदवारों को नामांकित करने के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। विशेष मुख्य सचिव (श्रम) रानी कुमुदिनी, सचिव, पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, नवीन मित्तल, आयुक्त, श्रम, अहमद नदीम, विशेष सचिव, उद्योग, विष्णु वर्धन रेड्डी, सीएम गंगाधर के ओएसडी और अन्य अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

केशव डालमिया परिवार द्वारा श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ

दुर्गा माता मंदिर से कथा स्थल तक निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केशव डालमिया परिवार द्वारा गुरुवार को गोशामहल पुलिस ग्राउंड स्थित वृंदावन धाम में श्रीमद्भागवत कथा महामहोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गोशामहल स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर से प्रातः 8.31 बजे कथास्थल तक भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। कथा प्रवक्ता श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मां संतोषी माताजी, हरिद्वारा के मुखारविंद से यह कथा बुधवार 16 नवंबर तक प्रतिदिन अपराह्न 2.30 बजे से 6.30 बजे तक जारी रहेगी। कथा के शुभारंभ पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा में गाजे-बाजे के साथ ध्वजाधारण कर कई झांकियां प्रस्तुत की गईं। आज की कथा में कथा वाचिका संतोषी माताजी ने श्रीमद्भागवत के महात्म्य तथा शुकदेव परीक्षित चरित्र पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात वेदमंत्रों के साथ कथा प्रवक्ता माँ संतोषी माताजी का स्वागत किया गया। डॉ. अनन्त काबरा ने सभी का स्वागत करते हुए माँ संतोषी माताजी का परिचय प्रस्तुत किया। डालमिया परिवार द्वारा व्यास पीठ का पूजन सम्पन्न किया गया एवं श्रीमद भागवत महात्म्य व शूकदेव परीत्रित चरित्र प्रसंग से कथा का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवकुमार डालमिया, पवन कुमार डालमिया, प्रमोद कुमार डालमिया, मनोजकुमार डालमिया, आशीष डालमिया, हरीश डागा के अलावा विशेष सहयोगी दिनेश कुमार बडेगांववाले, दिलीप व डॉ. अनंत काबरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कथा में उपस्थित भक्तगण संतोष कुमार अग्रवाल (नागपुर), महेशकुमार अग्रवाल, अनंतकुमार बंसल (उदयपुर), सुभाष केडियाद्व अरुण कुमार लुहारका, हरिकिशन बजाज, डॉ. श्यामसुंदर, हनुमान प्रसाद अग्रवाल (अमरावती), कैलाश गोयल (जयपुर), प्रवीण गुप्ता, संजय गुप्ता, हरिकिशन गुप्ता, नरेश गोयल, मुकेश गोयल आदि उपस्थित रहे।

वीएच ने देश में बीसी जनगणना की मांग की

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद वी. हनुमंत राव ने आज मांग की कि केंद्र सरकार देश में बीसी समुदाय की जनगणना करे। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीन बार जनगणना करने का अनुरोध किया था और कहा कि पीएम ने अब तक उनकी याचिका को पूरा नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की लापरवाही के कारण बीसी समुदाय के लोग देश में बहुत अन्याय का सामना कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसी की जनगणना होनी चाहिए और बीसी समुदाय के लिए आरक्षण बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीएम एक बीसी समुदाय से होने के बावजूद बीसी के कल्याण और विकास के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीसी समुदाय के नेता को केंद्रीय मंत्री के रूप में शामिल करने को बीसी समुदाय के साथ न्याय करने के रूप में नहीं कहा जाएगा। वीएच ने कहा कि अगर देश में बीसी जनगणना नहीं हुई तो मोदी के खिलाफ विद्रोह होगा। उन्होंने कहा कि वे एक कार्य योजना तैयार करेंगे और मोदी से जनगणना कराने की मांग करेंगे। वीएच ने कहा कि वह इस मुद्दे पर राज्यव्यापी दौरा करेंगे और राज्य के लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे।

राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन की टिप्पणियों पर कि उनका फोन टैप किया जा रहा था, वीएच ने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है और कहा कि टिप्पणियों से साबित होगा कि राज्य का आम आदमी राज्य में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने राज्यपाल से इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा और कहा कि अगर राज्यपाल ने मीडियाकर्मियों के साथ अपना दर्द साझा किया तो कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने राज्यपाल की टिप्पणियों के मुद्दे पर केंद्र से जवाब देने की मांग की। वीएच ने हाल के मुनुगोडु उपचुनाव पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह टीपीसीसी अध्यक्ष के एक बयान के बाद इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देंगे।

मंत्रियों का भाजपा से सवाल : जब वे निर्दोष हैं, तो जांच में बाधा क्यों पैदा करते हैं

हैदराबाद, 10 नवंब (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के वरिष्ठ नेता व मंत्री टी. हरीश राव और एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि विधायक खरीद मामले में जब वे निर्दोष हैं, तो जांच में बाधा क्यों पैदा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य सरकार द्वारा गठित एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा टीआरएस विधायकों के खरीद मामले की जांच को रोकने के अनुरोध के साथ उच्च न्यायालय का रुख कर रही है। जांच से विधायक खरीद प्रयास में पार्टी की संलिप्तता स्पष्ट हो जाएगी। मंत्री टी. हरीश राव और एस. निरंजन रेड्डी ने मांग की, "जब वे बार-बार दावा करते हैं कि अवैध शिकार के प्रयास से उनका कोई लेना-देना नहीं है और रंगे हाथों पकड़े गए व्यक्तियों को नहीं जानते हैं, तो वे एसआईटी द्वारा जांच को क्यों रोकना चाहते हैं" यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्रियों ने कहा कि भाजपा के राज्य महासचिव जी. प्रेमेंद्र रेड्डी ने गुरुवार को उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी, जिसमें एसआईटी द्वारा जांच शुरू करने के कुछ घंटों के भीतर जांच को रोकने या इसे केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का अनुरोध किया गया था। टीआरएस नेताओं ने कहा, "उन्होंने इस मुद्दे में निचली अदालत, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है और जब उनका इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है तो वे अदालतों का दरवाजा खटखटाएंगे।" श्री राव और श्री रेड्डी ने कहा कि भाजपा के इस कदम से खरीद मामले में उनकी संलिप्तता का खुलासा होगा। एक तरफ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय यादाद्री मंदिर जाएंगे और शपथ लेंगे कि अवैध शिकार के प्रयास से बीजेपी का कोई लेना-देना नहीं है।

इतिहासकार सुशील पंडित का अभिनंदन समारोह आज

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र के सुप्रसिद्ध चिंतक, प्रखर वक्ता एवं इतिहासकार सुशील पंडित के नगर आगमन के सुअवसर पर आरोग्य हॉस्पिटल, मोजमजाही मार्केट के भूतल स्थित सभागार में कल शुक्रवार 11 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे से स्नेहमिलन एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। आज यहां डॉ. मोहन गुप्ता द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर कई विषयों पर परिचर्चा भी की जाएगी।

भरत कुमार ने गुरुवार को पदभार ग्रहण

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए गए सोमा भरत कुमार ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने लालापेट स्थित विजया डेयरी कार्यालय में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव की उपस्थिति में कार्यभार संभाला। इस मौके पर मंत्री श्रीनिवास यादव ने भरत कुमार को शॉल पहनाकर सम्मानित किया और उनके अच्छे कार्यकाल के होने की कामना की। कार्यक्रम में जहीराबाद के सांसद बीबी पाटिल, एमएलसी सुरभि वाणीदेवी, पर्यटन निगम के अध्यक्ष उप्पला श्रीनिवास गुप्ता, पूर्व पार्षद ममता संतोष गुप्ता समेत अन्य ने भाग लिया।

पुलिस ने राउडी शीटरों को शांति बनाए रखने की दी सलाह

राउडी शीटर मेले में 47 की हिस्ट्रीशीट बंद की कार्रवाई शुरू

हैदराबाद, 10 नवंब (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस ऑयुक्त सीवी आनंद के निर्देश पर डीसीपी साउथ जोन, पी. साई चैतन्य, डीसीपी टास्क फोर्स जी चक्रवर्ती ने सी.ए.आर. मुख्यालय में राउडी शीटर मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में सिटी पुलिस के साउछ जोन में विभिन्न थानों में (647) अपराधियों के मामलों की समीक्षा की गई।

पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर द्वारा राउटी शीटरों की हिस्ट्रीशीट बंद करने के लिए दिए गए मानदंडों के अनुसार, डीसीपी दक्षिण क्षेत्र, डीसीपी टास्क फोर्स ने अपनी टीमों के साथ सभी मामलों की समीक्षा की और 47 को बंद करने के लिए अंतिम रूप दिया और अनुमोदन प्राप्त किया। इन 47 मामलों में 10 साल में 35 लोगों ने कोई अपराध नहीं किया, 3 की उम्र 60 हो गई और कोई अपराध नहीं किया, एक ने 55 साल की उम्र में केवल एक पीटी मामला और स्वास्थ्य के आधार पर 8 की रीउडी शीट बंद करने की कार्रवाई की गई। इस मेले में लगभग तीन सौ (300) राउडी शीटरों ने भाग लिया है। डीसीपी साउथ जोन और डीसीपी टास्क फोर्स ने उन्हें परामर्श दिया और भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होने के निर्देश दिए। राउटी शीटरों भविष्य में शांतिपूर्ण जीवन बनाए रखने की सलाह दी और उनकी भी राउडी शीट भी बंद कर दी जाएंगी।

सीएम कार्यालय में हजारों फाइलें लंबित : एनवीएसएस

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज दावा किया कि राज्य के प्रशासन से संबंधित हजारों फाइलें मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यालय में लंबित हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में पिछले तीन महीनों से राज्य का प्रशासन ठप है। राज्य भाजपा मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, एनवीएसएस ने आरोप लगाया कि सीएम ने राज्य में पुलिस व्यवस्था का पूरी तरह से राजनीतिकरण किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक, मंत्री निजी तौर पर कह रहे हैं कि उनके फोन पुलिस विभाग द्वारा टैप किए जा रहे है। राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने भी उनके फोन टैपिंग के बारे में संदेह व्यक्त किया है और दावा किया है कि फोन टैपिंग के तहत किया जा रहा है। केसीआर की सीधी निगरानी उन्होंने मांग की कि फोन टैपिंग मामले की गहन जांच के आदेश देने की जरूरत है। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता धरणी पोर्टल के नाम पर राज्य में भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि गैंगस्टर नईम हत्याकांड, ईएसआई और मियापुर भूमि घोटाले में उनकी पूछताछ का क्या हुआ? विधायक अवैध शिकार घोटाले में एसआईटी गठित करने के राज्य सरकार के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों को राज्य सरकार के हाथ में रखने के लिए एसआईटी का गठन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा में बाधा डालने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों द्वारा आयोजित किए जा रहे विरोध कार्यक्रमों पर उन्होंने कहा कि पीएम के कार्यक्रम में बाधा कुछ और नहीं बल्कि राज्य के विकास में बाधा है।

विधायक खरीदी मामले में एसआईटी की पूछताछ शुरू

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) गुरुवार को यहां विधायकों के अवैध शिकार मामले में तीन आरोपियों से पूछताछ कर रहा है। पुलिस ने आरोपी को चंचलगुडा जेल से हिरासत में ले लिया और कड़ी सुरक्षा के बीच राजेंद्रनगर थाने ले आई।

रामचंद्र भारती उर्फ सतीश शर्मा, हरियाणा के फरीदाबाद के एक पुजारी, सिंह्याजी, तिरुपति के पुजारी और हैदराबाद में एक रेस्तरां के मालिक नंदकुमार से सनसनीखेज मामले के संबंध में पूछताछ की जा रही है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के चार विधायकों को भाजपा में शामिल होने के लिए लुभाने की कोशिश की थी। बताया जा रहा है कि जांच अधिकारी अपने वकीलों की मौजूदगी में आरोपियों से अलग से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज कर रहे हैं। एसआईटी टीआरएस विधायकों के साथ हुई बातचीत के आधार पर आरोपियों से अधिक जानकारी हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा जांच पर रोक हटाने के बाद राज्य सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने के एक दिन बाद आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एसआईटी का नेतृत्व हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद कर रहे हैं। छह अन्य पुलिस अधिकारी टीम के सदस्य हैं। कथित तौर पर भाजपा के एजेंट कहे जाने वाले तीनों आरोपियों को 26 अक्टूबर की रात हैदराबाद के पास मोइनाबाद में एक फार्महाउस से गिरफ्तार किया गया था, जब वे कथित तौर पर टीआरएस के चार विधायकों को मोटी रकम के लालच में फंसाने की कोशिश कर रहे थे। साइबराबाद पुलिस ने एक विधायक पायलट रोहित रेड्डी की गुप्त सूचना पर छापेमारी की। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें 100 करोड़ रुपये और तीन अन्य को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

माओवादियों ने 'पुलिस का मुखबिर' होने पर एक व्यक्ति की हत्या की

मुलुगु, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ राज्यों की सीमा पर जिले के वेंकटपुरम (नुगुर) मंडल के कोंडापुर गांव में बुधवार को एक कोया आदिवासी, 47 वर्षीय सब्बुका गोपाल की कथित तौर पर प्रतिबंधित भाकपा माओवादियों की पांच सदस्यीय टीम ने हत्या कर दी। रात में उसे 'पुलिस मुखबिर' करार दिया। माओवादियों की वेंकटपुरम-वज़ीडू एरिया कमेटी द्वारा कथित तौर पर मौके पर छोड़े गए एक पत्र में, यह दावा किया गया है कि उन्होंने पुलिस का मुखबिर होने के कारण गोपाल की हत्या की और यह भी चेतावनी दी कि अगर कोई और पुलिस के लिए काम करता है, तो उनका भी ऐसा ही हश्र होगा।

सिकंदराबाद के टी. अमरनाथ गौड बने त्रिपुरा उच्च न्यायालय के नये मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति टी. अमरनाथ गौड को त्रिपुरा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। न्यायमूर्ति टी. अमरनाथ गौड त्रिपुरा उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश है।

वह कल सेवानिवृत हो रहे न्यायमूर्ति इंद्रजीत महंती के स्थान पर मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे। न्यायमूर्ति टी. अमरनाथ गौड़ का जन्म एक मार्च 1965 को सिकंदराबाद में टी. कृष्णा और श्रीमती सावित्री के परिवार में हुआ था। उन्होंने सिकंदराबाद में स्कूली शिक्षा सेंट पैट्रिक हाई स्कूल, वेस्ले बॉयज जूनियर कॉलेज से इंटरमीडिएट, हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय के कला और विज्ञान कॉलेज से बीएससी की डिग्री ली और महाराष्ट्र में मराठवाडा के शिवाजी लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री हासिल की। आंध्र प्रदेश बार काउंसिल में 22 सितंबर 1990 को अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया और न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैया (तब अधिवक्ता थे) के चैम्बर में शामिल हुए। सिविल, आपराधिक, संवैधानिक और कानून की अन्य सभी विधाओं में सक्रिय रूप से वकालत की और नलगोंडा जिला सहकारी सेंट्रल बैंक लिमिटेड के लिए स्थायी वकील भी रहे। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने उन्हें कई मामलों में मध्यस्थ, न्याय मित्र और अधिवक्ता आयुक्त और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति के पैनल वकील के रूप में भी नियुक्त किया है।

न्यायाधीश गौड हैदराबाद मानवाधिकार संरक्षण संगठन के मानद अध्यक्ष रह चुके है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, हैदराबाद के उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में सेवा की। लायंस क्लब इंटरनेशनल (सिकंदराबाद मिलेन्यूयिम डिस्क 320सी के लायंस क्लब) में पिछले 18 वर्षो से लॉयन थे और हैदराबाद के हार्ट एंड आई फाउंडेशन के ट्रस्टी, हैदराबाद लायंस भवन, के ट्रस्टी थे। लायंस क्लब इंटरनेशनल के क्षेत्रीय चेयरपर्सन, जोनल चेयरपर्सन और डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति गौड को 21 सितंबर 2017 को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए हैदराबाद में न्यायिक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति मिली। 28 अक्तूबर 2021 को उनका अगरतला में त्रिपुरा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित हुआ।

दोषसिद्धि पर स्टे के लिए आजम खां की अर्जी खारिज

सेशन कोर्ट ने सुनाया अपना फैसला

रामपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। नफरती भाषण देने के मामले में निजली अदालत के फैसले पर स्टे के लिए आजम खां की अर्जी रामपुर की सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने रामपुर की सेशन कोर्ट को आज ही आजम खां की दोषसिद्धि के अपील के स्टे प्रार्थनापत्र पर सुनवाई करने और फैसला देने के आदेश दिए थे। इस संबंध में कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब रामपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायालय एमपी एमएलए सेशन कोर्ट (न्यायाधीश आलोक दुबे की कोर्ट में) आज़म खां के मामले पर सेशन कोर्ट ने एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। आज़म खां की तरफ से पूर्व अपर महाधिवक्ता इमरान उल्लाह बहस की। उन्होंने पूर्व में दिए गए फैसले का हवाला दिया।

सपा नेता आजम खां को 27 अक्तूबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने नफरती भाषण देने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल की कैद और छह हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी। कोर्ट से तीन साल की सजा मिलने के बाद अगले दिन 28 अक्तूबर को उनकी विधायकी रद्द कर दी और रामपुर विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया। इसके बाद चुनाव आयोग ने पांच नवंबर को रामपुर विधानसभा सीट पर उप चुनाव कराने का एलान कर दिया था। उपचुनाव के लिए गजट अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होनी थी। उप चुनाव के नामांकन पत्र दाखिल करने का कार्य भी 10 नवंबर से शुरू होना था। इस बीच सपा नेता आजम खां ने सात नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर दाखिल की थी।

उन्होंने सरकार की मंशा और चुनाव की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। जिस पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता

सपा नेता आजम खां को 27 अक्तूबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने नफरती भाषण देने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल की कैद और छह हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी। कोर्ट से तीन साल की सजा मिलने के बाद अगले दिन 28 अक्तूबर को उनकी विधायकी रद्द कर दी और रामपुर विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया था।

वाली पीठ में सुनवाई हुई।

सपा नेता आजम खां ने बुधवार को ही सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की।

मुलायम सिंह की सीट से डिंपल यादव लड़ेंगी उपचुनाव

समाजवादी पार्टी का एलान

मैनपुरी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। सपा ने गुरुवार को उनके नाम की घोषणा कर दी। बता दें कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

अखिलेश यादव खुद करेंगे चुनाव का संचालन

समाजवादी पार्टी मैनपुरी से उम्मीदवार के तौर पर डिंपल यादव के अलावा तेज प्रताप यादव और धर्मेंद्र यादव के नाम पर विचार कर रही थी, लेकिन बृहस्पतिवार को डिंपल यादव के नाम पर मुहर लग गई है। डिंपल इससे पहले कन्नौज से सांसद रह चुकी हैं। फिरोजाबाद से भी चुनाव लड़ी थी, लेकिन हार का सामना

करना पड़ा था। डिंपल यादव के चुनाव का संचालन खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव करेंगे।

डिंपल का सियासी सफर

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। डिंपल अपना पहला चुनाव हार गई थीं, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने अपना आत्मविश्वास बनाए रखा। उनके भाषणों में शालीनता साफ दिखती है, यही वजह है कि वह कम समय में ही लोगों के दिलों में उतरती चली गईं। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की दो सीटों फिरोजाबाद और कन्नौज से चुनाव लड़ा। बाद में अखिलेश ने फिरोजबाद सीट छोड़ दी थी। उपचुनाव में डिंपल को वहां से उम्मीदवार बनाया। लेकिन डिंपल कांग्रेसी नेता राज बब्बर से चुनाव हार गईं थी। अखिलश यादव के कन्नौज लोकसभा सीट छोड़ने के बाद वहां 2012 में उपचुनाव हुआ। सपा ने इस बार भी डिंपल यादव पर भरोसा जताया। इस चुनाव में बसपा, कांग्रेस, भाजपा ने उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा जबकि, दो लोगों के नामांकन वापस लेने के बाद डिंपल निर्विरोध चुनाव जीतने में कामयाब रहीं। वहीं 2014 लोकसभा चुनाव में भी वह कन्नौज सीट बचा ले गईं थी। हालांकि 2019 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

मैनपुरी उपचुनाव में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने भी ताल ठोंकी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर (ओपी राजभर) ने बुधवार को सुभासपा प्रत्याशी का एलान किया था। उन्होंने मैनपुरी उपचुनाव में रमाकांत कश्यप को प्रत्याशी बनाया है। रमाकांत कश्यप इटावा के रहने वाले हैं। हालांकि भाजपा ने अभी अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है।

बेटियों के लिए मिसाल

लालू की बेटी रोहिणी पिता को देंगी किडनी सिंगापुर में इसी महीने होगा ट्रांसप्लांट

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले कई सालों से किडनी की बीमारियों से पीड़ित लालू प्रसाद की जिंदगी बचाने के लिए उनकी सिंगापुर वाली बेटी रोहिणी अचार्य ने बड़ा फैसला लिया है जो कि देश की सभी बेटियों के लिए मिसाल है। दरअसल, रोहिणी अचार्य ने अपने पिता को एक किडनी दान करने का फैसला किया है ताकि वे संकट से बाहर निकल सकें।

एआईजी प्रशांत कुमार के घर ईओयू का छापा

आय से ज्यादा संपत्ति का मामला

मुजफ्फरपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने आज मुजफ्फरपुर के तिरहुत में सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) प्रशांत कुमार के घर व उनके दफ्तर पर छापा मारा। छापे में नकदी, आभूषण व अन्य सामग्री जब्त की गई है।

एआईजी प्रशांत कुमार के खिलाफ पटना की विशेष सतर्कता इकाई ने 9 नवंबर को आय से ज्यादा संपत्ति का केस दर्ज किया था। आज की छापामारी इसी सिलसिले में की गई।

मुजफ्फरपुर के अलावा पटना व सीवान में भी छापे

बताया गया है कि एआईजी प्रशांत कुमार के मुजफ्फरपुर स्थित आवास के अलावा पटना और सीवान के ठिकानों पर छापे मारे

गए हैं। यह कार्रवाई विशेष सतर्कता इकाई द्वारा की गई। ईओयू की टीम ने प्रशांत कुमार के सीवान, पटना एवं मुजफ्फरपुर के आवास एवं कार्यालय में गुरुवार की सुबह पांच बजे एक साथ तलाशी शुरू की।

सब रजिस्ट्रार व रजिस्ट्रार रहने के बाद बने एआईजी

प्रशांत कुमार बिहार सरकार में सब-रजिस्ट्रार और रजिस्ट्रार रहे हैं। इसके बाद वे एआईजी बनाए गए। इस दौरान उन पर लगभग 2,06,80,785 रुपये अवैध रूप से कमाने का आरोप है, क्योंकि यह उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक है। अब तक की जांच में भारी मात्रा में नकदी, आभूषण व अन्य सामग्री जब्त की गई है।

प्रशांत कुमार सीवान जिले के नई बस्ती महादेवा इलाके में रहते हैं। सीवान स्थित उनके आवास से तलाशी के दौरान नकदी एवं आभूषण बरामद किए जाने की सूचना है।

इन लंबित मांगों पर अड़ा बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ

सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिख मांगा बैठक के लिए समय

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल के सरकारी डॉक्टरों के मंच बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ की नवगठित कार्य समिति ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि सरकारी डॉक्टरों की लंबे समय से लंबित मांगों पर चर्चा करने और समाधान तक पहुंचने के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करना चाहता है। डॉ रंजीत कुमार ने बिहार के उपमुख्यमंत्री और सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और स्वास्थ्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के साथ डॉक्टरों की शिकायतों पर चर्चा करने और उनका निवारण करने के लिए अलग-अलग समय मांगा है।

प्रो. विनय पाठक की याचिका पर फैसला सुरक्षित, 15 को आएगा निर्णय

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक की याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की खंडपीठ ने कहा कि वह 15 नवम्बर को अपना फैसला सुनाएगी।

इसी के साथ कोर्ट ने फैसला सुनाए जाने तक प्रो. पाठक के खिलाफ उत्पीड़ात्मक कार्रवाई न किए जाने का भी आदेश दिया है।

प्रो. पाठक के करीबी कारोबारियों के खातों को खंगाला

कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक के करीबी कारोबारी अजय मिश्र व अजय जैन के बैंक खातों को एसटीएस ने खंगाला। जांच एजेंसी को पांच बैंकों के इन दोनों के खातों की डिटेल मिल गया है। इसमें दोनों की इनवाइस और ई-वे बिल का मिलान भी कराया जा रहा है।

बैंक खातों से ही आरोपितों की कंपनियों के कारोबारी लेनदेन मिले हैं। कंपनी के खातों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। इसके लिए संबंधित बैंकों को पत्र भेजा गया है। उधर, एसटीएफ ने प्रो. पाठक के कई और करीबियों की सूची भी तैयार की है। जिनसे जल्द पूछताछ की जाएगी। इसमें एकेटीयू और आईईटी के कई कर्मचारी व अधिकारी शामिल हैं।

कर्ज से तंग परिवार तबाह, छह ने खाया जहर, पांच की मौत

सूदखोरों के दबाव में थे

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के नवादा शहर में कर्ज से तंग आकर एक परिवार तबाह हो गया। परिवार के छह सदस्यों ने सामूहिक खुदकुशी के इरादे से जहर खा लिया। इनमें से पांच की मौत हो गई। बताया गया है कि सूदखोर परिवार पर दबाव डाल रहे थे।

परिवार के मुखिया केदारनाथ गुप्ता का परिवार नवादा के न्यू एरिया की आदर्श सोसायटी में किराए के घर में रहता था। गुप्ता व उनके परिवार के छह लोगों ने जहर खाया। इनमें से गुप्ता समेत पांच की मौत हो चुकी है और एक गंभीर है।

नवादा पुलिस के अनुसार केदारनाथ गुप्ता मूलरूप से रजौली के रहने वाले थे। वे कुछ समय से अपने परिवार के साथ नवादा में रह कर कारोबार करने लगे थे। कारोबार के लिए उन्होंने कुछ लोगों से कर्ज लिया था। कर्ज और ब्याज लगातार बढ़ रहा था और वे उसे चुका नहीं पा रहे थे।

सूदखोर वसूली के लिए प्रताड़ित कर रहे थे

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गुप्ता ने कई सूदखोरों से कर्ज ले रखा था और वे उन पर पैसा चुकाने का दबाव बनाते हुए प्रताड़ित कर रहे थे। गुप्ता ही नहीं पूरे परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा था। पुलिस का कहना है कि संभवतः इसी कारण से पूरे परिवार ने सामूहिक खुदकुशी का कदम उठाया।

मृतकों में दंपती व तीन बच्चे शामिल

मृतकों की पहचान केदारनाथ गुप्ता, उनकी पत्नी अनिता और तीन बच्चों के रूप में हुई। दो लोगों की आदर्श सोसायटी में ही मौत हो गई, जबकि तीन ने अस्पताल में प्राण त्याग दिए। नवादा पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

एक बच्चे का चल रहा इलाज : एसपी

नवादा के पुलिस अधीक्षक गौरव मंगल ने बताया कि छह लोगों ने जहर खाया था। इनमें से पांच की मौत हो चुकी है। एक बच्चे का इलाज चल रहा है। उसका बयान दर्ज करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रथम दृष्ट्या यह मामला कर्ज के कारण यह कदम उठाए जाने का प्रतीत हो रहा है।

चौकी में घुसकर चोरों ने पिस्तौल-कारतूस के साथ वर्दी भी उड़ाई

कानपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस का ध्येय वाक्य है सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा, मगर कानपुर की आउटर पुलिस अपनी और अपने सामान की सुरक्षा तक न कर सकी। जानकारी के मुताबिक बुधवार को बिधनू थाने के की न्यू आजाद चौकी में घुसकर चोरों ने पिस्तौल और कारसूत पार कर दिए। कमाल की बात ये है कि थाने में चौकी प्रभारी सुधाकर पांडे सो रहे थे। थाना प्रभारी इतना निश्चिंत होकर सो रहे थे कि उन्हें चोरों की आहट तक नहीं लगी और वो पिस्तौल-कारतूस के साथ-साथ वर्दी भी लेकर चलते बने और चौकी प्रभारी सोते रहे। जानकारी के मुताबिक बुधवार रात के अंधेरे में चोर पुलिस चौकी के अंदर घुस कर सरकारी असलहा, कारतूस, कपड़ों से भरा बैग चोरी कर ले गए और चौकी इंचार्ज समेत पूरा अमला आराम की नींद सोता रहा। सुबह जब ड्यूटी पर सिपाही पहुंचा तो चौकी की हालत देख हड़कंप मच गया। चौकी में चोरी की सूचना आग की तरह फैली तो आनन-फानन में एसपी आउटर समेत पूरा अमला पहुंच गया। चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया गया।

बिधनू थाना क्षेत्र में आने वाली न्यू आजाद नगर पुलिस चौकी में बुधवार रात चौकी इंचार्ज सुधाकर पांडे ड्यूटी पर थे। रात को ही चोर अंदर घुस कर चौकी इंचार्ज की पिस्टल, 10 कारतूस, कपड़ों से भरा एक बॉक्स चोरी कर ले गए।

महिला को जिंदा जलाने के मामले में बड़ी कार्रवाई

68 आरोपियों की हुई पहचान, अब तक 14 गिरफ्तार

गया, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया में एक महिला को डायन बताकर जिंदा जलाने के मामले में पुलिस ने 68 आरोपियों की पहचान कर ली है। इसके अलावा परिजनों और कई चश्मदीदों के बयान लिए गए हैं। इस मामले में 14 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। एसएसपी हरप्रीत कौर ने आर्थिक मदद देने का भी भरोसा दिया है।

बता दें कि गया में पांच नवंबर (शनिवार) को अंधविश्वास के कारण एक महिला पर डायन होने का आरोप लगाकर गांव के लोगों ने जिंदा जला दिया। ये मामला गया के मैगरा थाना क्षेत्र के पंचमाह गांव का है। बताया जा रहा है कि पहले महिला के साथ मारपीट की गई फिर कपड़े में लपेटकर उसे जिंदा जला दिया गया। 45 वर्षीय महिला को डायन घोषित कर उसके घर में जिंदा जलाने के आरोप में नौ महिलाओं समेत 14 लोगों को गिरफ्तार

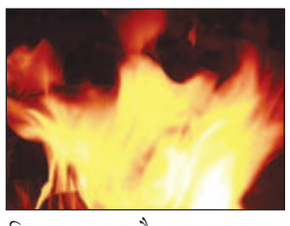

किया जा चुका है। अब 68 अन्य आरोपियों की पहचान हुई है।

इस कांड में झारखंड के एक ओझा की बड़ी भूमिका

मिली जानकारी के मुताबिक, इस कांड में झारखंड के एक ओझा की बड़ी भूमिका रही। दरअसल, गांव में एक महीने पहले एक व्यक्ति परमेश्वर की मौत हो गई थी। झारखंड के ओझा ने उनकी मौत का कारण मृतका महिला को बताया। उसने कहा कि वह उस महिला से अपने तंत्र मंत्रों के बल पर कबूल करवा लेंगे कि उसी ने जादू-टोना करके परमेश्वर की हत्या कर दी थी। इसी को लेकर ग्रामीण कई बार हेमंती देवी के घर पर पहुंचे थे। कई बार की कोशिशों के बाद आखिरकार ग्रामीणों की भीड़ हेमंती देवी के घर में घुस गई और उसे खींचकर घर के कमरे से खींचकर मारपीट की। फिर कमरे में ही कपड़े में लपेटकर उसे जिंदा जला दिया।

पुलिस टीम पर भी गांव वालों ने किया हमला

मॉब लिंचिंग से पहले जब इस मामले की जानकारी पुलिस को लगी और पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस टीम पर भी गांव वालों ने हमला कर दिया, जिसके कारण उनको भी मौके से भागना पड़ा। हालांकि बाद में एक बार फिर पुलिस गांव में पहुंची, लेकिन तब तक गांव वाले अपनी मंशा में कामयाब हो चुके थे। बाद में पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है।

मैनपुरी में बहू से भिड़ेगी पतोहू!

डिंपल के खिलाफ बीजेपी से अपर्णा यादव के चुनाव लड़ने की अटकलें

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर 5 दिसंबर को होने वाले उपचुनाव में बीजेपी अपर्णा यादव पर दांव लगा सकती है। अगर ऐसा होता है तो समाजवादी पार्टी की इस परंपरागत सीट पर नेताजी की दो बहुएं आमने-सामने होंगी। दरअसल समाजवादी पार्टी ने मैनपुरी सीट पर अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को खड़ा किया है। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही है कि बीजेपी मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को उम्मीदवार बना सकती है।

अपर्णा यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं। अपर्णा ने साल 2017 में लखनऊ कैंट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन वो बीजेपी की रीता बहुगुणा जोशी से हार गई थी।

तेजस्वी यादव का पीछा नहीं छोड़ रहे ओवैसी

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में भी एआईएमआईएम की एंट्री

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बिहार की राजनीति में तेजी से अपने पैर पसार रहे हैं। इससे डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। विधानसभा उपचुनाव में तेजस्वी का खेल बिगाड़ने के बाद अब ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने पटना यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनाव में भी एंट्री मार ली है। पीयू छात्र संघ चुनाव में पहली बार ओवैसी की पार्टी से समर्थित उम्मीदवार भी मैदान में कूद गई है।

जानकारी के मुताबिक पटना यूनिवर्सिटी (पीयू) छात्रसंघ चुनाव में पहली बार एआईएमआईएम समर्थित उम्मीदवार उतारा जा रहा है। पार्टी ने शबा कुतुब को उपाध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाया है। शबा एमएससी सांख्यिकी की छात्रा हैं।

हालांकि अन्य पदों पर प्रत्याशी उतारने पर फैसला नहीं हुआ है।

छात्र राजद के वोट काटेगी ओवैसी की उम्मीदवार?

शबा कुतुब का मुकाबला वैसे तो सभी एबीवीपी, एनएसयूआई, छात्र जदयू समेत सभी छात्र संगठनों से होगा। मगर छात्र राजद को बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है। आरजेडी की तरह इसकी स्टूडेंट विंग छात्र राजद के भी कोर वोटर यादव और मुस्लिम स्टूडेंट्स हैं। वहीं, ओवैसी की पार्टी भी मुस्लिम वोटों को रिझाने में लगी है। अगर शबा कुतुब कुछ मुस्लिम वोटर्स अपने कब्जे में करने में सफल होती है, तो छात्र राजद के वोट छिटक सकते हैं।

पिछले कुछ सालों से सीमांचल में अपनी पैठ बना रहे असदुद्दीन ओवैसी अब बिहार के अन्य इलाकों में भी जड़ें जमाने लगे हैं। हाल ही में गोपालगंज में हुए विधानसभा उपचुनाव में ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने प्रत्याशी उतारा था, जिसे 12 हजार से ज्यादा वोट मिले। उस वजह से तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी के उम्मीदवार को 1800 से भी कम वोटों से बीजेपी कैंडिडेट से हार झेलनी पड़ी। गोपालगंज में ओवैसी के उम्मीदवार ने आरजेडी के वोटों में सेंध लगाई। अगले महीने कुढ़नी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी एआईएमआईएम ने प्रत्याशी उतारने का फैसला लिया है। इससे तेजस्वी यादव के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं।

छात्रा की मौत के बाद बवाल

छात्राओं ने जाम लगाया, पथराव, तोड़फोड़

फिरोजाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के थाना रामगढ़ क्षेत्र में डंपर की टक्कर से छात्रा की मौत के बाद साथी छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। स्कूल की छात्राओं ने सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। छात्राओं के आक्रोश की बात पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इसी बीच बवाल बढ़ गया और बड़े अधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए पथराव हो गया। इससे कई वाहनों के शीशे टूट गए। नगला धनी नेपई निवासी दिव्या 12 वर्ष पुत्री सोमवीर रागी इंटर कॉलेज चनौरा में कक्षा 6 की छात्रा थी। वह गुरुवार को साइकिल से स्कूल आ रही थी। इसी दौरान डंपर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद वहां काफी लोग एकत्रित हो गए। पता चलते ही उसके परिवारी जन भी वहां पहुंच गए। स्कूल की छात्राएं सड़क पर आ गईं। उन्होंने सड़क पर जाम लगा दिया। इस दौरान वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई। बड़े अधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग को लेकर छात्राओं ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव से क्षेत्र में भगदड़ मच गई। लोग अपने वाहनों को छोड़कर भाग गए।

छात्राओ ने घंटों सड़क पर बैठकर हंगामा काटा। पुलिस ने छात्राओं को समझाने का प्रयास किया।

दो किसानों की हत्या

खेत देखने पहुंचे थे चाचा-भतीजा, बदमाशों ने मार दी गोली

भागलपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भागलपुर जिले के पीरपैंती प्रखंड के परशुरामपुर दियारा जब्दी बहियार में बदमाशों ने बुधवार की शाम दो किसानों की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों किसान मोनू सिंह व अल्टेकर सिंह आपस में चाचा-भतीजा थे। ग्रामीणों ने बताया कि दिन में दोनों के खेत की जुताई और बुनाई हो रही थी। शाम में जब वे अपने खेत को देखने बाइक से पहुंचे तभी बदमाश बाइक से आए और दोनों को गोली मार दी। मौके पर दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना देने के काफी बाद पीरपैंती थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले को लेकर लोगों से पूछताछ की। बाद में एसडीपीओ शिवानंद सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की।

शरारती तत्व ने तोड़ी अंबेडकर प्रतिमा, ग्रामीणों का हंगामा

अंबेडकरनगर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर में सम्मनपुर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर दुक्खर गांव में स्थापित अंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। सूचना पर पहुंचे प्रशासनिक विभाग के अधिकारियों ने दूसरी प्रतिमा मंगा कर टूटी हुई प्रतिमा की जगह पर स्थापित करा कर ग्रामीणों के गुस्से को शांत कराया। अकबरपुर जलालपुर मुख्य मार्ग पर इस्माइलपुर दुक्खर गांव में बीती रात अराजक तत्वों ने डॉ.अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे ग्रामीणों में उबाल आ गया। जब सुबह इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई तब मौके पर वहां भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। गांव निवासी प्रहलाद कुमार सेन ने इसकी सूचना पीआरवी 112 पुलिस को दी। ग्रामीणों की नाराजगी को भांपते हुए जानकारी मिलने पर एसडीएम अकबरपुर पवन जायसवाल, पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिंहा, सीओ सिटी सुरेश कुमार मिश्र, थानाध्यक्ष दीपक सिंह रघुवंशी मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। आनन-फानन में दूसरी प्रतिमा मंगा कर टूटी हुई प्रतिमा की जगह पर स्थापित करा कर ग्रामीणों को शांत कराया। सुरक्षा के दृष्टिगत दो सिपाहियों की ड्यूटी लगा दी गई।

मुंबई में खसरे से निपटने के लिए केंद्र ने तैनात की टीम

90 लोग बीमारी के चपेट में

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में खसरे के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. ऐसे में खसरे की बीमारी से निपटने के लिए केंद्र सरकार एक्शन मोड में है. केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मुंबई में खसरे के प्रकोप को नियंत्रण में लाने के लिए एक उच्च स्तरीय टीम तैनात की है.

हाई लेवल की टीम सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को स्थापित करने में राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों की सहायता करेगी और आवश्यक नियंत्रण और रोकथाम उपायों के संचालन की सुविधा प्रदान करेगी. मुंबई के गोवंडी इलाके के रफी नगर में 26 और 27

अक्टूबर को 48 घंटों में तीन छोटे बच्चों की मौत हुई थी. ये सारे बच्चे मीजल्स यानी खसरा की बीमारी संक्रमित थे.

बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है

बॉम्बे मुंसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया, मुंबई के एम ईस्ट वार्ड समेत कुछ अन्य इलाकों में भी खसरा की बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है. बॉम्बे मुंसिपल कॉरपोरेशन ने सभी वार्ड अधिकारियों को सतर्क रहने का दिया निर्देश. मुंबई में मंगलवार (8 नवंबर) को बॉम्बे मुंसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने 914 घरों का सर्वे किया और 4,086 लोगों की स्क्रीनिंग की, जिनमें से 13 संदिग्धों को बुखार और रैशेज होने की पहचान हुई. मुंबई में अब तक मीजल्स और रूबेला की बीमारी के 90 मामले रिपोर्ट हो चुके हैं. इस बीच मुंबई महानगर पालिका ने और केंद्र ने मीजल्स की बीमारी का मुंबई में आउटब्रेक होने की पुष्टि की है.

3 सदस्यीय टीम का गठन

मुंबई में फैले खसरे की जांच के लिए 3 सदस्यीय टीम का गठन हुआ,

जिसमें केंद्रीय टीम में नई दिल्ली स्थित नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनएचएमसी), नई दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी)और महाराष्ट्र के पुणे स्थित स्वास्थ व परिवार कल्याण के लिए क्षेत्रीय कार्यालय के विशेषज्ञ शामिल हैं. इस टीम की कमान एनसीडीसी के इनट्रिगेटेड रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के उप निदेशक डॉ. अनुभव श्रीवास्तव को सौंपी गई हैं.

पति अकेले खा रहा था बिरयानी, पत्नी ने मांगा तो केरोसिन डालकर लगा दी आग

चेन्नई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है. यहां बिरयानी को लेकर हुए विवाद में 74 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति ने पत्नी को जिंदा जला दिया. पति द्वारा आग लगाए जाने के बाद पत्नी ने पति को गले लगा लिया, जिससे आग पति भी आग की जद में आ गए. इस घटना में दोनों झुलस गए. इसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पति-पत्नी दोनों की मौत हो गई. घटना चेन्नई के अयनावरम की है. यहां सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी करुणाकरण और उनकी पत्नी पद्मावती टैगो नगर में रहते थे. दंपति के 4 बच्चे हैं.

शादी नहीं कराने पर बेटे ने उतारा बुजुर्ग मां को मौत के घाट

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां युवक बुजुर्ग मां को इसलिए मार डाला कि वह उसकी शादी नहीं कर रही थी। युवक ने मां को क्रिकेट बैट और डंडे से 15 मिनट तक दम निकलने तक पीटता रहा। बताया जा रहा है कि यह तरीका उसे एक फिल्म को देखते समय सूझा। दरअसल इस हत्या का खुलासा बुधवार को पीएम रिपोर्ट आने के बाद हुआ। युवक का अब्दुल बताया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने अब्दुल से पूछताछ की, लेकिन पहले तो वह गुमराह करता रहा। बाद में जब पुलिस द्वारा सख्ती दिखाई गई तब क्रिकेट के बैट, प्लास्टिक के डंडे से मां की हत्या करना कबूला। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले को लेकर कोहेफिजा थाने के अधिकारी विजय सिसौदिया ने बताया कि शुरुवात में आरोपी झूठी कहानी रच रहा था। लेकिन रिश्तेदार बड़े बेटे पर शक कर रहे थे। इस बीच पुलिस घर पहुंची। जहां, अब्दुल बैट और प्लास्टिक का डंडा धोता मिला। बताया जा रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने मां से शादी के लिए लड़की तलाशने को कहा था।

अरुणाचल प्रदेश में भूकंप के तेज़ झटके, रिक्टर स्केल पर 5.7 रही तीव्रता

सियांग, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में सुबह करीब 10:30 बजे भूकंप के तेज़ झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.7 मापी गई है। इससे पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप के पोर्टब्लेयर से 253 किमी दक्षिण-पूर्व में10 नवंबर की सुबह करीब 2:29 बजे 4.3 तीव्रता का भूंकप आया। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किमी नीचे थी। हालांकि कि इस भूकंप से किसी तरह के कोई नुकसान की खबर नहीं है। बता दें, एक दिन पहले 9 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे बताया गया । भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.3 मापी गई। भूकंप के झटके रात क़रीब 1:57 बजे महसूस किए गए। वहीं इससे पहले भी मंगलवार देर शाम को भी उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा के करीब था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 मापी गई थी। जानकारी के अनुसार, यहां भूकंप के झटके लगभग 9 बजे आए थे।

मिजोरम में पकड़ी गई हेरोइन की बड़ी खेप

मिजोरम, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मिजोरम में एक बार फिर हेरोइन की बड़ी खेप पकड़ी गई है। पुलिस नें मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है वहीं दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है। मामला दक्षिणी मिजोरम के लुंगलेई जिले का है, जहां 8.7 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की गई। बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लुंगलेई की जिला विशेष शाखा (डीएसबी) ने बुधवार को तल्वांग पुल और पुकपुई के करीब एक इलाके से 1.74 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया।"

रवींद्र जडेजा की पत्नी, हार्दिक पटेल को बीजेपी ने बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 के लिए राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय क्रिकेट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को जामनगर उत्तर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है, और इस सीट के मौजूदा विधायक धर्मेन्द्रसिंह एम. जडेजा का टिकट काट दिया गया है. इसके अलावा कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पाटीदार नेता हार्दिक पटेल को भी वीरमग्राम से पार्टी उम्मीदवार बना दिया गया है. गुरुवार को जारी की गई प्रत्याशियों की पहली सूची में 182 में से 160 विधानसभा सीटों के प्रत्याशी घोषित कर दिए गए हैं. इस सूची में कुल सात नाम ऐसे हैं, जो पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर

चुनाव लड़े थे. हाल ही में पुल हादसे की वजह से सुर्खियों में रही मोरबी विधानसभा सीट से बीजेपी ने मौजूदा विधायक का टिकट काटकर पूर्व विधायक कांतिलाल अमृतिया को उम्मीदवार बनाया है, जो कथित रूप से हादसे के वक्त लोगों की जान बचाने के लिए नदी में कूद गए थे.

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को घाटलोडिया विधानसभा सीट से पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है.

पिछले 27 साल से गुजरात में सत्तासीन बीजेपी ने अपने कई वरिष्ठ नेताओं को चुनाव मैदान में नहीं उतारा है, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल हैं. कहा गया है कि रूपाणी सहित इनमें से कुछ वरिष्ठ नेताओं ने खुद ही चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है. पहली बार चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में रिवाबा जडेजा शामिल हैं, जो वर्ष 2019 में बीजेपी में शामिल हुई थीं. रिवाबा मैकेनिकल इंजीनियर हैं, और कांग्रेस के दिग्गज नेता हरि सिंह सोलंकी की रिश्तेदार हैं. क्रिकेटर रवींद्र जडेजा से उनका विवाह वर्ष 2016 में हुआ था. कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए सात प्रत्याशी हैं, जो वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर ही लड़े थे. इनमें प्रद्युम्न जडेजा तथा अश्विन कोतवाल शामिल हैं. गुजरात कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल 2017 में चुनाव नहीं लड़ पाए थे, क्योंकि उस वक्त उनकी आयु 25 वर्ष से कम थी.

गुजरात में पहले चरण के मतदान में 89 सीटों पर 1 दिसंबर और दूसरे चरण में 5 दिसंबर को 93 सीटों पर वोटिंग होगी. मतगणना, यानी चुनाव परिणाम की घोषणा 8 दिसंबर को की जाएगी.

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में बुधवार को हुई पार्टी चुनाव समिति की बैठक के बाद गुरुवार सुबह उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई है. बुधवार की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल थे.पीएम नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के गृहराज्य गुजरात में बीजेपी पिछले 27 साल से लगातार सत्ता में है, और इस बार सूबे में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार नज़र आ रहे हैं, क्योंकि बीजेपी और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अलावा इस बार आम आदमी पार्टी (आप) भी ज़ोर-शोर से प्रचार में जुटी हुई है.

तस्करी का 'गोल्डन प्लान' देख अधिकारी चकराए

कैप्सूल-टॉफी में रखा था सोना; आईजीआई एयरपोर्ट का मामला

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आईजीआई एयरपोर्ट के रास्ते सोना, नकदी और ड्रग्स की तस्करी करने वाले आए दिन हैरान करने वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कभी लहंगे के बटन में डॉलर छिपाकर लाते हैं तो कभी बैग में खुफिया जगह बनाकर ड्रग्स की तस्करी करते हैं। हाल ही में सोने की तस्करी करने वाले ऐसे दो यात्रियों को कस्टम विभाग ने एयरपोर्ट से पकड़ा है। एक यात्री ने 18 टॉफी के अंदर सोना भरा हुआ था। वहीं दूसरा कैप्सूल के आकार के पाउच में सोने छिपाकर ले जा रहा था। दोनों के पास लगभग एक किलो सोना बरामद हुआ है, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई गई है। कस्टम के अनुसार मस्कट से एक यात्री आईजीआई के टर्मिनल 3 पर आया। कस्टम विभाग ने उसकी तलाशी ली तो उसके बैग में काफी टॉफियां मिली। इन्हें खोलकर देखा तो 18 टॉफी के अंदर सोना था। उसने बताया कि वह मस्कट से सोना छिपाकर लाया था। उसके पास 355 ग्राम सोना बरामद हुआ। वहीं, बैंकॉक से आए एक भारतीय की जांच की गई तो उसके पास दो कैप्सूल जैसे पाउच बरामद हुए। उसने इन पाउच में 652 ग्राम सोना छुपा रखा था। 30 अगस्त को विदेश जा रहे एक यात्री को सीआईएसएफ ने पकड़ा था। उसके बैग में एक खास तरह का लहंगा मिला, जिसके बटन डॉलर के थे। इन्हें जब निकाला गया तो वह लगभग 41 लाख रुपये के मिले। उसके बैग से काफी मात्रा में लहंगे के बटन मिले थे और इन सबके अंदर डॉलर छिपाकर रखे गए थे। एयरपोर्ट के रास्ते ड्रग्स की तस्करी करने वाले अपने शरीर में ड्रग्स के कैप्सूल भी लेकर आते हैं। ऐसे कई तस्कर दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़े गए हैं। इनमें ज्यादात्तर अफगानी नागरिक हैं।

टेरर फंडिंग नेटवर्क ध्वस्त, कुपवाड़ा में 6 हाइब्रिड आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. कुपवाड़ा पुलिस ने सेना के साथ उत्तरी कश्मीर में चल रहे एक टेरर फंडिंग और रिक्रूटमेंट मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है. इसके साथ ही कुपवाड़ा में 6 हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है. कुपवाड़ा जिले के चीरकोट इलाके के बिलाल अहमद डार नाम के एक व्यक्ति के बारे में कई सूचनाएं मिलने के बाद सेना और कुपवाड़ा पुलिस ने कुपवाड़ा के सामान्य क्षेत्र नुनुसा और लोलाब इलाकों से उसे पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया. बिलाल की गिरफ्तारी के बाद उसके पांच और साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया. गहन पूछताछ के बाद बिलाल ने खुलासा किया कि वह उत्तरी कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के पांच अन्य लोगों के साथ 'इस्लाही फलाही रिलीफ ट्रस्ट' (आईएफआरटी) नामक एक नकली एनजीओ की आड़ में एक आतंकी फंडिंग रैकेट चला रहा था. इस एनजीओ के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करने का दावा किया गया था. बिलाल ने आगे बताया कि वह विभिन्न गांवों में 'इज्तेमा' बैठकों का आयोजन करके आतंकवादी गतिविधियों के लिए पैसों का समन्वय और भर्ती में सहायता करने में सक्रिय रूप से शामिल था. इन बैठकों में वह एनजीओ के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर युवाओं को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास करता था. वहीं बिलाल ने कचलू के 'वाहिद अहमद भट्ट', लंगेट, और सिंहपोरा, बारामूला के जावेद अहमद नज़र और सोपोर के मुंडजी इलाके के ब्रथ सोपोर के मुश्ताक अहमद नज़र और बशीर अहमद मीर सहित अन्य साथियों के नामों का भी खुलासा किया. एक अन्य व्यक्ति जिसका नाम चिरकोट का 'जुबैर अहमद डार' है, जो बिलाल का चचेरा भाई है. वह भी इस मॉड्यूल में सक्रिय रूप से शामिल था.

पॉक्सो एक्ट के तहत सजा काट रहे कैदी की मौत

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बड़वानी की केंद्रीय जेल में पॉस्को एक्ट के तहत आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की मौत हो गई। आरोपी का नाम जिब्राइल बताया जा रहा है। मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों ने जेल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत की है। दरअसल मृतक कैदी की पत्नी ने बताया कि कुछ दिन पहले जेल में पति से मिलने गई थी। तब उनके पति को चार लोग पकड़कर मिलाने के लिए लाए थे। उस समय उसने जेल प्रबंधन से उनका स्वास्थ्य सहीं न होने पर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराने की मांग उठाई थी।

बिना पति के बेटे को दिया जन्म

भोपाल की सिंगल मॉम डिवोर्स के 7 साल बाद हुई प्रेग्नेंट

आज से 15 साल पहले मम्मी-पापा की परमिशन लेकर उसके साथ लिव इन में रहना शुरू किया था।

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। 2008 में शादी हुई। 2014 में तलाक हो गया। इसके 7 साल बाद 2021 में प्रेग्नेंट हुई, वो भी बिना पति के। ऐसा हुआ है आईसीआई तकनीक से। यह कहानी है भोपाल में इंट्रा सर्वाइकल इंसेमिनेशन (आईसीआई) तकनीक से पहली स्पिंस्टर मॉम (सिंगल मदर) बनने वाली 'मीकू की मम्मी' यानी संयुक्ता बैनर्जी की। सिंगल मदर होने के साथ संयुक्ता एक बेटी का भी फर्ज अदा कर रही हैं। कुछ महीनों पहले उनकी मां को कैंसर की फोर्थ स्टेज डिटेक्ट होने के बाद उनका जीवन चुनौतियों से भर गया। संयुक्ता हर एक चैलेंज का सामना कर रही हैं। संयुक्ता ऑल इंडिया रेडियो में एंकर हैं। मैं पेरेंट्स को बताकर लिव इन में रहने लगी थी मैं पीजी कर चुकी थी। सभी लोग मेरी शादी के बारे में पूछते थे। मां पर भी प्रेशर था। आज से 15 साल पहले 2007 में जब भारत में लोग लिव इन रिलेशन में रहने का सोच भी नहीं सकते थे, तब मैं पेरेंट्स से परमिशन लेकर एक शख्स के साथ में लिव इन में रहने लगी। इस दौरान हम दोनों ने एक-दूसरे को जाना। सब ठीक लगा तो 2008 में शादी कर ली।

हम मुंबई में रहते थे।

अब मेरा बॉयफ्रेंड मेरा पति बन चुका था। सब बढ़िया चल रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे सारे सपने पूरे होंगे। मैं ममत्व को लेकर ज्यादा इमोशनल हूं। हमेशा चाहती थी कि मां बनूं। सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर हम दोनों के विचारों में फर्क आने लगे और हम बिना तलाक लिए ही अलग-अलग रहने लगे। मैं मुंबई से भोपाल लौट आई। 2014 में अलग हो गए और दोनों ने सहमति से तलाक ले लिया, लेकिन मेरे मन में मां बनने की कसक जरूर थी।

सिंगल थी, इसलिए बच्चा गोद नहीं ले पाई

मैं भोपाल आकर रहने लगी। धीरे-धीरे सब सेट हो गया। मैंने अपना मकान भी ले लिया, लेकिन हमेशा चाहती थी कोई मुझे मॉम कहकर बुलाए। मैंने सोचा शादी किए बगैर बच्चा कहां से आएगा, इसलिए एक बच्चे को गोद लेने की ठानी। अनाथ आश्रम गई। मैंने मां से कहा कि मैं एक बच्चा गोद लेना चाहती हूं, तो मां ने भी हामी भर दी। मैंने खुशी-खुशी कारा (सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी) जो कि बच्चा अडॉप्ट करने की अथॉरिटी है, उसमें अप्लाई किया।

मैंने लिखा कि मुझे बेबी गर्ल चाहिए। यह तब की बात है जब मेरा तलाक नहीं हुआ था। कारा से बहुत दिनों तक जवाब नहीं मिला, तो पता चला कि बच्चा गोद लेने के लिए मेरा तलाक लेना जरूरी है। बाद में एक और बात पता चली कि सिंगल वुमन होने के कारण बच्चा गोद लेना बेहद मुश्किल प्रोसेस थी। 6 साल तक यही चलता रहा। मेरी एज भी हो रही थी, लेकिन मैं अभी भी मां'नहीं थी।

डॉक्टर ने बताया- बिना पुरुष के संपर्क में आए मां बन सकती हो एक दिन मैं अपने फैमिली डॉक्टर के पास किसी काम से गई थी। वो मुझे बरसों से जानते थे। बातों-बातों में उन्हें बताया कि मैं बच्चा गोद नहीं ले पा रही हूं, तब उन्होंने कहा कि बच्चा गोद लेने की क्या जरूरत है, तुम खुद मां बन सकती हो। मैंने कहा डॉक्टर मेरा दोबारा शादी करने का कोई इरादा नहीं है। तब डॉक्टर ने कहा- तुम्हें शादी करने को कौन कह रहा है। मैं तो साइंस की बात कर रहा हूं। तुम चाहो तो बिना शादी किए मां बन सकती हो। उन्होंने मुझे आईसीआई तकनीक से मां बनने की सलाह दी।

आईसीआई एक फर्टिलिटी ट्रीटमेंट है। इसमें स्पर्म को महिला के गर्भाशय में सीधे डाला जाता है। नॉर्मल कंसीव करने की प्रोसेस में स्पर्म गर्भाशय ग्रीवा के जरिए गुप्तांग में पहुंचता है। फिर फैलोपियन ट्यूबों की मदद से गर्भाशय तक आता है। इस तरह कोई भी महिला बिना किसी पुरुष से सीधा संबंध बनाए मां बन सकती है। साल 2020 में मैंने इस प्रोसिजर को कम्पलीट किया और अगस्त 2021 में मां बन गई। मुझे बेटा हुआ, जिसका नाम 'मीकू' है और अब मुझे 'मीकू की मम्मी' की आइडेंटिटी मिली है। मैं अपने पापा को भी ये बात बताना चाहती थी, लेकिन जब मैं प्रेग्नेंट हुई उसी महीने उनकी डेथ हो गई।

बाबा बड़े अफसर थे, लेकिन मां को रोज चोट पहुंचाते थे

संयुक्ता ने आगे बताया, लोग कहते हैं- ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो, मगर मुझ को लौटा दो, बचपन का सावन... लेकिन मैं कभी अपने बचपन को याद नहीं करना चाहती। मेरा बचपन डरावना था। पिता भेल में बड़े अफसर थे, लेकिन वो रोज मेरी मां को पीटते थे। मेरी मां ने बेतहाशा जुल्म सहे। पांच साल की उम्र से मैंने अपनी मां को जरा-जरा सी बात पर पिटते देखा था। भाई और मेरे लिए मां ने पापा को खूब बर्दाश्त किया।

मैं हर साल सोचती थी कि इस साल मेरा भी दोस्त जैसा ग्रैंड बर्थडे मनेगा, लेकिन कभी ऐसा नहीं हो पाया। हम कभी बाजार से केक नहीं खरीद पाए। मुझे खुश करने के लिए मां घर पर केक बनाती। पापा का बिहेवियर इतना खराब था कि केक कटने से पहले ही वो डस्टबीन में पहुंच जाता था और मां की पिटाई शुरू हो जाती। मैं अंदर से इतना डर गई थी कि आज भी सोशली आसानी से किसी से मिक्स नहीं हो पाती हूं। तब मैं सोचती थी कि कभी शादी नहीं करूंगी। मैं 10वीं में आई तो पिता अलग रहने लगे। मेरी और मेरे भैया की परवरिश भी मां ने ही की है।

- मां ने हमें पालने के लिए खूब संघर्ष किया। हमारे पास उतने पैसे नहीं थे। मां कुछ काम भी नहीं जानती थी, लेकिन हमारी परवरिश के लिए मेरी बंगाली मां ने हिंदी सीखी और वो टीचर बनीं।
- मैं आज जो भी हूं अपनी मां की वजह से हूं। मेरी मां ने ही मुझे आत्मनिर्भर बनना सिखाया। यही कारण था कि जब पति से अलग हुई तो हारी नहीं और संघर्ष किया।
- एक वक्त तो ऐसा भी आया कि मैं कार में ही सोती थी। मैंने साल 2004 में भोपाल एक्सीलेंस कॉलेज से ग्रेजुएशन किया और 2006 में माखनलाल यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया था।

(संयुक्ता अभी ऑल इंडिया रेडियो में बतौर एंकर काम कर रही हैं।)

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 11 नवंबर, 2022

नए सीजेआई से उम्मीदें

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ भारत के नए प्रधान न्यायाधीश यानी सीजेआई बन गए हैं। अब उनसे न्याय व्यवस्था में सुधार की बहुत उम्मीदें लगाई जा रही हैं। देखा जाए तो जब भी कोई नया सीजेआई बनता है तो उससे रस्मी ही सही लेकिन ऐसी उम्मीदें लगाई जाती रही हैं। शपथ लेने से पहले और उसके बाद उन्होंने कुछ ऐसी नई बातें कही हैं, जिनसे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो वे नहीं कर सकते हैं। जहां तक सीजेआई के कुछ कर पाने का सवाल है, तो हाल का अनुभव यह है कि इस पद पर ज्यादातर न्यायाधीशों का कार्यकाल ज्यादा दिनों तक नहीं रहा। लेकिन नए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के पास न्याय देने के लिए पूरे दो साल हैं। इसलिए उम्मीद लगाई जा सकती है कि वे जो कुछ करना चाहेंगे, उसे कर पाएंगे। शपथ लेने के पहले उन्होंने काफी कुछ कहा जिससे उनकी प्राथमिकताओं का अंदाजा लगता है। इसके अलावा उनकी पृष्ठभूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में बडे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश को एक ऐसे प्रधान न्यायाधीश मिले हैं जो मानते हैं कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं हो सकती, लेकिन हमारे पास इसे उन्नत करने की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि अपने देश की न्याय व्यवस्था में अभी भी उपनिवेश काल के लक्षण मौजूद हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसे ज्यादा पारदर्शी और नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही है। यानी आगे यह देखा जाना महत्त्वपूर्ण होगा कि न्याय प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी कैसे बनेगी? सीजेआई चंद्रचूड की कही एक और बात से यह संकेत भी मिलता है कि उनकी विचार व्यवस्था के केंद्र में देश का आम नागरिक होगा। इससे उम्मीद बंध रही है कि उनके नेतृत्व में भारतीय न्याय व्यवस्था को अब हम सामान्य नागरिकों के हितों में कुछ उदार होते हुए देखेंगे। उनसे रामराज की उम्मीद इस आधार पर भी लगाई जा सकती है कि कार्यभार संभालने के पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ महात्मा गांधी को नमन करने गए। महात्मा गांधी ने कहा था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इससे गुंजाइश यह बन सकती है कि कठोर दंड की बजाय अब उदारता के साथ अपराधियों के सुधार के कुछ प्रयोग होते दिखें। न्यायपालिका में समयानुकूल एक और सुधार की उम्मीद भी लगाई जा सकती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का भी जिक्र किया है। इस सिलसिले में गौर करने की बात यह है कि उन्होंने न्यायतंत्र में भी समयानुकूल प्रशिक्षण की जरूरत की तरफ इशारा किया है। अगर न्याय कार्य में प्रबंधन प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का संकेत मिला है तो एक उम्मीद यह भी लगाई जा सकती है कि न्यायालय में प्रशासनिक कार्यों में प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढ़ेगा। हो सकता है कि आने वाले दिनों में अदालतों में प्रशिक्षित प्रबंधकों की नियुक्ति का कार्य आगे बढ़ता दिखाई दे। इससे अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में जरूर मदद मिलेगी। जहां तक न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की न्यायिक और अकादमिक पृष्ठभूमि का पहलू है तो यह पहले से ही माना जाता है कि वे न्याय दर्शन के प्रकांड विद्वान हैं, न्याय सिद्धांत के एक संजीदा अध्येता हैं। इस आधार पर बहुत संभव है कि आने वाले दिनों में हमें कुछ ऐसे फैसले देखने को मिलें जो नजीर बन जाएं। उनके पिता भी सीजेआई रह चुके हैं इसलिए भी उनसे काफी उम्मीदें पाल रखी गई हैं। खासतौर पर मानवाधिकारों या नागरिक अधिकारों के जटिल मामलों में न्यायोचित उदारता भी उम्मीद है। सकारात्मक बदलाव की इतनी उम्मीदें लगाई जा रही हैं तो जल्द ही हमें यह भी देखने को मिल सकता है कि सामान्य नागरिकों के हित के प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय में अब स्वत संज्ञान के मामले बढ़ते दिखाई दें, जो जनहित के लिए बेहद जरूरी भी हैं।

मेरा लाड़ला रिश्वतप्रिय

डॉ. सुरेश कुमार

चंचल, चतुर, रिश्वतप्रिय नेता जी के रंगे हाथों पकड़े जाने पर विपक्षी मीडिया उनके पीछे माइक धोकर पड़ जाती है। सब मिलकर उनकी सत्ताधारी मीडिया से शिकायत करती हैं। कहती हैं – आपके लाड़वे नेता आए दिन रिश्वत की माखनभरी हंडी फोड़-फोड़कर चट कर जाते हैं। डकार तक नहीं लेते। तुम सत्ताधारी मीडिया हर बार उनकी गलतियों को ढक देती हो और वे हैं कि अपने करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं। लेकिन इस बार ऐसा नहीं चलेगा। तुम्हें कुछ न कुछ करना होगा। लाड़ले के दिए विज्ञापनों के लालच में उसके दोषों को अनदेखा मत करो।

विपक्षी मीडिया के चले जाने के बाद सत्ताधारी मीडिया गुस्से में डाँटते हुए पूछती है- क्यों रे! तूने ऐसा क्यों किया? मना किया था ऐसा न करने के लिए। रिश्वत रूपी मक्खन खाए बिना तेरा जी मानता नहीं क्या? इस पर लाड़ला नेता कहता है – ऐ मेरी प्यारी मीडिया! तुझे मैं कैसे समझाऊँ कि मैंने रिश्वत रूपी मक्खन नहीं खाया। वह तो विपक्षी दल के मेरे कुछ मित्र हैं जिनके कुछ काम करवाने थे। उन्होंने जबरदस्ती मेरे मुख पर रिश्वत का मक्खन लगा दिया। जबकि असली मक्खन तो वे ही लोग डकार गए। तुम्हीं सोचो मैं एक छोटे से पद पर काम करने वाला मंत्री अपने अधिकार सीमा से बाहर के काम कैसे करवा सकता हूँ? तुम उन लोगों का विश्वास कैसे कर सकती हो? मैं अलस सुबह अपने संसदीय क्षेत्र निकलता हूँ तो देर रात बाद घर आता हूँ। ऐसे में मुझे रिश्वत का माखन चुराने का अवसर कैसे मिलेगा? यह सब सुन सत्ताधारी मीडिया आँखें दिखाती हुई कहती है – हम सब समझते हैं। अब तक तुम्हारी इतनी शिकायतें आती थीं। सोचा आज नहीं तो कल बदल जाओगे। हमें कहाँ पता था कि कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी रहेगी। अब तुम्हारे कोई बहाने नहीं चलेंगे। अभी तुम्हारे बारे में न्यूज चलाती हूँ! लाड़ला नेता दुखी मन सिर झुकाए कहता है – मुझे मालूम है कि तुम लोग मेरे साथ ऐसा क्यों कर रही हो। इसीलिए न कि पिछली बार मैंने विज्ञापन तुम्हें न दिलाकर दूसरी मीडिया को दिला दिया। यही गुस्सा है न? मैंने तुम्हें अब तक इतने विज्ञापन दिए हैं फिर भी तुम्हारा दिल नहीं भरा। ऊपर से औरों की बातें सुन मुझे पराया बना रही हो। ठीक है तुम लोग जो मेरे बारे में दिखाना चाहती हो दिखा लो। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? यही न कि पुलिस मुझे पकड़कर ले जाएगी। डाँटेगी-फटकारेगी और कुछ दिनों के लिए जेल में बंद कर देगी। यह मेरे लिए बड़ी बात नहीं है। मैं गिरफ्तार होने के लिए तैयार हूँ। सत्ताधारी मीडिया अपने हाथ से विज्ञापन छूटते देख – अरे-अरे मेरा बच्चा! ऐसा नहीं कहते। हम तो तुम्हारे हैं न। अपनों से भला कोई नाराज़ होता है। वह तो हम कलमुँही विपक्षी मीडिया को बहकाने के लिए ऐसा कह रही थी। हमारे लिए तू ही सब कुछ है। हम तेरे हाथ जोड़ते हैं कि विज्ञापन हमारे सिवाय किसी दूसरे को मत देना। तुम जैसा कहोगी वैसा सुनेंगी। इतना कहते हुए सत्ताधारी मीडिया अपने लाड़ले नेता को गले से लगा लेती है। उसका माथा चूमने लगती है। उसके बारे में दुनियाभर को ढिंढोरा पीटकर बताने लगती है।

अदालत ने खींच दी भविष्य की राजनीतिक रेखाएं

देश की सर्वोच्च अदालत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्लूएस) वर्ग को 10 फीसदी आरक्षण देने संबंधी 103वें संविधान संशोधन को बहुमत से सही ठहराए जाने के बाद अनारक्षित वर्ग के गरीबों को आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। अधिकांश राजनीतिक दलों ने इसका स्वागत किया है, लेकिन इस फैसले के साथ कई अहम सवाल भी उठ रहे हैं। पहला तो यह कि क्या आर्थिक आरक्षण देश में समानता के सिद्धांत का विरोधी है, दूसरा, आर्थिक आधार पर आरक्षण अनारक्षित वर्ग को ही क्यों, तीसरे क्या भविष्य में आरक्षण का मुख्य आधार आर्थिक पिछड़ापन ही बनेगा, चौथा क्या इससे सुप्रीम कोर्ट के 1992 के फैसले कि 'देश में आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं हो सकता' का यह उल्लंघन है और पांचवा यह कि इस देश में आरक्षण की बैसाखी आखिर कब तक कायम रहेगी?

ये तमाम सवाल संविधान की पीठ में शामिल जजों ने भी उठाए हैं, जिनके उत्तर हमें खोजने होंगे और कल को देश का सामाजिक ताना बाना और राजनीतिक दिशा भी उसी से तय होगी। इस दूरगामी फैसले में पांचो जजों में एक बात पर सहमति दिखी कि आर्थिक आधार पर आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं है। पीठ में शामिल जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने अपने निर्णय में कहा- 103वें संविधान संशोधन को संविधान के मूल ढांचे को भंग करने वाला नहीं कहा जा सकता। ईडब्ल्यूएस आरक्षण समानता संहिता या संविधान के मूलभूत तत्वों का उल्लंघन नहींऔर 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण सीमा का उल्लंघन बुनियादी ढांचे का उल्लंघन भी नहीं करता है, क्योंकि यहां आरक्षण की उच्चतम सीमा केवल 16 (4) और (5) के लिए है। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की राय में 103वें संविधान संशोधन को भेदभाव के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। ईडब्लूएस कोटे को संसद द्वारा की गई एक सकारात्मक कार्रवाई के रूप में देखा जाना चाहिए। इससे अनुच्छेद 14 या संविधान के मूल ढांचे का कोई उल्लंघन नहीं होता। ईडब्ल्यूएस कोटा आरक्षित वर्गों को इसके दायरे से बाहर रखकर उनके अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है। आरक्षण जाति व्यवस्था द्वारा पैदा की गई असमानताओं को दूर करने के लिए लाया गया था। आजादी के 75 वर्षों के बाद हमें परिवर्तनकारी संवैधानिकता के दर्शन को जीने के लिए नीति पर फिर से विचार करने की जरूरत है।' जस्टिस जेबी पारदीवाला ने भी अपने फैसले में दोनों के विचारों से सहमति जताई और संशोधन की वैधता को बरकरार रखा। आरक्षण व्यवस्था पर अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी में जस्टिस पारदीवाला ने कहा- आरक्षण अंत नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय को सुरक्षित करने का साधन है, इसे निहित स्वार्थ नहीं बनने देना चाहिए। आरक्षण अनिश्चित काल तक जारी नहीं रहना चाहिए, जिससे निहित स्वार्थ बन जाए।' गौरतलब है कि केंद्र की मोदी सरकार ने दोनों सदनो में 103वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी दी। इसके तहत अनारक्षित वर्ग के लोगों को शैक्षणिक संस्थानों में और सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया था।

12 जनवरी 2019 को राष्ट्रपति ने इस कानून को मंजूरी दी, लेकिन इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में यह कहकर चुनौती दी गई थी कि इससे संविधान के समानता के अधिकार और पचास प्रतिशत तक आरक्षण की सीमा का उल्लंघन होता है। अतः इस कानून को अवैध माना जाए। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून को वैध माना। कानून में सालाना 8 लाख से कम आय वाले परिवारों को इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन्स (ईडब्लूएस) मानते हुए सरकारी और निजी शैक्षिक तथा सरकारी नौकरी में भी 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।

लेकिन संविधान पीठ के ही जस्टिस एस. रवींद्र भट ने अपने निर्णय में ईडब्ल्यूएस आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन पर असहमति जताते हुए उस रद्द कर दिया। जस्टिस भट ने अन्य तीन न्यायाधीशों के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा 103 वां संशोधन संवैधानिक रूप से प्रतिबंधित भेदभाव की वकालत करता है। आरक्षण पर निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा के उल्लंघन की अनुमति देने से और अधिक उल्लंघन हो सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप विभाजन हो सकता है।

जस्टिस रवींद्र भट ने अपने फैसले में आर्थिक आधार पर आरक्षण को खारिज करते हुए कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह एससी, एसटी और ओबीसी को इस आरक्षण से बाहर किया गया है, उससे भ्रम होता है कि समाज में उनकी स्थिति काफी बेहतर है, जबकि सबसे ज्यादा गरीब इसी वर्गों में हैं। यह संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अकेले आर्थिक आधार पर किया गया आरक्षण वैध है। कुल मिलाकर इसका अर्थ यही है कि जस्टिस भट और जस्टिस यू.यू. ललित ने आर्थिक आधार पर आरक्षण को तो सही माना, लेकिन उसके तरीके पर असहमति जताई।

इस बारे में सरकारी पक्ष का कहना है कि नए प्रावधान से सुप्रीम कोर्ट द्वारा लागू आरक्षण की पचास फीसदी की सीमा का कहीं से उल्लंघन नहीं हुआ है, क्योंकि यह वास्तव में कोटे के भीतर कोटा ही है। यह दस प्रतिशत आरक्षण अनारक्षित वर्ग (जिसमें हिंदुओं की अगड़ी जातियां व गैर हिंदू धर्मावलंबी शामिल हैं) के बाकी पचास फीसदी कोटे में से ही दिया गया है। बेशक, इससे समाज के सामान्य वर्ग के उस गरीब तबके को राहत मिली है, जो केवल गरीब होने के कारण अपने ही वर्ग के सम्पन्न तबके से प्रतिस्पर्द्धा में पिछड़ रहा था। भाजपा और एनडीए में शामिल दलों ने इसे अपनी जीत बताया है। भाजपा को इसका कुछ लाभ आगामी चुनावों में हो सकता है, हालांकि ज्यादातर राज्यों में अगड़ी जातियां भाजपा समर्थक ही हैं।

इस मामले में कांग्रेस का रवैया थोड़ा ढुलमुल दिखा। उसने एक तरफ अगड़ों को आर्थिक आरक्षण का समर्थन यह कहकर किया कि संसद में उनकी पार्टी ने संविधान संशोधन के पक्ष में वोट दिया था तो दूसरी तरफ अपने ही एक दलित नेता उदित राज से इसका यह कहकर विरोध करार दिया कि यह संशोधन आरक्षण की सीमा लांघता है और यह भी कि न्यायपालिका की मानसिकता ही मनुवादी है। हालांकि कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि यह संविधान संशोधन 2005-06 में डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा सिन्हा आयोग के गठन से शुरू की गई प्रक्रिया का ही नतीजा है। सिन्हा आयोग ने जुलाई 2010 में अपनी रिपोर्ट दी थी। केवल तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने फैसले का यहकर विरोध किया कि इससे लंबे समय से जारी 'सामाजिक न्याय के संघर्ष को झटका' लगा है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फैसले का स्वागत करते हुए देश में जातीय जनगणना की मांग दोहराई। जाहिर है कि अधिकांश दल राजनीतिक कारणों से फैसले का खुलकर विरोध नहीं कर रहे हैं, क्योंकि अगड़ों के वोट सभी को चाहिए।

बहरहाल सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने भविष्य की राजनीतिक रेखाएं भी खींच दी हैं। अनारक्षित वर्ग को आर्थिक आरक्षण की वैधता ने आने वाले समय में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग में भी इसे लागू करने की मांग की नींव रख दी है (ओबीसी वर्ग में तो वैसे भी क्रीमी लेयर का नियम लागू है) क्योंकि आरक्षित वर्गों में भी विभिन्न जातियों के बीच आरक्षण का लाभ उठाने को लेकर प्रतिस्पर्द्धा तेज हो गई है। (भारत में करीब 3 जातियां और 25 हजार उप जातियां हैं)।

यह भी बात जोरों से उठ रही है कि जब एक परिवार का तीन पीढ़ियों से आरक्षण का लाभ लेते हुए आर्थिक-सामाजिक उत्थान हो गया फिर उन्हें आरक्षण क्यों मिलते रहना चाहिए तथा देश में सामाजिक और आर्थिक समता का सर्वमान्य पैमाना क्या है, क्या होना चाहिए? विभिन्न जातियों और समाजों में आरक्षण का लाभ उठाकर पनप और प्रभावी हो रहे नए किस्म के ब्राह्मणवाद को अभी से नियंत्रित करना कितना जरूरी है? और यह कैसे होगा? वोट आधारित राजनीति इसे कितना होने देगी? जाहिर है कि बदलते सामाजिक समीकरणो के चलते यह मांग आरक्षित वर्गों में से ही उठ सकती है। यानी सामाजिक न्याय का संघर्ष एक नए दौर में प्रवेश कर सकता है। ये बदले सामाजिक समीकरण ही राजनीति की चाल भी बदलेंगे और राजनीति के साथ व्यवस्था भी बदलेगी। क्षीण रूप में इसकी आहट सुनाई भी देने लगी है।

समय के साथ बदलने की ज़रूरत

रजनीश कपूर

1961 में आई फ़िल्म 'हम हिंदुस्तानी' का मशहूर गाना, 'छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी', हमें समय के साथ बदलने की सलाह देता है। टाइपराइटर से कंप्यूटर तक के लंबे सफ़र में हम न जाने कितने बदल गये लेकिन कुछ पुरानी बातों और आदतों को बदलना शायद भूल गये। यदि इन आदतों को भी बदला जाए तो निश्चित ही हम समय के साथ चल सकेंगे। दीपावली से पहले लखनऊ में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसे देख कर तथाकथित सभ्य लोगों के असंवेदनशील व्यवहार का पता चला। घटना लखनऊ के पत्रकारपुरम की है जहां एक महिला डॉक्टर ग़रीब कुम्हारों द्वारा लगाई गई दुकान में मिट्टी के दीयों और अन्य सजावट के सामान को बेरहमी से डंडे से तोड़ रही थी। इस बर्बरता का कारण सिर्फ़ इतना कि ये सभी दुकानें उस महिला के आलीशान घर के ठीक सामने लगी थीं। ऐसा नहीं है कि त्योहारों के समय ऐसी अस्थायी दुकानें या बाज़ार पहले उसी जगह नहीं लगते थे। तो उस दिन अचानक इस महिला के ग़ुस्से का बांध क्यों टूटा? तमाम सोशल मीडिया पर इस महिला डाक्टर की क्रूरता को देखा गया और लगभग सभी की संवेदनाएँ उन ग़रीब कुम्हारों के प्रति ही थीं जिनका नुक़सान हुआ। सवाल उठता है कि जब बरसों से उस सड़क पर या देश के किसी अन्य शहर की सड़क पर त्योहारों के समय ऐसे बाज़ार और दुकानें लगते आए हैं तो उस दिन ऐसा क्यों हुआ? क्या उस मोहल्ले के लोग वहाँ से सामान नहीं ख़रीदते? क्या वहाँ के प्रशासन को इस बात का नहीं पता कि त्योहारों के समय सड़क पर ऐसे बाज़ार लगाए जाते हैं? सोचने वाली बात यह है कि जब सभी को पता है तो ऐसे बाज़ारों का विरोध क्यों? यदि ऐसे बाज़ार या हमारे मोहल्लों में लगने वाले साप्ताहिक बाज़ार ग़ैर क़ानूनी हैं तो इन्हें लगने क्यों दिया जाता है? यदि ऐसे बाज़ार प्रशासन द्वारा अनुमति प्रदान किए जाने के बाद ही लगते हैं तो इन्हें अनुमति देने वाले अधिकारी क्या इस बात पर ध्यान देते हैं कि इन बाज़ारों के लगने से वहाँ रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं होगी? फिर वो समस्या क़ानून व्यवस्था की हो या ट्रैफ़िक की। अक्सर देखा गया है कि जब भी ऐसे बाज़ार लगते हैं, तो वहाँ रहने वाले लोग भले ही वहाँ जा कर सामान ज़रूर ख़रीदें लेकिन इन बाज़ारों का विरोध भी करते हैं।

आमतौर पर साप्ताहिक बाज़ार हर उस इलाक़े में उस दिन लगते हैं जहां पर स्थानीय बाज़ारों की साप्ताहिक छुट्टी होती है। उसी हिसाब से उस बाज़ार का नाम भी पड़ता है, जैसे सोम-बाज़ार, बुध-बाज़ार या शनि-बाज़ार आदि। बरसों से हर शहर में ऐसे बाज़ार लगाने वाले दिन किसी न किसी नए मोहल्ले में निर्धारित स्थानों पर अपनी दुकान लगाते आए हैं। कई जगह तो ऐसे बाज़ार लोगों के घरों के बाहर लगा करते थे। ग्रामीण इलाक़ों में लगने वाले ऐसे बाज़ारों को 'हाट' के नाम से जाना जाता है। जहां आस-पास के गाँव वाले अपने खेतों की सब्ज़ियाँ या अनाज और कुटीर उद्योग में बने सामान आदि बेचा करते हैं। इस बिक्री से मिले पैसों से वे लोग उसी हाट से कपड़े, अनाज और अपने घर की अन्य जरूरत का सामान खरीद कर अपने गांव की ओर लौट जाते हैं। ग्रामीण इलाक़ों में ऐसा सदियों से होता आ रहा है। ग्रामीण और शहरी इलाक़ों में लगने वाले बाज़ारों में बस इतना फ़र्क़ है कि ग्रामीण बाज़ार हमेशा किसी ख़ाली मैदान में लगते हैं और शहरी बाज़ार रिहायशी इलाक़ों में। ग्रामीण इलाक़ों में आज भी यह बाज़ार बिना किसी विरोध के लगते हैं।

इन बाज़ारों के लगने से समस्या केवल शहरी इलाक़ों में ही है। शहरों में आधुनिकरण के नाम पर जिस तरह ज़्यादातर सामान आपको घर बैठे ही उपलब्ध हो जाता है, इन बाज़ारों का औचित्य समाप्त होता जा रहा है। पर आम लोगों के लिये और पॉश इलाक़ों में काम करने वाले घरेलू सेवकों के लिये इनका आज भी खूब महत्व है। वहीं दो सालों तक कोविड जैसी महामारी ने तो लोगों के घर से निकालने पर पाबंदी ही लगा डाली थी। ऐसे में इन बाज़ारों का होना न होना बराबर हो गया था। परंतु हमारे बचपन में जब ये साप्ताहिक बाज़ार लगते थे तब शहरी इलाक़ों में आबादी भी कम थी और सड़क पर वाहन भी गिने चुने होते थे। इसलिए इन बाज़ारों से सभी को आराम था। लेकिन जैसे-जैसे आबादी बढ़ी वैसे ही वाहनों और मकानों की संख्या भी बढ़ी। इसके चलते इन बाज़ार लगाने वालों को भी समझौता करना पड़ा। बाज़ारों में दुकानें भी कम होने लगीं और ग्राहक भी। विकास के नाम पर शहरों में प्रशासन द्वारा नई-नई कॉलोनीयाँ बसाई जाने लगी। वहाँ बड़े-बड़े टावर या आलीशान बंगले बनने लगे। जब तक इन कॉलोनीयों में बसावट नहीं थी तब तक इन बाज़ारों का फ़ायदा उस इलाक़े में रहने वाले पुराने लोगों को होने लगा। इसलिए किसी को भी इन से दिक़्क़त नहीं थी। ज्यों-ज्यों बसावट बढ़ी त्यों-त्यों वहाँ ऐसे लोग भी आए जिन्होंने इन बाज़ारों के ख़िलाफ़ प्रशासन में शिकायत भी की और कुछ तो कोर्ट में भी गए।

लेकिन समस्या का कोई स्थाई समाधान नहीं निकल पाया। यदि दोनों पक्ष अपनी बात पर अड़े रहेंगे तो समझौता कैसे होगा? दोनों पक्षों को थोड़ा धैर्य रखने और व्यवहारिक समझ की आवश्यकता है। इसके साथ ही प्रशासन को भी इस बात का हल निकालना चाहिए कि यदि ऐसे बाज़ारों से किसी को आपत्ति है तो इन बाज़ारों को किसी ऐसी जगह पर पुनः स्थापित किया जाए जहां सभी को सहूलियत हो। ऐसे बाज़ार इलाक़े के ख़ाली मैदानों में लगें या उन स्थानों पर जहां पुलिस विभाग को क़ानून और ट्रैफ़िक व्यवस्था बनाए रखने में भी आसानी हो। ऐसे बदलावों से ही इस समस्या का समाधान निकलेगा।

यदि ऐसे बदलाव किए जाते हैं तो कभी भी किसी सभ्य व्यक्ति का ग़रीबों के प्रति ऐसा ग़ुस्सा नहीं फूटेगा जैसा लखनऊ में हुआ, जो कि काफ़ी निंदनीय है।समय के साथ हम सभी को बदलने की ज़रूरत है केवल एक तबके के लोगों को नहीं।

आरक्षण: प्रधानमंत्री बधाई के पात्र हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का कौन स्वागत नहीं करेगा कि सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में 10 प्रतिशत आरक्षण का आधार सिर्फ गरीबी होगी। यह 10 प्रतिशत आरक्षण अतिरिक्त है। यानी पहले से चले आ रहे 50 प्रतिशत आरक्षण में कोई कटौती नहीं की गई है। फिर भी पांच में से दो जजों ने इस आरक्षण के विरुद्ध फैसला दिया है और तमिलनाडु की सरकार ने भी इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देना संविधान का उल्लंघन करना है। संविधान की किसी धारा में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत निश्चित नहीं की गई है। 1992 का सुप्रीम कोर्ट में आया इंदिरा साहनी प्रकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उसी समय नरसिंहराव सरकार ने गरीबी के आधार पर लोगों को आरक्षण देने की घोषणा की थी। उसी घोषणा को 2019 में भाजपा सरकार ने संविधान का अंग बना दिया। अब कांग्रेस और भाजपा दोनों इसका श्रेय लूटने की प्रतिस्पर्धा में हैं लेकिन मैं तो जन्म के आधार पर दिए गए सारे आरक्षणों के एकदम विरुद्ध हूं, चाहे वह अनुसूचितों या पिछड़ों या तथाकथित अल्पसंख्यकों को दिया जाए। मेरी राय में आरक्षण जन्म के आधार पर नहीं, जरूरत के आधार पर दिया जाना चाहिए। मुझे खुशी थी कि नरसिंहराव और मनमोहनसिंह सरकार ने उस दिशा में कदम बढ़ाए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने इस मामले में ठोस निर्णय का साहस दिखाया। लेकिन यह काम अभी भी अधूरा है। संसद में 2019 में जब गरीबी को आरक्षण का आधार बनाकर सरकार विधेयक लाई थी, तब 323 सांसदों ने उसका समर्थन किया था और सिर्फ 3 सांसदों ने विरोध। लेकिन किसी नेता या पार्टी की आज हिम्मत नहीं है कि वह डॉ. अंबेडकर की इच्छा को मूर्त रूप दे सके। उन्होंने कहा था कि जन्म के आधार पर दिया गया आरक्षण दस साल के लिए काफी है। अब तो इसको पैदा हुए दर्जनों साल हो गए हैं। यह देश में अयोग्यता, अकर्मण्यता, भेदभाव, जातिवाद और मलाईदार वर्ग को प्रोत्साहित करने का साधन बन गया है।

इसी कारण सरकारें रेवड़ी-संस्कृति की शिकार हो रही हैं। यदि नौकरियों के बजाय शिक्षा और चिकित्सा में आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया गया होता तो सरकारी भीख पर कौन जिंदा रहना चाहता? गरीबी के आधार पर दिया गया आरक्षण जातीय और सांप्रदायिक आरक्षण से कहीं बेहतर सिद्ध होता।

हिमालय में कभी भी आ सकता है विनाशकारी भूकंप

हिमालय में एक बड़ा भूकंप आने की प्रबल संभावना के बावजूद इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता और इसके मद्देनजर वैज्ञानिकों ने इससे डरने की बजाय उसका सामना करने के लिए पुख्ता तैयारियों पर जोर दिया है।

नेपाल में बुधवार तड़के 6.6 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इसने दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम और लखनऊ सहित उत्तर भारत के भी कुछ हिस्सों को हिला दिया। नेपाल के दोती जिले में एक मकान गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि नेपाल में सुबह 1.57 बजे रिक्टर पैमाने पर 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके नेपाल की सीमा से लगे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 90 किमी दक्षिण पूर्व में आए। इससे पहले मंगलवार शाम को क्षेत्र में 4.9 तीव्रता और 3.5 तीव्रता के दो भूकंप आए थे।

नेपाल हिमालय की गोद में बसा है। यहां आए दिन अक्सर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अप्रैल 2015 आए विनाशकारी भूकंप ने नेपाल को हिलाकर रख दिया था। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि उस भूकंप में 8,964 लोग मारे गए थे और 21,952 लोग घायल हुए थे। वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालयी क्षेत्र में ऐसे ही विनाशकारी भूकंप की पूरी संभावना बनी हुई है।

वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान में वरिष्ठ भू-भौतिक विज्ञानी डॉक्टर अजय पॉल ने को बताया कि इंडियन प्लेट और यूरेशियन प्लेट की टक्कर से हिमालय अस्तित्व में आया है और यूरेशियन प्लेट के लगातार इंडियन प्लेट पर दवाब डालने के कारण इसके नीचे इकट्ठा हो रही विकृति उर्जा समय-समय पर भूकंप के रूप में बाहर आती रहती है।

उन्होंने कहा, 'हिमालय के नीचे विकृति उर्जा के इकट्ठा होते रहने के कारण भूकंप का आना एक सामान्य और निरंतर प्रक्रिया है। पूरा हिमालय क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से बहुत संवेदनशील है और यहां एक बड़ा बहुत बड़ा भूकंप आने की प्रबल संभावना हमेशा बनी हुई है।' उन्होंने कहा कि यह बड़ा भूकंप रिक्टर पैमाने पर सात या उससे अधिक तीव्रता के होने की संभावना है।

हालांकि, डा पॉल ने कहा कि विकृति उर्जा के बाहर निकलने या भूकंप आने का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा, 'यह कोई नहीं जानता कि कब ऐसा होगा। यह अगले क्षण भी हो सकता है, एक महीने बाद भी हो सकता है या सौ साल बाद भी हो सकता है।' हिमालय क्षेत्र में पिछले 150 सालों में चार बड़े भूकंप दर्ज किए गए जिनमें 1897 में शिलांग, 1905 में कांगडा, 1934 में बिहार-नेपाल और 1950 में असम का भूकंप शामिल है।

हांलांकि, उन्होंने साफ कहा कि इन जानकारियों से भी भूकंप की आवृत्ति के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि 1991 में उत्तरकाशी और 1999 में चमोली के बाद 2015 में नेपाल में भूकंप आया। उन्होंने कहा कि भूकंप से घबराने की बजाय इससे निपटने के लिए केवल अपनी तैयारियां पुख्ता रखनी होंगी जिससे भूकंप से होने वाले जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

उन्होंने कहा कि इसके लिए निर्माण कार्य को भूकंप-रोधी बनाया जाए, भूकंप आने से पहले, भूकंप के समय और भूकंप के बाद की तैयारियों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए तथा साल में कम से कम एक बार मॉक ड्रिल आयोजित की जाए । उन्होंने कहा, 'अगर इन बातों का पालन किया जाए तो नुकसान को 99.99 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।' इस संबंध में उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अपनी अच्छी तैयारियों के कारण लगातार मध्यम तीव्रता के भूकंप आने के बावजूद वहां जान-माल का नुकसान ज्यादा नहीं होता।

उन्होंने बताया कि वाडिया संस्थान भी 'भूकंपः जानकारी ही बचाव है' अभियान के तहत स्कूलों और गांवों में जाकर लोगों को भूकंप से बचाव के प्रति जागरूक करता है। वाडिया संस्थान के एक अन्य वरिष्ठ भू-भौतिक विज्ञानी डा नरेश कुमार ने कहा कि भूकंप के प्रति संवेदनशीलता की दृष्टि से उत्तराखंड को जोन चार और जोन पांच में रखा गया है। उन्होंने बताया कि 24 घंटे भूकंप संबंधी गतिविधियों को दर्ज करने के लिए उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में करीब 60 भूकंपीय वेधशालाएं स्थापित की गयी हैं।

अगहन महीने में गणाधिपति रूप में होती है गणेश पूजा

संकष्टी चतुर्थी 12 नवंबर को, पुराण कहते हैं संकट से बचाने और समृद्धि देने वाला व्रत है

संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त 2022
तुर्थी तिथि की शुरुआत 11 नवंबर 2022 रात 08 बजकर 17 मिनट से होगी। इस तिथि का समापन 12 नवंबर 2022 को रात 10 बजकर 25 मिनट पर होगा। इस दिन चंद्रोदय का समय रात 8 बजकर 21 मिनट बताया जा रहा है।

अगहन महीना शुरू हो गया है। अब 12 तारीख को कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी रहेगी। मार्गशीर्ष महीना होने से इस दिन गणाधिपति रूप में गणेश जी की पूजा करने का विधान है। स्कंद और ब्रह्मवैवर्त पुराण के मुताबिक इस तिथि पर गणेश की विशेष पूजा के साथ व्रत रखने से परेशानियां दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती है।

संकष्टी चतुर्थी के दिन गणेश जी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। संकष्टी चतुर्थी व्रत शादीशुदा महिलाएं पति की लंबी उम्र और सौभाग्य की कामना से करती हैं। वही, कुंवारी कन्याएं भी अच्छा पति पाने के लिए दिन भर व्रत रखकर शाम को भगवान गणेश की पूजा करती हैं।

व्रत विधिः फलाहार और दूध ही ले सकते हैं

सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं और सूर्य के जल चढ़ाने के बाद भगवान गणेश के दर्शन करें। गणेश जी की मूर्ति के सामने बैठकर दिनभर व्रत और पूजा का संकल्प लेना चाहिए। इस व्रत में पूरे दिन फल और दूध ही लिया जाना चाहिए। अन्न नहीं खाना चाहिए। इस तरह व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती है। भगवान गणेश की पूजा सुबह और शाम यानी दोनों वक्त की जानी चाहिए। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा करें।

पूजा विधिः पहले गणेश पूजा फिर चंद्रमा को अर्घ्य

पूजा के लिए पूर्व-उत्तर दिशा में चौकी स्थापित करें और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा पहले बिछा लें। गणेश जी की मूर्ति पर जल, अक्षत, दूर्वा घास, लड्डू, पान, धूप आदि अर्पित करें। अक्षत और फूल लेकर गणपति से अपनी मनोकामना कहें और उसके बाद ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र बोलते हुए गणेश जी को प्रणाम करने के बाद आरती करें। इसके बाद चंद्रमा को शहद, चंदन, रोली मिश्रित दूध से अर्घ्य दें. पूजन के बाद लड्डू प्रसाद स्वरूप ग्रहण करें।

सौभाग्य सुंदरी व्रत से प्रसन्न होते हैं शिव-पार्वती, मिलता है अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

सौभाग्य सुंदरी व्रत को शादीशुदा महिलाएं रखती हैं। हिंदू धर्म में इस व्रत का बहुत अहम स्थान है। हिन्दू पंचांग के अनुसार , हर साल मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को यह व्रत किया जाता है। सौभाग्य सुंदरी व्रत भगवान शंकर और माता पार्वती को समर्पित है, इसलिए इस दिन उनकी पूजा की जाती हैं। धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक, अगर शादीशुदा महिलाएं यह व्रत रखें तो उन्हें तो चलिए अब आपको अब इस व्रत का पूजा मुहूर्त और महत्व के बारे में बताते हैं।

शुभ मुहूर्त?

हिन्दू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसलिए 11 नवंबर को सौभाग्य सुंदरी व्रत रखा जाएगा। इस व्रत के पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 9 बजकर 22 मिनट से सुबह 10 बजकर 43 मिनट तक है। साथ ही इस वर्ष सौभाग्य सुंदरी व्रत के मौके पर शिव और सिद्ध योग बन रहे हैं। शुभ कार्यों के के लिए ये दोनों योग बेहद शुभ माने जाते हैं।

पूजा-विधि?

सौभाग्य सुंदरी व्रत की पूजा करने के लिए सुबह जल्दी उठकर नहाएं और फिर साफ-सुथरे कपड़े पहने। पूजा स्थल पर लकड़ी की चौकी रखें और उसके ऊपर भगवान शिव और माता पार्वती की तस्वीर रखें अब भोलेनाथ और माता पार्वती की विधि के अनुसार पूजा करें। पूजा करने के बाद भगवान शिव की आरती भी करें।

महादेव को बेलपत्र, माता पार्वती को सुहाग सामग्री चढ़ाएं

यह व्रत पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है।

इसलिए पूजा करते समय माता पार्वती को सुहाग की सामग्री, चूड़ियां औरचुनरी चढ़ाएं। साथ ही महादेव को धतूरा और बेलपत्र चढ़ाएं। यह व्रत रखने से आपको अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी और शादीशुदा जीवन में चल रहीं परेशानियां दूर होंगी।

घी या तेल कौन सा दीपक कब जलाना होता है शुभ?

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का बहुत महत्व है, वास्तु शास्त्र में हमें दिशाओं के बारे में कई जानकारी मिलती है, साथ ही ये भी पता चलता है कि घर से निगेटिविटी दूर करके पॉजिटिविटी कैसे लाएं। ऐसा ही वास्तु घर के पूजाघर के लिए भी होता है। पूजाघर में दीपक का खास स्थान होता है।

दीपक को पॉजिटिविटी का प्रतीक माना जाता है, दीपक जलाने से घर की निगेटिव ऊर्जा खत्म होती है। लेकिन दीपक जलाने का भी खास तरीका है, अगर आप उन बातों का पालन नहीं करेंगे तो परेशानी खड़ी हो सकती है।

दीपक जलाते वक्त इस बात का ध्यान आपको रखना है कि दीपक हमेशा भगवान की मूर्ति या उनकी तस्वीर के सामने रखें, कभी भी कहीं पर भी दीपक न रख दें। इसके अलावा अगर आप तेल का दीपक जला रहे हैं तो हमेशा अपने राइट साइड और घी का दीपक जला रहे हैं तो हमेशा लेफ्ट साइड रखना चाहिए।

दीपक की बाती का भी रखें ध्यान

दीपक जलाने से दीपक की बाती का ध्यान रखें, सही बाती के इस्तेमाल से ही दीपक जलाने का फायदा है। अगर आप तेल का दीपक जला रहे हैं तो बाती लाल धागे से बनी हो, वहीं अगर घी का दीपक जला रहे हैं तो रुई की बाती का इस्तेमाल करें।

दीपक रखने की सही दिशा

दीपक कभी पश्चिम दिशा में न जलाएं, इससे गरीबी आती है और तेजी से धन का नाश होता है। शाम के वक्त मुख्य दरवाजे पर दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आपका घर धन-धान्य से भर देती हैं।

दक्षिण दिशा मां लक्ष्मी और यम दोनों का निवास होता है। इसलिए दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर आप एक साथ मां लक्ष्मी और यमराज दोनों को खुश कर सकते हैं। इतना तो आपको पता ही है मां लक्ष्मी खुश होंगी तो धन आएगा और यमराज खुश होंगे तो असमय मौत नहीं आएगी।

उत्तर दिशा में दीपक जलाने से घर में गरीबी आती है आप दीपक की लौ इस दिशा में कर सकते हैं।

घर में सुबह-शाम दीपक जलाने से घर में सुख का माहौल रहता है और पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है।

आज जरूर करें इन मंत्रों का जाप, दूर होंगे सभी कष्ट

ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति ग्रह को सुख, वैभव, धन, वैवाहिक जीवन, संतान एवं विवाह का कारक ग्रह माना गया है। वहीं अगर कुंडली में गुरु ग्रह की दशा कमजोर है तो जातक के जीवन में विद्या, मान-सम्मान और धन की कमी बनी रहती है। कमजोर बृहस्पति के कारण मांगलिक कार्यों में बाधाएं आने लगती हैं। साथ ही व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक तौर पर भी बहुत कष्ट झेलने पड़ते हैं। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, बृहस्पतिवार का दिन देवताओं के गुरु बृहस्पति को समर्पित है। इस दिन प्रभु श्री विष्णु की आराधना और व्रत करने से प्रभु श्री विष्णु जल्द ही खुश हो जाते हैं। बृहस्पति को शांत करने के लिए बृहस्पतिवार के दिन कुछ विशेष मंत्रों का जाप करना बहुत फलदायी माना गया है।

ये है वो मंत्रः-

गुरु का वैदिक मंत्रः-

ओम बृहस्पते अति यदर्यो अर्हाद् द्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु
यद्दीदयच्छवस ऋतप्रजात तदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम।।

बृहस्पति शांति मंत्रः-

देवानाम च ऋषिणाम च गुरुं कांचन सन्निभम।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम।।
ॐ बृं बृहस्पतये नमः।।
ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।।
ॐ ह्रीं नमः।
ॐ ह्रां आं क्ष्यों सः ।।

बृहस्पति मंत्रः-

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।
ॐ बृं बृहस्पतये नमः।

ध्यान मंत्रः-रत्नाष्टापद वस्त्र राशिममलं दक्षात्किरनतं करादासीनं,
विपणौकरं निदधतं रत्नदिराशौ परम।
पीतालेपन पुष्प वस्त्र मखिलालंकारं सम्भूषितम,
विद्यासागर पारगं सुरगुरुं वन्दे सुवर्णप्रभम।।

घर में एरोवाना मछली रखने से दूर होगी दरिद्रता

वास्तु शास्त्र में कई ऐसे नियम बताए गए हैं जिनका पालन करके आप धनवान बन सकते हैं। आचार्य इंदु प्रकाश ने हमें बताया कि कैसे आप एरोवाना मछली घर में रखकर सुख, समृद्धि पा सकते हैं और धनवान बन सकते हैं। कहते हैं मछलियों का होना घर में धन और सुख-समृद्धि लेकर आता है। मछलियों की उछल कूद से मन को शांति मिलती है और उनके घर में होने से नेगेटिविटी खत्म होती है। वास्तु शास्त्र में कल हमने आपको बताया था घर में सुनहरी मछली रखने के बारे में और आज हम बात करेंगे एरोवाना मछली के बारे में। क्या एरोवाना मछली को घर में रखने से फायदा होता है? सुनहरी मछली के साथ-साथ एरोवाना मछली को भी वास्तु शास्त्र में बहुत अच्छा माना गया है।

सुख-समृद्धि का प्रतीक है एरोवाना मछली

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में एरोवाना मछली को रखना शुभ माना जाता है। ये मछली अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, धन और शक्ति का प्रतीक है। यह बुरी शक्तियों को दूर करती है।

इस दिशा में रखें एरोवाना मछली की मूर्ति

अगर आप अपने घर में जिंदा मछली नहीं पाल सकते या नहीं पालना चाहते तो इसका भी एक तरीका है। आप मुंह में सिक्का लिए हुए सुनहरी एरोवाना मछली की मूर्ति घर में रख सकते हैं। इस मूर्ति को आप अपने घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही रख सकते हैं। कुछ प्राणी शास्त्रियों के अनुसार एरोवाना मछली तलहटी में बैठ कर भूकंप के आने की पूर्व सूचना देती है।

शुक्र अस्त रहते हुए करेगा राशि परिवर्तन

11 नवंबर से वृश्चिक राशि में रहेगा ये ग्रह; खरीदारी बढ़ने और अर्थव्यवस्था में सुधार होने के योग

शुक्रवार को ही शुक्र ग्रह अपनी राशि से निकलकर वृश्चिक में आ जाएगा। इसका असर अगले 23 दिनों तक रहेगा। इसका प्रभाव देश-दुनिया पर पड़ेगा। शुक्र का असर मौसम और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। ये 5 दिसंबर तक इस राशि में रहेगा। शुक्र की चाल में बदलाव का असर कुछ राशियों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

खरीदारी बढ़ने और अर्थव्यवस्था में सुधार के योग

डॉ. मिश्र के मुताबिक शुक्र के राशि परिवर्तन से सोने-चांदी और अन्य धातुओं की कीमत में उतार-चढ़ाव होने के योग बन रहे हैं। इस ग्रह के राशि बदलने से देश के कुछ हिस्सों में तेज बारिश और कुछ जगहों पर उमस और कम बारिश होगी। धान, अनाज, कपड़े, भौतिक सुविधाएं और खाने-पीने की चीजों की कीमतें भी बढ़ सकती है। इसके साथ ही राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

नौ राशियों के लिए शुभ समय

डॉ. मिश्र ने बताया कि शुक्र के राशि परिवर्तन से मेष, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन राशि वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। इन नौ राशि वाले लोगों के धन और वैभव के रास्ते खुलेंगे। शुक्र का गोचर इन राशि वालों के आर्थिक, पारिवारिक और करियर में खुशियां आ सकती हैं। वहीं अन्य लोगों पर इस ग्रह का मिला-जुला असर रहेगा।

भौतिक सुख-सुविधाएं देने वाला ग्रह

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को भौतिक सुख, वैवाहिक सुख, भोग-विलास, शोहरत, कला, प्रतिभा, सौन्दर्य, रोमांस और फैशन-डिजाइनिंग आदि का कारक माना जाता है। शुक्र वृषभ और तुला राशि का स्वामी होता है और मीन इसकी उच्च राशि है, जबकि कन्या इसकी नीच राशि कहलाती है।

धन प्राप्ति से लेकर कर्ज से मुक्ति तक के लिए करें फिटकरी के ये उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होने लगता है तो परिवार के लोगों में कलह, घर में आर्थिक समस्याएं आदि बढ़ने लगती हैं। हालांकि घर की नकारात्मकता को समाप्त करने के लिए ज्योतिष में कई कारगर उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करके आप न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकते हैं बल्कि समस्याओं से भी निजात पा सकते हैं। इसी तरह से नकारात्मकता को दूर करने के लिए फिटकरी के उपाय बहुत कारगर माने गए हैं। ज्योतिष में भी फिटकरी के उपायों को बेहद कारगर माना गया है। आइए जानते हैं उन उपायों के बारे में...

धन प्राप्ति के लिए उपाय

धन प्राप्ति के अलावा आर्थिक रूप से समृद्ध और संपन्न होना चाहते हैं, तो प्रतिदिन फिटकरी को जल में मिलाकर स्नान करें। ज्योतिष मान्यता है कि ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा आपसे दूर होगी साथ ही आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा।

गृह-क्लेश दूर करने के उपाय

ज्योतिष के अनुसार, यदि आपके घर में हमेशा कलह का माहौल बना रहता है, तो इसके लिए अपने बेडरूम में बिस्तर के नीचे फिटकरी को एक कपड़े में बांधकर रख लें। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा निकल जाएगी और घर का माहौल खुशनुमा हो जाएगा।

कर्ज मुक्ति के उपाय

कर्ज मुक्ति के लिए फिटकरी को एक कपड़े में बांध लें फिर किसी पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर से दबा दें। ये उपाय आपको कर्ज की समस्या से मुक्ति दिलाएगी। ध्यान रहे ये उपाय आपको लगातार तीन बुधवार को करना है।

जल्दी शादी के लिए फिटकरी का उपाय

यदि आपकी शादी में देरी हो रही है, तो सोमवार के दिन स्नान के बाद थोड़ा सा फिटकरी पाउडर और चूना लेकर एक कागज में रखें और ले जाकर किसी केले, आम या बरगद के पेड़ के नीचे अपना नाम, अपने पिता का नाम, अपना गोत्र बोलने के साथ अपनी मनोकामना बोलें। अपनी शादी की मनोकामना बोलते हुए उस पेड़ की 7 परिक्रमा करें और वापस घर आ जाएं। बहुत जल्द ही शादी के योग बनेंगे। ये उपाय सात सोमवार को लगातार करें।

बेहद बोल्ड हैं बॉलीवुड की ये फिल्में, एक में तो फिल्माए गए थे पूरे 27 किसिंग सीन

बॉलीवुड में हर साल कई फिल्में रिलीज होती हैं, जिनके अलग-अलग जॉनर होते हैं। हर फिल्म में लोगों को ध्यान में रखकर अलग तरह का कंटेंट पेश किया जाता है। वहीं, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिन्हें आप अपने परिवार के साथ बैठकर नहीं देख सकते। इन फिल्मों में बोल्ड सीन की भरमार के साथ ही बोल्डनेस की हदें पार कर दी गईं। आज हम आपको कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें एक्टर्स ने भर-भरकर बोल्ड सीन दिए हैं।

ख्वाहिश

बॉलीवुड में एक समय था जब लोग मल्लिका शेरावत की फिल्मों का इंतजार करते थे। मल्लिका शेरावत की फिल्म में रोमांस और बोल्ड सीन की भरमार रहती थी। मल्लिका शेरावत ने फिल्म 'ख्वाहिश' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म की थीम एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर आधारित थी। फिल्म में मल्लिका और एकांतर हिमांशु के 17 किसिंग सीन की खूब चर्चा हुई थी।

मर्डर 2

2004 में आई इस फिल्म में मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में दोनों के कई बोल्ड और इंटिमेट सीन थे, जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वहीं, 'मर्डर' की सफलता के बाद 'मर्डर-2' भी बनाई गई थी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ जैकलीन फर्नांडीज थीं।

जिस्म 2

बॉलीवुड की सबसे बोल्ड फिल्म 'जिस्म' देखने के लिए लोग थिएटर में उमड़ पड़े। उस वक्त हर कोई इस फिल्म की चर्चा कर रहा था। फिल्म की लोकप्रियता को देखते हुए इसका सीक्वल आया, जिसमें सनी लियोनी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 'जिस्म 2' में सनी लियोनी थीं। फिल्म में सनी ने रणदीप हुड्डा और अरुणोदय सिंह के साथ कई बोल्ड सीन दिए थे।

शुद्ध देसी रोमांस

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की यह फिल्म 2013 में आई थी, जिसमें वह परिणीति चोपड़ा और वाणी कपूर के साथ नजर आए थे। इस फिल्म में लिव इन रिलेशनशिप को दिखाया गया है, जिसमें सुशांत, परिणीति और वाणी के बीच लव ट्राएंगल दिखाया गया है। वहीं, इस फिल्म में 27 किसिंग सीन फिल्माए गए थे। ऐसे में परिवार के साथ देखने के लिए यह फिल्म कुछ ज्यादा ही बोल्ड है।

फायर

दीपा मेहता की यह फिल्म अपने टाइटल की तरह ही दमदार थी। इस फिल्म में एक महिला अपनी शारीरिक जरूरतों के बारे में बात करती है जो किसी दूसरी महिला के साथ संबंध बनाकर पूरी की जा सकती है। नंदिता दास और शबाना आजमी की इस फिल्म में कई बोल्ड सीन थे।

गर्लफ्रेंड

यह फिल्म 2004 में आई थी, जिसमें अमृता अरोड़ा और ईशा कोपिकर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। समलैंगिक संबंधों पर आधारित इस फिल्म में कई बोल्ड सीन फिल्माए गए है। वहीं, फिल्म में सुमित निझावन और आशीष चौधरी भी शामिल हैं।

राजीव सेन ने किया चारू के दिल में अपने लिए प्यार होने का दावा, कहा- आपके लिए दरवाजे अभी भी खुले हैं

सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन और उनकी भाभी चारू असोपा की जिंदगी में काफी समय से उथल-पुथल देखने को मिल रही है। दोनों काफी समय से एक-दूसरे पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। जहां कुछ समय पहले चारू असोपा ने राजीव सेन पर मारपीट और हिंसा का आरोप लगाया था, वहीं राजीव सेन ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद पिछले दिनों चारू एक इंटरव्यू में राजीव के बर्ताव का खुलासा करते हुए खूब रोती दिखाईं दी थी। लेकिन इसी बीच इस कहानी ने नया मोड़ ले लिया है। राजीव सेन ने दावा किया है कि चारू उन्हें अभी भी प्यार करती हैं।

अपनी पत्नी से चल रहे विवादों के बीच टीवी अभिनेता राजीव सेन ने एक बार फिर चारू के बारे में कुछ ऐसा कह दिया है, जो उन्हें फिर से चर्चाओं में ले आया है। दरअसल, एक वीडियो का हवला देते हुए राजीव सेन का कहना है कि चारू असोपा अब भी उनसे प्यार करती हैं और यही मुख्य कारण है कि वह इतनी भावुक हैं। राजीव ने अपने बयान में यह भी कहा कि चारू के परिवार में लौटने के सारे दरवाजे खुले हैं। सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन ने एक लंबा व्लॉग साझा करते हुए और कहा कि हर छोटी बात के लिए मीडिया से बात करना चारू की बचकानी बात थी। इससे केवल उन्हें ही नुकसान

होगा। उन्होंने यह भी कहा कि या तो शादी कर लेनी चाहिए या पति या पत्नी को सम्मानपूर्वक एक-दूसरे को तलाक देना चाहिए।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए राजीव ने कहा कि जब से उनकी बेटी जियाना आई है तब से वह बहुत तरीके से बात करते हैं और सावधान भी रहते हैं। वह बोले- मैं भी कुछ भी कह सकता हूं, लेकिन मैं कहना नहीं चाहता क्योंकि मेरी बच्ची पर इसका असर पड़ेगा। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं, चारु, तुम्हारे लिए दरवाजे खुले हैं। आप परिवार में वापस आना चाहती हैं क्योंकि यही वह जगह है जहां आप और जियाना को होना चाहिए। यह जियाना का घर है। जीवन का नाम चलना है और यह बहुत छोटा होता है।' उन्होंने यह भी कहा, 'अगर आज चारू कैमरे के सामने इतनी भावुक हो रही हैं, रो रही हैं, सार्वजनिक रूप से इस तरह बात कर रही हैं, तो अच्छी बात है - कहीं न कहीं वह अभी भी मुझसे प्यार करती हैं।

उसके दिल में मेरे लिए प्यार है और यहीं से सारी भावनाएं कैमरे के सामने आ रही हैं। अगर उसने मुझसे प्यार नहीं किया होता, तो यह सब नहीं होता। बस तलाक हो जाता और शायद उसने अपने दिल में मेरा अपमान किया होता। चारू ने जो कुछ कहा और किया है, उसके लिए उसे माफ करना मेरे लिए मुश्किल होगा।'

माधुरी से लेकर जॉन अब्राहम तक, किसी ने डॉक्टर को तो किसी ने बैंकर को बनाया हमसफर

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी 4 दिसंबर को अपने बिजनेस पार्टनर और दोस्त सोहेल कथुरिया के साथ शादी करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हंसिका और सोहेल लंबे समय से एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे और अब दोनों ने शादी करने का फैसला लिया है। वहीं सोहेल की ये दूसरी शादी है। इससे पहले सोहेल ने 2016 में रिंकी नाम की लड़की से लव मैरिज की थी।

बॉलीवुड में कई सेलेब्स हैं जिन्होंने फिल्मी इंडस्ट्री में ही अपना जीवन साथी ढूंढ लिया। वहीं हंसिका के अलावा कई ऐसे भी सेलेब्स हैं जिन्होंने बॉलीवुड की दुनिया से निकलकर अन्य प्रोफेशन के व्यक्ति को अपना हमसफर बनाया। आइए नजर डालते हैं कुछ ऐसे ही सेलेब्स पर-

माधुरी दीक्षित

80 और 90 के दशक पर बॉलीवुड में राज करने वाली माधुरी दीक्षित ने 1999 में लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया के श्रीराम माधव नेने से शादी की। माधव नेने कार्डियोवैस्कुलर सर्जन हैं। दोनों दो बच्चों एरिन और रेयान के पेरेंट्स भी हैं।

श्रिया सरन

दृश्यम फेम एक्ट्रेस श्रिया ने 2016 में रशियन टेनिस खिलाड़ी आंद्रेई कोशेव से शादी की थी। दोनों मुंबई में हिंदू रीति-रिवाजों से शादी के बंधन में बंधे। शादी के 5 साल बाद श्रिया ने एक बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम राधा है।

प्रीति जिंटा

2016 में एक्ट्रेस प्रीति ने विदेशी बिजनेसमैन जीन गुडइनफ से शादी की थी। कपल की शादी की रस्में प्राइवेट तरीके से लॉस एंजेलिस में पूरी हुई थी। शादी के कुछ साल सरोगेसी के मदद से दोनों दो बच्चों के पेरेंट्स बने। उनके जुड़वां बच्चों का नाम जे और जिया है।

दीया मिर्जा

दीया मिर्जा ने बिजनसमैन और इन्वेस्टर वैभव रेखी के साथ पिछले साल 15 फरवरी को शादी की। दीया और वैभव की ये दूसरी शादी है और पहली शादी ये वैभव को एक बेटी भी है। दीया ने पहली फिल्म प्रोड्यूसर साहिल सांघा से की थी, जोकि लंबे समय तक नहीं टिकी और दोनों तलाक ले कर अलग हो गए।

मीनाक्षी शेषाद्रि

बॉलीवुड को अलविदा कहने के बाद मीनाक्षी ने हरीश मैसूर से शादी की थी। हरीश पेशे से एक बैंकर हैं। कपल की शादी न्यूयॉर्क में रजिस्टर कराई गई और शादी के बाद दोनों पूरे परिवार के साथ टेक्सास में रहते हैं। कपल के दो बच्चे केंद्रा और जोश हैं।

सेलिना जेटली

2016 में एक्ट्रेस सेलिना ने ऑस्ट्रेलियन पीटर हाग से शादी की थी। पीटर ऑस्ट्रेलियाई होटल बिजनेसमैन हैं। शादी के बाद सेलिना ने फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। सेलिना ने दो बार जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था, लेकिन इनके दूसरी बार जन्मे जुड़वां में से एक बच्चे की हार्ट डिसीज से मौत हो गई थी।

सना खान

एक्ट्रेस सना ने पिछले साल अक्टूबर में फिल्मी इंडस्ट्री छोड़ने का ऐलान किया था। इसके बाद ही उन्होंने सूरत के मुफ्ती अनस सैय्यद को अपना हमसफर बनाया। उनके इस फैसले से सभी हैरान थे। वहीं इस शादी के पहले उनका अफेयर कोरियोग्राफर मेल्विन लुइस से था और कुछ सालों बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया था।

शाहिद कपूर

एक्टर शाहिद का प्रियंका चोपड़ा, करीना कपूर से साथ अफेयर था। हालांकि बाद में उन्होंने अरेंज मैरिज दिल्ली की मीरा राजपूत से की थी। कपल 2015 में शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के बाद मीरा ने दो बच्चों को जन्म दिया था।

जॉन अब्राहम

जॉन 8 साल तक बिपाशा के लिव इन रिलेशनशिप में थे। लंबे समय तक एक साथ रहने के बावजूद दोनों का ब्रेकअप हो गया। एक्ट्रेस से ब्रेकअप के बाद 2014 में जॉन ने प्रिया रुंचाल से शादी की थी। प्रिया पेशे से बैंकर हैं।

तलाक के वर्षों बाद मलाइका अरोड़ा के साथ कैसा है अरबाज खान का रिश्ता? एक्टर ने किया खुलासा

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। लेकिन आज भी दोनों एक-दूसरे से खास बॉन्ड शेयर करते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अरबाज खान ने अपने और मलाइका के रिश्ते को लेकर बात की और बताया कि दोनों कैसे बॉन्ड शेयर करते हैं। अरबाज का कहना है कि तलाक के बाद वह दोनों अब एक-दूसरे को ज्यादा समझते हैं।

दरअसल, अरबाज खान एक इंटरव्यू दे रहे थे, जिसमें मलाइका के साथ उनके रिश्ते को लेकर बात की गई। अरबाज ने बताया कि तलाक के बाद उनके रिश्ते में काफी कुछ बदला है और अब वह एक-दूसरे को पहले से ज्यादा समझते हैं। साथ ही एक-दूसरे की पसंद को भी एप्रिशिएट करते हैं। अरबाज का कहना है कि बीते कुछ वर्षों में दोनों काफी मैच्योर हुए है और इसी वजह से उनका बॉन्ड भी पहले से बेहतर हो गया है।

इसक आगे अरबाज खान अपने बेटे का भी जिक्र किया और कहा कि अरहान खान की वजह से भी हम दोनों की बॉन्डिंग अच्छी हुई है। अरबाज ने कहा, 'हम दोनों जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और एक-दूसरे को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं, वो भी बहुत सी चीजों के बारे में। जिंदगी में हमने बहुत कुछ एक्सेप्ट किया है। मेरे बारे में चीजें मलाइका ने एक्सेप्ट की हैं और उनके बारे में मैंने की हैं।'

बता दें कि मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान तलाक के बाद अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं। मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। दोनों सोशल मीडिया पर आए दिन अपने प्यार का इजहार करते रहते हैं। मलाइका और अर्जुन बी टाउन के फेवरेट कपल बन चुके हैं। वहीं, अरबाज खान को भी अपना लेडी लव मिल गया है और वह जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता है।

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर को शादी के लिए कहा यस...! भारी कन्फयूजन के बीच मिलने लगीं बधाइयां

मलाइका के नए पोस्ट ने हंगामा मचा दिया है. मलाइका के नए पोस्ट ने हंगामा मचा दिया है. मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने अपने रिश्ते को दुनिया के सामने ला चुके हैं. लेकिन क्या ये शादी करने वाले हैं, इस सवाल पर अर्जुन और मलाइका अक्सर खामोश ही रहते हैं. पर मलाइका अरोड़ा के नए इंस्टाग्राम पोस्ट ने इस जोड़ी के फैंस को चौंका दिया है। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने अपने रिश्ते को दुनिया के सामने ला चुके हैं. ये दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर अपना प्यार जाहिर करते हुए भी दिखते हैं. लेकिन क्या ये शादी करने वाले हैं. हालांकि इस सवाल पर अर्जुन और मलाइका अक्सर खामोश ही रहते हैं. लेकिन मलाइका अरोड़ा के नए इंस्टाग्राम पोस्ट ने फैंस को चौंका दिया है. मलाइका अरोड़ा ने एक ऐसा इंस्टाग्राम पोस्ट किया है, जिसने लोगों को ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या मलाइका और अर्जुन जल्द ही शादी करने वाले हैं. इतना ही नहीं मलाइका का पोस्ट सामने आते ही इस जोड़ी को सोशल मीडिया पर बधाइयां भी मिलने लगी है। दरअसल मलाइका अरोड़ा ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी शरमाते हुए एक तस्वीर शेयर की है, जिसका कैप्शन पढ़ हर कोई हैरान है. मालइका ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा है, ' और मैंने हां कह दिया '

मलाइका के इस पोस्ट से लोग हैरान हैं और ये सोचने पर विवश कर दिया हैकि क्या ये सच में अर्जुन-मलाइका की शादी का हिंट है या फिर ये सिर्फ कोई प्रमोशनल स्ट्रैटजी है, क्योंकि इससे पहले भी कई बार सितारे अपने सोशल मीडिया को प्रमोशनल चीजों के लिए ऐसे इस्तेमाल कर चुके हैं. इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा भी अपनी अंगूठी वाली तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं, जो बाद में उनके नए बिजनेस 'सोइज' का प्रमोशन निकली थीं. आपको बता दें कि 'कॉफी विद करण' में अपनी कजिन सोनम कपूर के साथ पहुंचे अर्जुन ने अपनी शादी के सवाल पर कुछ साफ नहीं कहा था. हालांकि अर्जुन मानते हैं कि मलाइका के आने से उनके जीवन में काफी पॉजेटिव बदलाव आए हैं।

बढ़ी साजिद खान की मुश्किलें

मॉडल ने लगाया दुष्कर्म की कोशिश का आरोप, बोलीं- साल 2011 में साजिद ने की थी छेड़खानी

एक्टर-डायरेक्टर साजिद खान की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में ग्लैडरैग्स की पूर्व मॉडल नम्रता शर्मा सिंह ने साजिद खान पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। मॉडल ने साजिद पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि साजिद खान ने 2011 में उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। इससे पहले भी करीब 10 एक्ट्रेसेस और मॉडल्स ने महिला आयोग को मी-टू के तहत साजिद के खिलाफ शिकायत की है।

मॉडल ने साजिद पर लगाए गंभीर आरोप

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नम्रता ने बताया कि यह 2011 की घटना है। जब वो एक फिल्म के ऑडिशन के लिए साजिद खान से मिलने गई थीं। नम्रता ने मीडिया से कहा- 'मैंने एक छोटी ड्रेस पहनी हुई थी और जैसे ही मैंने कमरे में गई, साजिद ने दरवाजा बंद कर लिया। दरअसल हम फिल्म की फीस से रिलेटेड बातें कर रहे थे। मुझे लगा कि वो चाहते हैं कि हमारी बातें कोई और न सुने। लेकिन साजिद ने मुझे गलत तरीके से छूने की कोशिश की।'

12 साल बाद मॉडल नम्रता ने तोड़ी चुप्पी

नम्रता ने कहा- 'मैं चिल्लाई और उसे धक्का दे दिया। इंडस्ट्री के लोगों ने मुझे बताया कि साजिद खान की फिल्मों में काम पाने ते लिए कई बार साजिद के साथ सोना भी पड़ता है। उस घटना के बाद मैं उनके पास कभी भी नहीं गई न ही मैंने कभी उन्हें फोन किया। मैं इस घटना को भूल गई थी, हाल ही में बिग बॉस विवाद के चलते मैंने लगभग 12 साल पहले हुई घटना के बारे में बोलने का फैसला किया है।'

कौन हैं नम्रता शर्मा सिंह?

नम्रता पूर्व ग्लैडरैग्स पेजेंट हैं। 2007 से लेकर 2009 के दौरान वो एक सक्सेसफुल रैंप मॉडल थीं।

इसके अलावा नम्रता कई ब्रांड्स के लिए फोटोशूट भी करा चुकी हैं। इसी के साथ साजिद के विरोध में खड़ी महिलाओं की गिनती दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

वरुण धवन ने दिया बीमारी से जुड़ा हेल्थ अपडेट : फैंस को कहा शुक्रिया, बोले- अब पहले से ठीक महसूस कर रहा हूं

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया था कि वो वेस्टिबुलर हाइपोफंक्शन नाम की बीमारी से जूझ रहे हैं। जिसके बाद से वरुण के फैंस उनकी सेहत को लेकर काफी परेशान हो गए थे। अब सोमवार को वरुण ने अपनी हेल्थ से जुड़ा एक अपडेट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सभी फैंस को राहत की खबर दी है। ट्विटर पर पोस्ट शेयर करते हुए वरुण ने बताया कि अब वो पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। साथ ही धीरे- धीरे वो अब अपनी लाइफ स्टाइल में बदलाव ला रहे हैं।

वरुण ने पोस्ट में लिखा- 'सभी लोग जिन्हें मेरी सेहत को लेकर चिंता हो रही है, मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि अब मैं पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं हर रोज बेहतर हेल्थ के लिए योगा, स्विमिंग और लाइफ स्टाइल में बदलाव ला रहा हूं। सभी के आशीर्वाद के साथ-साथ, सुबह धूप लेना भी सेहत के लिए बेहद जरूरी है।'

अपडेट से पहले वरुण ने एक पोस्ट किया था। जिसमें उन्होंने अपने सभी चाहनेवालों को शुक्रिया कहा। एक्टर ने पोस्ट में लिखा- 'मैं जानता हूं कि हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मैंने अपनी हेल्थ के बारे में बात की और बताया कि मैं अपना 100% नहीं दे पा रहा हूं। आप सबका जो प्यार और दुआ मुझे मिली है, उसने मुझे और विनम्र बना दिया है और वास्त में अपना 100 % देने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं।'

वरुण की इस पोस्ट पर उनके चाहनेवालों ने जमकर सपोर्ट किया। एक यूजर ने पोस्ट में लिखा- बाबू आपको बहुत सारा प्यार, प्लीज आप स्ट्रेस मत लो। काम में खुद को इतना मत पुश करो। हम हमेशा अपने हीरो के साथ हैं। प्लीज अपना ध्यान रखो। दूसरे यूजर ने लिखा- 'वरुण प्लीज आप अपना ख्याल रखो, प्लीज प्रमोशन के लिए खुद पर इतना जोर मत देना। वी लव यू।'

वेस्टिबुलर हाइपोफंक्शन क्या है?

वेस्टिबुलर हाइपोफंक्शन एक तरह का डिसऑर्डर है, जो कि कान के अंदरूनी हिस्से में होता है। दरअसल ह्यूमन बॉडी में वेस्टिबुलर सिस्टम होता है, जो कि कान, आंख और मसल्स को बैलेंस रखता है।

अगल किसी को यह डिसऑर्डर हो जाए तो ऐसे में मरीज के ब्रेन तक मैसेज पहुंचाने में दिक्कत होती है, इसका असर दिमागी हेल्थ पर भी पड़ता है।

विजय देवरकोंडा का बाथरुम फोटोशूट देख लोगों ने उड़ाया मजाक, बोले- रणवीर सिंह के साइड इफेक्ट्स

विजय देवरकोंडा आखिरी बार पैन इंडिया फिल्म लाइगर में दिखे थे जो कि बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप गई. फिल्म में वे अनन्या पांडे के साथ दिखे थे लेकिन इसमें फैंस को न तो दोनों की लव कैमिस्ट्री इंप्रेस कर सकी और न ही किसी को लाइगर की कहानी पसंद आई. फिलहाल देवरकोंडा अपनी कुछ नई तस्वीरों से फैंस का अटेंशन ले रहे हैं जिन्हें देखने के बाद तमाम यूजर्स उनकी बॉलीवुड के अतरंगी हीरो रणवीर सिंह से तुलना कर रहे हैं।

हाल ही में देवरकोंडा ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वे पर्पल कलर के सिंपल ढीले लिबास में दिख रहे हैं। तस्वीरों में देवरकोंडा के अवतार को देख कई लोग उन्हें बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का साइड इफेक्ट कह रहे हैं. हालांकि, बाथरूम में शूट कराई गई इन पिक्स में देवरकोंडा काफी कूल दिख रहे हैं। जैसा कि आप जानते ही हैं कि पद्मावत अभिनेता आए दिन ही अपने अलग-अलग लुक्स को लेकर चर्चा में रहते हैं, वे खासकर अपड़ों से अटेंशन लेते हैं. हालांकि, तमाम दफा वे ट्रोल का शिकार भी होते हैं। देवरकोंडा के लुक्स की दिवानी बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान भी हैं जो ये बात सरेआम भी कह चुकी हैं. हालांकि, लेटेस्ट पिक्स में लोग उनके मजे ले रहे हैं।

अभिनेता के वर्कफ्रंट को लेकर बात करें तो वे इन दिनों 'कुशी' की शूटिंग में बिजी हैं जिसमें वे सामंथा रुथ प्रभु के साथ आने वाले हैं। गौरतलब है कि देवरकोंडा 'जन गण मन' प्रोजेक्ट के लिए चर्चा में रहे जिसे लाइगर फेम पुरी जगन्नाध डायरेक्ट करने वाले हैं. लेकिन कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि ये फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई है, चूंकि इन दिनों मेकर्स लाइगर लॉस की मार झेल रहे हैं।

रिलीज से पहले ही सामंथा की यशोदा ने कमाए 55 करोड़

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'यशोदा' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस को अपनी पैन इंडिया फिल्म से कफी उम्मीदें हैं जिसमें वे लीड रोल में हैं और ताबड़तोड़ एक्शन सीन करते नजर आ रही हैं. फिल्म के ट्रेलर को लोगों ने खूब सराहा है और शानदार प्रतिक्रियाएं दी हैं. अभिनेत्री की ये फिल्म 11 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं. हालांकि, सामंथा रिलीज से पहले फिल्म को लेकर थोड़ी नर्वस फील कर रही हैं. इस बात का खुलासा उन्होंने खुद ही एक पोस्ट के जरिए किया है.

यशोदा रिलीज से पहले सामंथा ने बयां की फीलिंग्स

सामंथा ने हाल ही में अपने सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट लिखकर फैंस के साथ अपनी फीलिंग्स शेयर की हैं. अभिनेत्री ने अपनी फिंगर क्रॉस वाली तस्वीर के साथ ही कैप्शन में अपने दिल की बात बयां की हैं. लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'बहुत ज्यादा नर्वस और खासतौर से एक्साइटेड! एक दिन बचा है.. मेरे निर्देशकों, निर्माता, कलाकारों और पूरे क्रू को शुभकामनाएं क्योंकि वो सभी कल की जीत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं..' वैसे आपको बता दें कि इस फिल्म के लिए जितनी एक्साइटेड सामंथा हैं उतने ही उतने ही उनके फैंस भी हैं.

ट्रेलर ने पहले ही यशोदा देखने के लिए लोगों की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है और फिर सामंथा के पोस्ट को पढ़कर भी लोग इसे थिएटर में देखने का मन बना चुके हैं. आपको बता दें कि इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही 55 करोड़ का कारोबार कर लिया है. फिल्म क्रिटिक्स रमेश बाला ने ट्विटर पर एक पोस्ट साझा कर जानकारी दी है कि 'यशोदा' ने रिलीज से पहले 55 करोड़ रुपये से अधिक का बिजनेस किया है. उनके ट्वीट के मुताबिक, फिल्म के डिजिटल राइट्स 24 करोड़ रुपये में बिके हैं. सैटेलाइट राइट्स 13 करोड़ में बेचे गए हैं, जबकि हिंदी डबिंग और विदेशी वितरण राइट्स लगभग 3.5 करोड़ और 2.5 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं. उन्होंने ये भी जानकारी दी है कि भारत में फिल्म के थियेटर डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 12 करोड़ में बेचे गए हैं।

सरकार ने भारत में टीवी चैनलों के अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के दिशानिर्देश-2022 को दी मंजूरी

केन्द्र सरकार ने टीवी चैनलों के लिए अनुपालन को आसान बनाते हुए अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के दिशानिर्देश-2022 को मंजूरी दे दी है। अब भारतीय टेलीपोर्ट विदेशी चैनलों को अपलिंक कर सकते हैं। इससे पहले इन कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं थी। बता दें कि अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए दिशानिर्देश पिछली बार 2011 में जारी किए गए थे और इन्हें संशोधित करने की प्रक्रिया चल रही थी। सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्र ने कहा कि हमने लगभग 11 वर्षों के बाद नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। हमने इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी भी ली है। पिछले कुछ वर्षों में हमने जो सुधार किया है, उसके अनुसार हमने इज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में भी कई सुधार किए हैं। अपूर्व चंद्रा ने कहा, हमने एक प्रावधान रखा है कि राष्ट्रीय महत्व या राष्ट्रीय हित की चीजों के लिए 30 मिनट का स्लॉट दिया जाना चाहिए, इसके लिए महिला सशक्तिकरण, कृषि, अध्यापन जैसी 7-8 थीम दी गई हैं। हमने सभी को बराबरी का मौका देने की कोशिश की है।

बता दें कि हाल ही में केंद्र सरकार ने कहा था कि वह एक महीने में उपग्रह टेलीविजन चैनलों की 'अपलिंकिंग' को नियंत्रण-मुक्त कर देगी। सरकार के इस कदम का मकसद भारत को 'अपलिंकिंग' का प्रमुख केंद्र बनाना है। दरअसल, उपग्रह दूरसंचार में अपलिंक किसी ग्राउंड स्टेशन से एक उपग्रह तक की कड़ी है। दूसरी ओर डाउनलिंक एक उपग्रह से नीचे एक या अधिक ग्राउंड स्टेशनों के बीच की कड़ी है।

हाल ही में सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्र ने एक कार्यक्रम में कहा था कि देश में 898 टेलीविजन प्रसारणकर्ताओं में से 532 चैनल अपनी सेवाओं की 'अपलिंकिंग' और 'डाउनलिंकिंग' के लिए विदेशी उपग्रहों का उपयोग करते हैं। हम उपग्रहों की अपलिंकिंग को नियंत्रण मुक्त करना चाहते हैं ताकि भारत इस क्षेत्र में एक केंद्र के तौर पर उभर सके। उन्होंने कहा था कि अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दिशानिर्देश पिछली बार 2011 में जारी किए गए थे और उन्हें संशोधित करने की प्रक्रिया चल रही है।

कुछ नया करने जा रहे हैं अक्षय कुमार :कहा- कमाल की चीज है, जल्द शेयर करुंगा

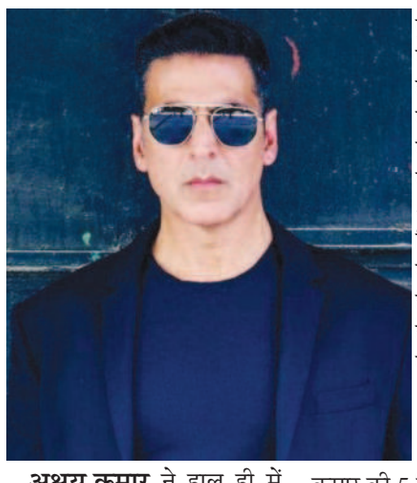

अक्षय कुमार ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया की वो कुछ नया करने जा रहे हैं। इस वीडियो से ऐसा लग रहा की वो अपने फैंस को बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। वीडियो में अक्षय कुर्सी पर बैठे हुए हैं और कैमरे के सामने कहते हैं कि 'कुछ नया करने जा रहा हूं, काफी मेहनत की है, बहुत समय से कर रहा हूं,आप लोगों से शेयर करता हूं, बताता हूं, कमाल की चीज है देखिए'। अक्षय ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- कुछ नया करने में जो मजा है, उसकी बात ही कुछ और है, इसके बारे में जल्द ही बताऊंगा। उनके इस वीडियो पर फैंस ने अपनी जमकर रिएक्शन दिया है। एक यूजर ने सवाल पूछते हुए लिखा, 'सर आप हेरा फेरी की घोषणा कब करेंगे'।

लगातार फ्लॉप हुई फिल्में

इस साल खिलाड़ी कुमार की 5 फिल्में रिलीज हुई हैं। इसमें से चार फिल्मों ने सिनेमाघरों में दस्तक दी और एक फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम हुई। जिसमें ओटीटी पर रिलीज हुई कटपुतली के अलावा बाकी चारों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप साबित हुईं। लेकिन, यह सब होने के बावजूद अक्षय कुमार ने हार नहीं मानी। वह लगातार नई फिल्में साइन कर रहे हैं। अक्षय जल्द ही ओएमजी 2, सेल्फी, बड़े मियां छोटे मियां, गोरखा, राउडी राठौर 2 जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

पैन इंडिया स्टार बनेंगे रणवीर सिंह? 'अन्नियां' नहीं अब एस. शंकर की इस फिल्म में आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इंडस्ट्री के टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं और अब तक के अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुके हैं। अभिनेता अक्सर ही अपने स्टाइल को लेकर भी सुर्खियों बटोरते हैं। वहीं, अब खबर सामने आई है कि रणवीर सिंह जल्द ही एक पैन इंडिया फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने मशहूर निर्देशक एस.शंकर के साथ पैन इंडिया फिल्म के लिए हाथ मिलाया है।

रणवीर सिंह और एस शंकर ने पहले खबर साझा की थी कि वे तमिल भाषा की हिट फिल्म 'अन्नियां' के रीमेक में साथ काम करने जा रहे हैं, जो 2005 में रिलीज हुई थी। हालांकि, इस पर कभी काम नहीं हो सका। वहीं, अब समाने आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रणवीर सिंह और एस शंकर सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। यह फिल्म तमिल महाकाव्य उपन्यास 'वेलपरी' पर आधारित होगी, जो तमिल साहित्य का एक महत्वपूर्ण अंश है। इस नॉवेल को व्यापक रूप से सु वेंकटेशन की सर्वश्रेष्ठ कृतियों में से एक माना जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार इस पैन इंडिया फिल्म में दर्शकों को सब कुछ देखने को मिलेगा। इसमें दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी और शानदार एक्शन सीन्स की भरमार होगी। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने फिल्म को तीन भाग में बनाने का फैसला किया है। वहीं, पहले पार्ट को 2023 के मध्य में फ्लोर पर लाने की तैयारी की जा रही है। यह फिल्म रणवीर सिंह और एस शंकर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म होगी। हालांकि मेकर्स की ओर से इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट होना अभी बाकी है।

रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल उनकी फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में नाकाम साबित हुई और देर हो गई। वहीं, अब वह रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' और करण जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आने वाले हैं।

द कश्मीर फाइल्स की जबरदस्त सक्सेस के बाद विवेक अग्निहोत्री का एक और धमाका, 'द वैक्सीन वॉर' पर बनाएंगे फिल्म

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने फिल्म द कश्मीर फाइल्स की जबरदस्त सफलता के बाद अब अपनी आने वाली फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है, जो है 'द वैक्सीन वॉर'. इस फिल्म की ग्लोबल रिलीज के लिए 15 अगस्त 2023 की डेट बुक की गई है. विवेक उन दर्शकों के लिए फिल्में बनाने में विश्वास करते हैं जो हमारे देश की जड़ों में हैं और दुनिया के लिए भी यह देखने के लिए कि हमारे देश ने वास्तव में क्या हासिल किया है. यह फिल्म हिंदी, अंग्रेजी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, भोजपुरी, पंजाबी, गुजराती, मराठी और बंगाली सहित 10 से अधिक भाषाओं में रिलीज़ होगी.

बहुत सारे गेसिंग गेम के बाद विवेक रंजन अग्निहोत्री ने आखिरकार अपनी आने वाली फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' के टाइटल की घोषणा कर दी है. जबकि उन्होंने टाइटल के साथ फिल्म का पोस्टर भी जारी किया है, यह उस विषय के बारे में बहुत कुछ कहता है जो फिल्म पर आधारित है जो दर्शाता है कि यह भारतीय बायो साइंटिस्ट और स्वदेशी वैक्सीन के बारे में कुछ चैप्टर्स खोलेगी. पोस्टर पर फिल्म की रिलीज डेट भी दी गई है, जो स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2023 को निर्धारित है. ये फिल्म

इस महीने से फ्लोर्स पर जाने के लिए तैयार है.

इसके बारे में बोलते हुए, विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा, "जब द कश्मीर फाइल्स को कोविड लॉकडाउन के दौरान पोस्टपोन कर दिया गया, तो मैंने इस पर रिसर्च करना शुरू कर दिया. फिर हमने ICMR और NIV के वैज्ञानिकों के साथ रिसर्च करना शुरू किया जिन्होंने हमारी अपनी वैक्सीन को संभव बनाया। मैंने सोचा कि इस कहानी को बताया जाना चाहिए ताकि हर भारतीय अपने देश पर गर्व महसूस कर सके। इसके अलावा, उन्होंने आगे कहा, "यह एक बायो-वार के बारे में भारत की पहली प्योर साइंस फिल्म होगी जिसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं थी."

विवेक अग्निहोत्री की पत्नी और अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने कहा, "यह फिल्म हमारे सर्वश्रेष्ठ जैव वैज्ञानिक की जीत का जश्न मनाती है। वैक्सीन वॉर उनके बलिदान, समर्पण और कड़ी मेहनत को हमारी श्रद्धांजलि है. 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद विवेक रंजन अग्निहोत्री की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए यह निश्चित रूप से एक बड़ी और बहुप्रतीक्षित खबर है. पल्लवी जोशी 'द वैक्सीन वॉर' को प्रोड्यूस करेंगी।

कार्तिक ने फिल्म फ्रेडी के लिए बढ़ाया 14 किलो वजन:सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर ने की तारीफ, कहा- बेहद गजब है डेडिकेशन

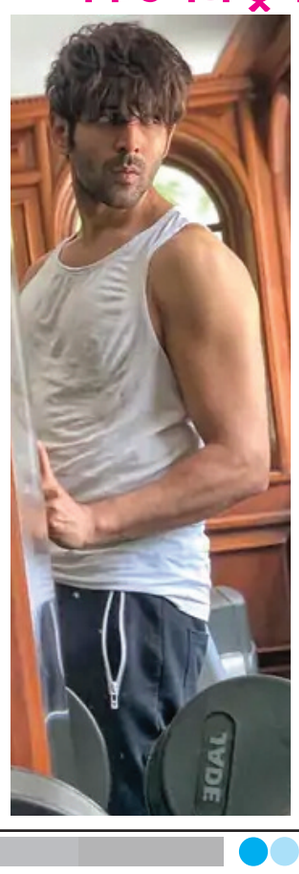

हाल ही में कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म फ्रेडी का टीजर रिलीज हुआ है। कार्तिक के फैंस को फिल्म का टीजर काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में खबरें आ रही हैं कि कार्तिक ने फिल्म के लिए अपना बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया है। कार्तिक की तारीफ उनके सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर ने की है, जिसने बताया की बॉडी ट्रांसफॉर्मेश के लिए कार्तिक ने किस रूटीन को फॉलो किया।

फिटनेस ट्रेनर ने की कार्तिक के डेडिकेशन की तारीफ

हिंदुस्तान टाइम्स की खबर के अनुसार, कार्तिक के फिटनेस ट्रेनर ने खुलासा करते हुए कहा- कार्तिक को फ्रेडी में अपने रोल के लिए लगभग 14 किलो वजन बढ़ाने की जरूरत थी। जब उन्हें इस बात का पता चल तब उन्होंने बेहद स्ट्रिक्टली नियमों और डाइट प्लान को फॉलो करते हुए कुछ दिनों में ही अपना वेट बढ़ा लिया था।'

कार्तिक ने वजन बढ़ाने के बारे बात करते हुए कहा- मेरे लिए फ्रेडी का किरदार काफी दिलचस्प और आश्चर्यजनक स्क्रिप्ट में से एक है। जब मैंने देखा कि इस कैरेक्टर के लिए मुझे वजन बढ़ाने की जरूरत होगी, तो मैंने अन्य तैयारियों के साथ इसकी तैयारी भी शुरू कर दी। क्योंकि मैं इस किरदार को निभाने के लिए बेहद एक्साइटेड था।

डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि फ्रेडी में अलाया एफ कैनाज नाम का किरदार निभा रही हैं। जो कि एक विवाहित महिला है, जिसका हसबैंड एब्यूसिव है। कैनाज को फ्रेडी से प्यार हो जाता है। फ्रेडी कैनाज से शादी करने के लिए क्राइम का रास्ता अपना लेता है, जिसके बाद उसकी पूरी लाइफ बदल जाती है। कार्तिक और अलाया की यह फिल्म 2 दिसंबर को ओटीटी प्लैटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

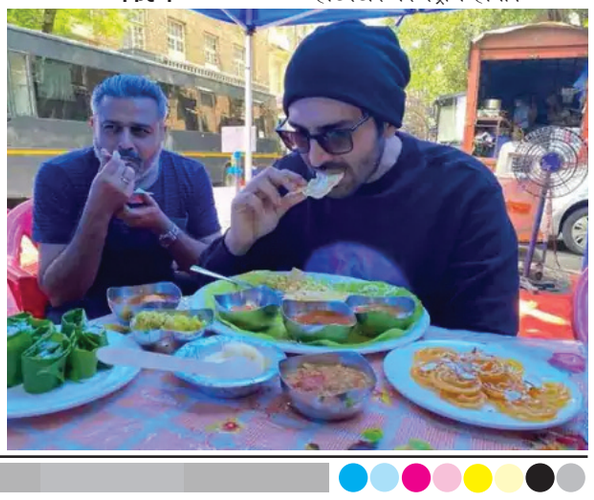

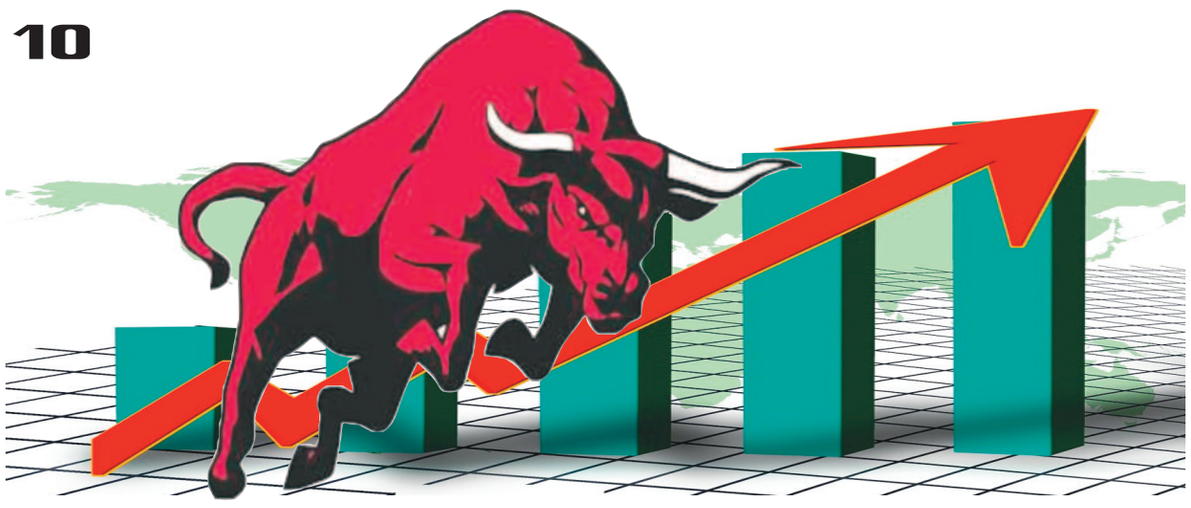

एलन मस्क का नया फरमान

कर्मचारियों को पहले ईमेल में वर्क फ्रॉम होम किया खत्म

बिजनेस डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर इंक. के नए मालिक एलन मस्क ने बुधवार देर रात अपने कार्यकर्ताओं को आने वाले कठिन वक्त के लिए तैयार करने के लिए पहली बार ईमेल किया। ब्लूमबर्ग न्यूज द्वारा समीक्षा किए गए ईमेल के अनुसार, मस्क ने कहा कि आर्थिक दृष्टिकोण के बारे में सच्चाई छुपाने का तरीका नहीं है और बताया कि यह ट्विटर जैसी विज्ञापन-निर्भर कंपनी को कैसे प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि अब रिमोट वर्क (दूर से कार्य) की अनुमति नहीं दी जाएगी और कर्मचारियों से प्रति सप्ताह कम से कम 40 घंटे कार्यालय में रहने की उम्मीद की जाएगी। करीब दो सप्ताह से ट्विटर मस्क के नेतृत्व में है और इस दौरान उसने लगभग आधे कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इससे पहले वह पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित बड़े अधिकारियों को भी बर्खास्त कर

चुके हैं। ट्विटर के नए बॉस ने ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत 8 डॉलर तक बढ़ा दी है और इसके साथ यूजर वेरिफिकेशन भी अटैच किया है। मस्क ने ईमेल में कर्मचारियों से कहा कि वह ट्विटर के राजस्व का आधे हिस्सा सदस्यता खाते के रूप में देखना चाहते हैं। ट्विटर को खरीदने के बाद से ही एलन मस्क अपने बयानों और फैसलों को लेकर चर्चा में हैं। सबसे पहले उन्होंने एलान किया कि ट्विटर पर ब्लू टिक के लिए आठ डॉलर देने होंगे। इसके बाद उन्होंने बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू करते हुए कई कर्मचारियों को निकाल दिया है। सवाल उठ रहा है कि आठ डॉलर में कोई भी किसी के भी नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर उसे वेरिफाई करवा सकता है। इस पर मस्क ने कहा, ऐसे फर्जी अकाउंट्स ट्विटर बंद कर देगा, पैसा भी नहीं लौटाएगा। अगर लाखों लोग ऐसा फर्जीवाड़ा करते हैं तो वे हमें मुफ्त की कमाई करवाएंगे। यूनाइटेड एयरलाइंस ने ट्विटर पर अपने विज्ञापन रोक दिए हैं। इससे पहले जनरल मोटर्स, ऑडी, आरईआई, जनरल मिल्स आदि ने भी ऐसा ही किया। ये सभी ट्विटर से अपना नाम नहीं जोड़ना चाहतीं, क्योंकि आशंका है कि मस्क की नई योजनाओं से इस प्लेटफॉर्म पर भड़काने वाली सामग्री पोस्ट होंगे, यह नफरत फैलाने का माध्यम बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिकी वाणिज्य सचिव के साथ बैठक, कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो के साथ भारत-अमेरिका सीईओ फोरम की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो के साथ भारत-अमेरिका सीईओ फोरम की सह-अध्यक्षता करते हुए खुशी हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि फोरम ने भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने आगे कहा कि फोरम में दोनों देशों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और चर्चा देखी गई, क्योंकि भारत और अमेरिका अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं के विभिन्न क्षेत्रों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर विचार कर रहे हैं।

अमेज़न का संकट: 81 लाख करोड़ कम हुई वैल्यू

बेजोस ने भी चुकाई कीमत

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महंगाई और मंदी की आहट से अमेरिका ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न के मार्केट वैल्यू पर तगड़ा असर पड़ा है। करीब एक साल में अमेज़न का मार्केट कैपिटल 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 81 लाख करोड़ रुपये कम हो गया है। यह दुनिया की पहली लिस्टेड कंपनी है, जिसके मार्केट वैल्यू में इतनी बड़ी गिरावट आई है। ब

लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक अमेज़न का मार्केट कैपिटल जुलाई 2021 के 1.88 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर से लगभग 879 बिलियन डॉलर पर आ गया है। अमेज़न जैसे हालात दूसरी टेक और ई-कॉमर्स कंपनियों की भी हुई है।

राजस्व की दृष्टि से शीर्ष पांच अमेरिकी टेक कंपनियों ने इस वर्ष बाजार मूल्य में लगभग $4 ट्रिलियन की निकासी देखी है। धीमी बिक्री, बढ़ती लागत और ब्याज दरों में उछाल के बीच इसके शेयरों में लगभग 50% की गिरावट आई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	में	कन्या..	02-31 बजे
चंद्र-	वृष	में	तुला-	04-37 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृश्चिक	06-47 बजे
बुध-	तुला	में	धनु---	09-00 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	11-06 बजे
शुक्र-	तुला	में	कुंभ-	12-57 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	14-35 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	16-11 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	17-56 बजे
			मिथुन.	19-57 बजे
			कर्क...	22-08 बजे
			सिंह...	00-21 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया **- 20-17** तक उपरान्त, चतुर्थी
मास **-** मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष **,** शुक्रवार **Nov 11**
नक्षत्र **-** मृगशिरा **- 07 - 32 -** दिनरात तक
योग **-** शिव **- 21 - 28 -** तक उप- सिद्ध
करण- वणिज **-07 - 21 -** तक,उप- विष्टि
विशेष:- व्रत -त्योहार **-** वृश्चिक मे शुक्र ~२०~०९ से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
10:35 से
11:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:22 - 07:45	शुभ	रोग.	17:40 - 19:15	अशुभ
लाभ	07:45 - 09:10	शुभ	काल.	19:15 - 20:50	अशुभ
अमृत	09:10 - 10:35	शुभ	लाभ.	20:50 - 22:25	शुभ
काल	10:35 - 11:59	अशुभ	उत्पात	22:25 - 00:00	अशुभ
शुभ	11:59 - 13:25	शुभ	शुभ	00:00 - 01:35	शुभ
रोग	13:25 - 14:50	अशुभ	अमृत	01:35 - 03:10	शुभ
उत्पात	14:50 - 16:15	अशुभ	चंचल	03:10 - 04:45	शुभ
चंचल	16:15 - 17:37	शुभ	रोग	04:45 - 06:22	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

ग्रह स्थितियां अनुकूल हो रहीं हैं। अचानक आय के अवसर बन रहे हैं। सहयोग के प्रस्तावं मिलेंगे। नवीन ऊर्जा का संचार होगा। किसी के सहयोग से काम बनते ही चले जायेंगे। वाहन संबंधी सुविधा बढ़ेगा। घर में सुख-सुविधा की वस्तु क्रय कर सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को करने के लिए साहस की आवश्यकता होगी।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

काम-काज बहुत अधिक रहेगा, जिससे कि व्यस्तता बढ़ जायेगी। अकेले तो आप इतना सब नहीं संभालेंगे, परन्तु समूह में कार्य करने में सफलता मिल जायेगी। एक तरफ बहुत अधिक व्यय हो रहा होगा तो दूसरी तरफ प्रत्यक्ष आय बढ़ेगी। जीवन साथी को थोड़ा बहुत कोई मानसिक कष्ट हो सकता है।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को ह

जब आप कई नये लोगों से मिलेंगे और एक महत्वपूर्ण व्यक्ति से कार्य या व्यवसाय संबंधित वार्ता होगी। अगर नौकरी करते हैं, तो भी आपकी पूछ बढ़ेगी। बहुत चाहने पर भी एकांत नहीं मिलेगा। आपके काम-काज पर लोगों की नजर है और आपको अपने काम-काज में कोई भी गलती नहीं छोड़नी चाहिए।

कर्क डी डू डे डो डा डी डू डे डो

आज प्रातः से ही मन में बहुत उत्साह रहेगा और चारों तरफ परेशानियों के बाद भी अपना काम-काज पूरी ऊर्जा के साथ करेंगे।घरेलू आवश्यकताओं की वस्तुओं पर खर्चा होगा। संतान के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है क्योंकि उनकी आवश्यकता की वस्तुओं की खरीद हो सकती है।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आज प्रातः से ही दिनभर की काम-काज की योजना में जुट जायेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने में कोई बड़ी अड़चन चल रही है, साधारण बातचीत से ही सुलझ जायेगी और दोपहर बाद से काम-काज की गति तेज हो जायेगी। घरेलू कलह को जितना टाल सकते हैं, टाल दें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

ग्रह स्थितियां अनुकूल हो रहीं हैं। अचानक आय के अवसर बन रहे हैं। सहयोग के प्रस्ताव मिलेंगे। नवीन ऊर्जा का संचार होगा। किसी के सहयोग से काम बनते ही चले जायेंगे। वाहन संबंधी सुविधा बढ़ेगा। घर में सुख-सुविधा की वस्तु क्रय कर सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को करने के लिए साहस की आवश्यकता होगी।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आज आर्थिक लाभ का दिन है और सोचे हुए काम समय पर बन जायेंगे। आज भाग्य भी आपका साथ देगा और अनुपात से अधिक सफलता मिलेगी। कई लोग आपको सहयोग करेंगे। संतान की तरफ से सामान्य-सी चिंता रहेगी। संतान को सफलता के लिए अधिक मेहनत करनी होगी।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अत्यधिक मानसिक दबाव रहेगा और घटनाक्रम को नियंत्रित करना बहुत मुश्किल हो जायेगा। हौसले की कमी नहीं है, परन्तु कार्यभार बहुत ही अधिक होगा। संतान के लिए शुभ समय है और आपका उनसे निकट संपर्क रहेगा। पिता और भाई-बहिनों के लिए समय अच्छा है।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

समय बहुत शानदार चल रहा है और भारी मानसिक परेशानियों के बीच भी उत्साह बढ़ाने वाली कोई बात आ सकती है। आपको कोई महत्वपूर्ण बड़ा फैसला लेना है, जिसे आज ले ही डालिये। आज भाग्य आपका साथ देगा और सोचे हुए काम ढंग से ही हो जायेंगे। संतान आज्ञाकारी रहेगी।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आपकी राशि के लिए ग्रह स्थिति अच्छी है, यद्यपि आपका जीवन-संघर्ष बढ़ रहा है। आप दूसरे शहर की यात्रा को टाल दीजिये क्योंकि खर्च के सिवा और कुछ हाथ नहीं लगेगा। व्यावसायिक मामलों में आप टेण्डर या प्रतियोगिता में विजयी रहेंगे। आज आशा से अधिक आय होगी।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज का दिन प्रेम-संबंधों के विकास के लिए बहुत शानदार है। व्यवसाय में समस्यायें बनी रहेंगी और अच्छी कार्य-क्षमता के बाद कोई न कोई अड़चन बनी रहेगी। आज अकारण ही अचानक लोगों पर क्रोध आयेगा। दिन भाग्यशाली होने के बाद भी काम में एक अड़चन-सी बनी हुई है।

मीन दी दू थ झ ञ के दो चा ची

आज मन में थकान-सी महसूस करेंगे। कई दिनों से कार्य-प्रणाली अस्त-व्यस्त होगी और लोग मनचाहे ढंग से काम करके नहीं दे रहे। जीवनसाथी के लिए या आपके किसी अत्यंत प्रिय व्यक्ति के लिए यह असाधारण समय है, जिसमें उनकी उन्नति या आय-वृद्धि सामने आयेगी। आज ऋणों के पुनर्भुगतान में रूचि लेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

चीनी सीमा तक पटरियां बिछाएगा रेलवे

नई रेल लाइन से भूटान को भी जोड़ने की योजना

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना को चीन सीमा तक आसानी से पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे अपनी विस्तार योजनाओं को नई गति दे रही है। इस क्रम में भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने की कवायद के क्रम में भारतीय रेलवे ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमा तक सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के अलावा पड़ोसी भूटान तक रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि इन विस्तार योजनाओं के तहत अरुणाचल प्रदेश में नई रेलवे परियोजनाओं के लिए रेलवे ने अंतिम स्थान सर्वेक्षण जोरों शोरों से शुरू कर दिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क

अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने इन तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे जोन ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय रेलवे ने चीन सीमा के साथ भालुकपोंग से तवांग और सिलापाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना बनाई है। चीन के साथ सीमा विवाद को देखते हुए इस रेलवे लाइन का सामरिक महत्व भी होगा। यह रेलवे लाइन कम समय में सीमावर्ती क्षेत्रों को जोंडेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि इनके अलावा पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे जोन लंका से असम में चंद्रनाथपुर तक दूसरी रेलवे लाइन बनाने की योजना बना रहा है जो असम के दीमा हसाओ जिले के पहाड़ी खंड में बाईपास होगा। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने यह भी बताया कि हमारी योजना पड़ोसी देश भूटान तक अपनी रेल लाइनों को ले जाना है। उन्होंने कहा कि' हमने रेलवे के माध्यम से भूटान को जोड़ने की योजना बनाई है और नई रेलवे लाइन कोकराझार (असम में) से भूटान के गेलेफू तक होगी।

गिरावट में बंद हुआ शेयर बाजार:सेंसेक्स 420 अंक गिरकर 60,613 पर बंद

निफ्टी 128 अंक टूटा; टाटा मोटर्स-एक्सिस बैंक टॉप लूजर्स

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (10 नवंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 420 अंकों की गिरावट के साथ 60,613 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 128 अंक गिरकर 18,028 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं सिर्फ 6 शेयरों में तेजी रही।टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एम एंड एम, बजाज फिनसर्व, टाइटन, बजाज फाइनेंस, ग्रासिम समेत 39 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे। वहीं हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक, ओएनजीसी, भारती एयरटेल, यूपीएल समेत 11 शेयर्स निफ्टी-50 के गेनर्स रहे।

ऑटो और पीएसयू बैंक सेक्टर में 1% से ज्यादा की गिरावट

वहीं एनएसई के सभी 11 सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। ऑटो और पीएसयू बैंक में 1% से ज्यादा की गिरावट रही। इनके अलावा मेटल, मीडिया, फाइनेंशियल सर्विसेज, रियल्टी, बैंक, एफएमसीजी, आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली। बुधवार को भी बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 151 अंकों की गिरावट के साथ 61,033 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 45 अंक गिरकर 18,157 के स्तर पर आ गया था।

एक्सिस बैंक के शेयर बेच निकल रहे निवेशक

सरकार के इस फैसले का है असर!

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक के शेयर में बिकवाली का माहौल है। गुरुवार को बैंक का शेयर भाव 3 फीसदी से ज्यादा लुढ़क कर 850 रुपये के नीचे कारोबार कर रहा था। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह सरकार की ओर से हिस्सेदारी बेचने का फैसला है। क्या है फैसला: सरकार निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक से बाहर निकलने जा रही हैं सरकार की बैंक में अपनी 1.55 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 4.65 करोड़ शेयर बेचने की योजना है। केंद्र सरकार के तहत स्पेसिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ द यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया की एक्सिस बैंक में 1.55 प्रतिशत

हिस्सेदारी बेचने की योजना है। इस बिक्री के साथ की सरकार निजी क्षेत्र के ऋणदाता से अपनी पूरी हिस्सेदारी निकाल लेगी। बता दें कि स्पेसिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ द यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया के पास सितंबर, 2022 तक एक्सिस बैंक में 1.55 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले 4,65,34,903 शेयर थे। सरकार को मौजूदा बाजार भाव पर शेयर बिक्री से करीब 4,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

पेट्रोल-डीजल के दाम गुजरात चुनाव से पहले घट सकते हैं

यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस भारत को एक चौथाई कीमत में दे रहा क्रूड...

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन के बीच 9 महीनों से जंग जारी है...मगर इस जंग का एक फायदा ये है कि भारत सरकार को रूस से सस्ता पेट्रोलियम क्रूड ऑयल मिल रहा है। लेकिन क्रूड ऑयल सस्ते में मिलने के बावजूद आम आदमी के लिए पेट्रोल-डीजल सस्ता नहीं हुआ है। रूस सस्ते में अपना क्रूड ऑयल बेच रहा है, और हमारी सरकार जमकर खरीद रही है। हमने 2021-22 में पूरे साल में रूस से जितना क्रूड खरीदा था, 2022-23 के सिर्फ 6 महीनों में उससे 386% ज्यादा क्रूड रूस से खरीदा है। अक्टूबर माह में तो इराक के बजाय रूस हमारा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बन गया। सिर्फ यही नहीं, खरीद भी बड़ी तेजी से चल रही है। आमतौर पर कारोबारी साल के शुरुआती 6 महीनों में सरकार देश की जरूरत के क्रूड ऑयल का 47-48% ही आयात करती है। अमूमन आयात बाद के 6 महीनों में ज्यादा तेज होता है। मगर इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच में सरकार 54% से ज्यादा क्रूड का आयात कर चुकी है। मगर सस्ते क्रूड ऑयल से भरते देश के तेल भंडारों का फायदा आम आदमी की जेब तक अभी नहीं पहुंच रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध फरवरी से शुरू हुआ था। मगर फरवरी से अक्टूबर के बीच सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम में सिर्फ एक बार कटौती की है। 22 मई को एक्साइज ड्यूटी घटाकर केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत दी थी। हालांकि अब ये उम्मीद जरूर है कि तेल कंपनियों का बढ़ता प्रॉफिट मार्जिन देख पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपए प्रति लीटर तक की राहत दी जा सकती है। जानिए, कैसे भारत के क्रूड ऑयल आयात पर रूस-यूक्रेन युद्ध का असर पड़ा है और आम आदमी को राहत मिलने की उम्मीद क्यों जगी है। भारत हर साल औसतन 21 करोड़ मीट्रिक टन से 23 करोड़ मीट्रिक टन के बीच क्रूड ऑयल का आयात करता है। सरकार की नीति है कि किसी

एक सप्लायर से आयात के बजाय इसे कई देशों में बांटा जाए, ताकि कीमतों में फायदा मिल सके। मगर 2017-18 से 2019-20 के बीच भारत के कुल क्रूड आयात में रूस की हिस्सेदारी कभी भी 2% तक भी नहीं पहुंची थी। 2020-21 में यह हिस्सेदारी 2.01% तक पहली बार पहुंची और 2022-23 में तो यह हिस्सेदारी 6 महीने में 14.7% तक पहुंच चुकी है। यानी एक साल में ही 12.69% की बढ़ोतरी। 2021-22 के पूरे साल में हमने रूस से 18 हजार करोड़ रुपए का क्रूड ऑयल खरीदा था। इस दौरान हमने अपने सबसे बड़े सप्लायर इराक से 2.26 लाख करोड़ रुपए का क्रूड खरीदा था।

अडाणी की एक और बड़ी डील

1,050 करोड़ रुपए में आईओटीएल के 49.38% स्टेक्स खरीदे ,लिक्विड स्टोरेज के मामले में अब नंबर-1

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर आदमी गौतम अडाणी ने इंडियन ऑयलटैंकिंग लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी है। अडाणी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने बुधवार (9 नवंबर) को आईओटीएल में 1,050 करोड़ रुपए में 49.38% स्टेक्स खरीदे हैं। इसमें आईओटी उत्कल एनर्जी सर्विसेस लिमिटेड में अतिरिक्त 10% इक्विटी स्टेक का अधिग्रहण भी शामिल है। उत्कल एनर्जी सर्विसेस आईओटीएल की 71.57% की सब्सिडरी कंपनी है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। अडाणी पोर्ट्स के सीईओ और होल टाइम डायरेक्टर करण अडाणी ने कहा कि इस अधिग्रहण के साथ अपसेज़ की ऑयल स्टोरेज कैपेसिटी 200% बढ़कर 3.6एमएन केएल हो गई है। इसके साथ ही यह भारत की सबसे बड़ी थर्ड-पार्टी लिक्विड स्टोरेज कंपनी बन गई है। 1996 में स्थापित आईओटीएल इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और

ऑयलटैंकिंग इंडिया का एक ज्वाइंट वेंचर है। पिछले 26 सालों में आईओटीएल ने पांच राज्यों में छह टर्मिनलों का एक नेटवर्क बनाया है। जिसकी टोटल कैपेसिटी 2.4 एमएन केएल क्रूड और फिनिश्ड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के स्टोरेज के लिए हैं।आईओटीएल की फैसिलिटीज में महाराष्ट्र में नवघर टर्मिनल, छत्तीसगढ़ में रायपुर टर्मिनल और गोवा टर्मिनल शामिल हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के साथ बूट टर्मिनल पारादीप (ओडिशा) में है और आईओसीएल के साथ ओ एंड एम कॉन्ट्रैक्ट्स जेएनपीटी (महाराष्ट्र) और डुमाड (गुजरात) में हैं। कंपनी का नमक्कल (तमिलनाडु) में 15 टीपीडी कैपेसिटी का बायोगैस प्लांट भी है। देश में ऑयल प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए आईओटीएल ग्रोथ की होड़ में है। कंपनी ने हाल ही में पारादीप पोर्ट पर 0.6 एमएन केएल क्रूड स्टोरेज टैंकों के कंस्ट्रक्शन, ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के साथ 25-साल के लिए बूट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इसके अलावा कंपनी मौजूदा फैसिलिटीज और नए स्थानों दोनों पर अलग-अलग कई सारे प्रोजेक्ट्स पर भी बातचीत और बोली लगा रही है। आईओटीएल की ज्यादातर टैंक कैपेसिटी रेप्यूटेड पीएसयूएस और ऑयल कंपनियों द्वारा कॉन्ट्रैक्टेड की जाती है। 'टेक-और-पे' कॉन्ट्रैक्ट के तहत आईओटीएल की कैपेसिटी के लगभग 80% के साथ कंपनी के भविष्य के फ्यूचर कैश फ्लो पर अच्छी नजर है।

रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर

बैंकिंग और टेलीकॉम में भी बीते दो महीनों से लगातार बढ़ रहीं भर्तियां,ऑटोमेशन सेक्टर में 34% नौकरियां बढ़ी

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कोविड के बाद से कंपनियां लगातार टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन का इस्तेमाल बढ़ा रही हैं। इसके चलते इस सेक्टर में नौकरियां बढ़ी है। इसके अलावा 5जी टेक्नोलॉजी के विस्तार की वजह से टेलीकॉम सेक्टर में भी भर्तियां तेज हुई हैं। बैंकिंग सेक्टर पहले से हायरिंग मोड में है। हायरिंग कंसल्टेंट मॉन्स्टर इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में ऑफिस इक्विपमेंट और ऑटोमेशन के क्षेत्र में सबसे ज्यादा 34% नौकरियां बढ़ी हैं। वहीं बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेस और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) में 12% और टेलीकॉम 34% में 9% नौकरियां बढ़ी है। सितंबर में भी इन सेक्टर में क्रमशः 20% और 13% नौकरियां बढ़ी थी।मंगलवार को आई रिपोर्ट के मुताबिक, बीते माह टियर-2 शहरों में सिर्फ कोयम्बटूर और अहमदाबाद में हायरिंग ट्रेंड पॉजिटिव रहा। बड़े शहरों में सिर्फ मुंबई ऐसा शहर रहा, जहां पर कर्मचारियों की भर्ती बढ़ी। कोलकाता, चंडीगढ़, जयपुर और पुणे जैसे शहरों में नियुक्तियों की रफ्तार घटी है।

75 रुपये पहुंचा प्रीमियम, 480 रुपये के ऊपर हो सकती है आर्चियन के शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। स्पेशियलिटी मरीन केमिकल बनाने वाली कंपनी आर्चियन केमिकल इंडस्ट्रीज का आईपीओ पहले दिन 30% सब्सक्राइब हुआ है। केमिकल कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 386-407 रुपये है। आर्चियन केमिकल का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 11 नवंबर 2022 तक ओपन रहेगा। कंपनी के आईपीओ को ग्रे मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 75 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। बाजार पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि आर्चियन केमिकल के शेयर ग्रे मार्केट में 75 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयर 21 नवंबर 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो सकते हैं। आर्चियन केमिकल के शेयर अगर 407 रुपये के अपर प्राइस बैंड पर अलॉट होते हैं और 75 रुपये का ग्रे मार्केट प्रीमियम बना रहता है तो कंपनी के शेयर 482 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं।आर्चियन केमिकल इंडस्ट्रीज के आईपीओ में 805 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर, इनवेस्टर्स की तरफ से 1.61 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल है।

बाइडेन के सामने 4 चुनौतियां

1 महंगाई पिछले 40 सालों में सबसे ज्यादा

खाद्य सामग्री, ईंधन के दाम आसमान पर

2 कोरोना के कारण अर्थव्यवस्था डांवाडोल

1.5% औसत से वृद्धि दर में कमी

3 मास शूटिंग के मामले थम नहीं रहे हैं

सभी राज्य गन कंट्रोल मानने को तैयार नहीं

4 अबॉर्शन कानून खत्म तो वोट बैंक खिसकेगा

लैटिनो- अश्वेतों वोटरों में नाराजगी बढ़ेगी

अमेरिका मिड टर्म इलेक्शन:ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी आगे

बाइडेन हारे तो बड़े फैसले नहीं ले पाएंगे

ट्रम्प 14 नवंबर को 2024 के चुनाव लड़ने का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं

सिओक्स सिटी में एक रैली में ट्रम्प ने साफ कर दिया कि वो 2024 में होने वाले यूएस प्रेसिडेंट इलेक्शन में उतरने का मन बना रहे हैं। उन्होंने कहा- देश को सुरक्षित बनाने के लिए, मैं दोबारा चुनाव में खड़ा हो सकता हूं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि आप सब तैयार हो जाएं। इसके पहले भी एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था- मेरे चुनाव लड़ने से बहुत लोगों को खुशी होगी। सब चाहते हैं कि मैं इलेक्शन में खड़ा हो जाऊं। मेरी पॉपुलैरिटी ज्यादा है। मैं, प्रेसिडेंट कैंडिडेट पर किए जाने वाले हर तरह के पोल और सर्वे में भी आगे हूं।

वॉशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में मिड टर्म इलेक्शन चल रहे हैं। ये चुनाव राष्ट्रपति बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए अग्निपरीक्षा है। इसके रिजल्ट 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित करेंगे। आसान शब्दों में समझें तो लोगों के वोटों के आधार पर राष्ट्रपति की उम्मीदवारी तय की जाती है और फिर राष्ट्रपति चुना जाता है। बहरहाल, ये 2024 की बात है। यहां हम इन मिड टर्म इलेक्शन के बारे में जानकारी दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव में रिपब्लिकन पार्टी ने 207 सीटें जीत ली है। बहुमत के लिए 218 सीटें चाहिए है। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी 189 सीटें ही जीत पाई है। ऐसे में अगर इन मिड टर्म इलेक्शन में बाइडेन और उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी बहुमत खो देते हैं तो वो काफी कमजोर हो जाएंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो बाइडेन फिर नाम के ही राष्ट्रपति रह जाएंगे। हर बड़ा फैसला लेने के लिए उन्हें संसद में विपक्ष यानी डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के भरोसे रहना होगा। क्योंकि जिस भी पार्टी की जीत होती है यानी संसद में जिस पार्टी के मेंबर्स ज्यादा होते हैं उस पार्टी का दबदबा होता है। वही पार्टी कानून बनाने में ज्यादा अहम रोल अदा करती है।

संसद को दोनों सदनों के काम पर एक नजर

भारत की तरह अमेरिका में भी संसद ही कानून बनाती है। हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव तय करता है कि किन कानूनों पर वोटिंग होगी। इसके बाद सीनेट उन कानूनों को अप्रूव या ब्लॉक करता है। इसके साथ ही सीनेट राष्ट्रपति ने जिन लोगों को नियुक्त किया है उन्हें कन्फर्म करता है। यहां तक की जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति के खिलाफ जांच भी सीनेट ही करता है।

अब तक सीनेट में कमजोर रही बाइडेन की पार्टी

पिछले दो साल से हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव में प्रेसिडेंट जो बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी 221 सीटों के साथ बहुमत में रही है। लेकिन, सीनेट में कांटे की टक्कर थी। यहां रिपब्लिकन पार्टी के पास 50 तो डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 48 सीटें रहीं। 2 स्वतंत्र सीटें बाइडेन सरकार का समर्थन में रहीं। इसलिए इस बार हो रहे इलेक्शन बाइडेन के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

रिपब्लिकन जीती तो ट्रम्प पर चल रहे केस खत्म

मिडटर्म इलेक्शन में यदि बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी जीती तो वे अपने क्लाइमेट चेंज, हेल्थ केयर प्रोग्राम को आगे बढ़ा सकेंगे। इसके अलावा वो गर्भपात का अधिकार खत्म होने से बचा सकते हैं। साथ ही गन वायलेंस के खिलाफ सख्त कानून ला सकते हैं। लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी जीती, तो वो बाइडेन के एजेंडों पर रोक लगा देगी। इसके अलावा उनके पास इन्वेस्टिगेटरी कमेटी का कंट्रोल होगा। इससे वो 6 जनवरी 2021 को हुई यूएस कैपिटल हिंसा मामले में चल रही जांच खत्म कर सकेंगे।

बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रम्प की रिपब्लिकन से पीछे

मई 2022 में अमेरिकी चुनाव के लिए प्राइमरी हुई। प्राइमरी के दौरान दोनों प्रमुख पार्टियों के उम्मीदवार जनता के बीच जाते हैं और लोकप्रियता के आधार पर फिर अपनी ही पार्टी में उम्मीदवारी पाते हैं। इसमें ट्रम्प की पार्टी बाइडेन की पार्टी से आगे रही। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइडेन की पार्टी को मिड टर्म चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में बाइडेन की लोकप्रियता में कमी आई है। उन्हें महंगाई, कोरोना मिस-मैनेजमैंट, फ्यूल के बढ़े दामों का जिम्मेदार माना जा रहा है। ऐसे में संसद में ट्रम्प की पार्टी का दबदबा होगा। इसके आधार पर वो 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए साफ तौर पर खड़े हो जाएंगे।

बाइडेन की पार्टी 2024 के लिए नया चेहरा तलाश रही

एक तरफ जहां ट्रम्प दोबारा प्रेसिडेंट इलेक्शन में खड़े होने का मन बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बाइडेन की पार्टी नहीं चाहती की वो दोबारा चुनाव लड़ें। मई, 2022 में बाइडेन की अपनी ही पार्टी में अप्रूवल रेटिंग 9% घटकर सिर्फ 73% रह गई। पार्टी नए चेहरे की तलाश कर रही है। यहां तक की डेमोक्रेटिक कमेटी के सदस्य स्टीव साइमोनिडीज का कहना है कि मिडटर्म के इलेक्शन के बाद ही बाइडेन को 2024 का चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर देना चाहिए। अगले राष्ट्रपति के चुनाव में बाइडेन 82 साल के हो जाएंगे। बाइडेन विरोधियों का कहना है कि इस उम्र में उनके लिए ट्रम्प जैसे नेता के मुकाबले भाग-दौड़ करना मुश्किल होगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे पुतिन

रूसी दूतावास ने दी जानकारी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले हफ्ते इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में नहीं जाएंगे।

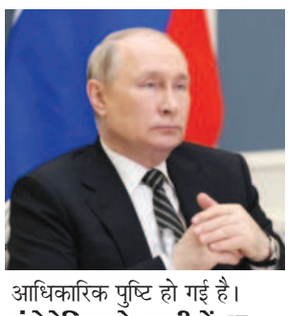

जकार्ता, 10 नवंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले हफ्ते इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। पुतिन की जगह अब विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जी- 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने इंडोनेशिया जाएंगे। समाचार एजेंसी एएफपी ने रूसी दूतावास के हवाले से इसकी जानकारी दी है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही पुतिन वल्दाई डिसक्सन ग्रुप को संबोधित करते हुए कहा था कि 15 घंटों की हवाई यात्रा कर वे बाली जाएं या नहीं, इस बारे में अभी उन्होंने मन नहीं बनाया है। लेकिन अगर मैं नहीं गया, तब भी रूस का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा। हालांकि अब उनके नहीं जाने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है।

इंडोनेशिया के बाली में 15 और 16 नवंबर को होगा जी-20 शिखर सम्मेलन

जी-20 का शिखर सम्मेलन पर्यटन स्थल बाली में 15 और 16 नवंबर को होगा। वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इंडोनेशिया सरकार ने 18 हजार सुरक्षाकर्मियों को वहां तैनात किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग यहां आने की पुष्टि कर चुके हैं।

क्या बाइडन के बयान के बाद पुतिन ने रोकी अपनी यात्रा?

बता दें कि बाइडन ने पहले ही साफ कर दिया था कि अगर पुतिन अगर बाली आए, तब भी वे उनसे अलग से मुलाकात नहीं करेंगे। जबकि अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बावजूद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने संकेत दिया है कि बाली में उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता हो सकती है।

जी-20 समूह में ये देश शामिल

जी-20 देशों के समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

चीन में आर्थिक मंदी से घटी अमीरों की संपत्ति

मिल रहे अर्थव्यवस्था के लिए अशुभ संकेत

हुरुन की रिपोर्ट पर उसके अध्यक्ष और मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगवेरफ का कहना है कि अमीरों की कुल संख्या और कुल संपत्ति दोनों में 24 वर्षों में हुरुन चीन रिच लिस्ट में यह सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

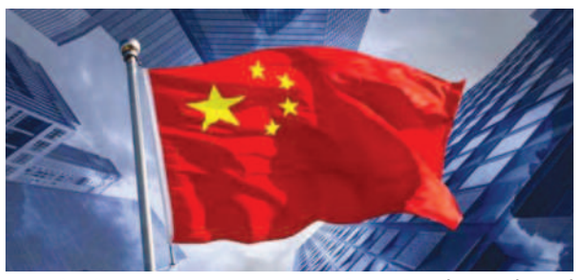

बीजिंग, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पहले कोरोना वायरस और अब रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ा है, जिससे चीन भी अछूता नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आर्थिक मंदी के कारण चीन के अमीर व्यक्तियों की संपत्ति में गिरावट आई है। पिछले साल की तुलना में समृद्ध चीनी व्यक्तियों की संख्या में 11 फीसदी की कमी आई है और उनकी कुल संपत्ति 18 फीसदी तक घटी है। जारी हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट की नई रिपोर्ट में बताया गया है कि संपन्न चीनी व्यक्तियों की संख्या पिछले साल की तुलना में 11 फीसदी तक कम है। उनकी कुल संपत्ति भी साल-दर-साल 18 फीसदी घटकर 24.5 खरब युआन हो गई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पांच अरब युआन की न्यूनतम व्यक्तिगत संपत्ति वाले कुल 1,305 व्यक्तियों का नाम हुरुन चाइना रिच लिस्ट 2022 में जोड़ा गया है।

टिकटॉक के संस्थापक की संपत्ति में गिरावट

हुरुन चाइना रिच लिस्ट 2022 में बोतलबंद पानी कंपनी नोंगफू स्प्रिंग के संस्थापक झोंग शानशान दूसरी बार फिर से सूची में सबसे ऊपर हैं, इसके बाद बाइटडांस (टिकटॉक) के संस्थापक झांग यिमिंग और सीएटीएल के संस्थापक जेंग युकुन हैं। हालाँकि झांग यिमिंग ने भले ही सूची में दूसरा स्थान हासिल किया हो, लेकिन उनकी संपत्ति 28 प्रतिशत गिरकर 35 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

293 लोग अमीरों की सूची से बाहर हो गए

चीन में लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी के मालिक जेंग युकुन की संपत्ति में भी करीब 28 फीसदी की गिरवाट दर्ज की गई है। अब उनकी संपत्ति 32.9 अरब डॉलर है। रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष केवल 411 उद्यमियों ने अपनी संपत्ति में वृद्धि देखी, जिनमें से 133 नए चेहरे थे। इस साल कम से कम 1,187 उद्यमियों की संपत्ति में कमी आई और 293 अमीरों की सूची से बाहर हो गए।

रूस-यूक्रेन से बढ़ी समस्याएं, लोग मंदी का सामना कर रहे

हुरुन की रिपोर्ट पर उसके अध्यक्ष और मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगवेरफ का कहना है कि अमीरों की कुल संख्या और कुल संपत्ति दोनों में 24 वर्षों में हुरुन चीन रिच लिस्ट में यह सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। उनका कहना है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक आर्थिक मंदी, तकनीकी सामानों को लेकर तेज गिरावट दर्ज कई गई और साथ ही कोरोना वायरस भी एक बड़ी वजह है।

फाइनेंशियल पोस्ट के अनुसार, चीनी अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से दबाव और आर्थिक समस्याओं का सामना कर रही है और यह जल्दी ही ठीक होने वाली नहीं है। कोविड -19 के प्रकोप और लॉकडाउन के बीच चीन में हालात काफी बदतर हो गए हैं, लोग मंदी का सामना कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध से चीन पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वहीं चीन में यूरोपीय कॉर्पोरेट निवेश सुस्त हो रहा है क्योंकि देश के रियल एस्टेट बाजार में गिरावट आ रही है।

किंग चार्ल्स और पत्नी कैमिला पर शख्स ने फेंका अंडा

पुलिस ने हिरासत में लिया

किंग चार्ल्स उत्तरी इंग्लैंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं, इस घटना में उनको और उनकी पत्नी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

लंदन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। किंग चार्ल्स और उनकी पत्नी क्वीन कैमिला की तरफ अंडा फेंकने के मामले में पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किंग चार्ल्स और उनकी पत्नी उत्तरी इंग्लैंड के यॉर्क शहर में एक पारंपरिक समारोह मं शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक शख्स ने उनकी तरफ अंडा फेंका। किंग चार्ल्स उत्तरी इंग्लैंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं, इस घटना में उनको और उनकी पत्नी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। प्रदर्शनकारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आपको बता दें कि महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद किंग चार्ल्स तृतीय ब्रिटेन के नए राजा बने हैं।

महारानी एलिजाबेथ की एक प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे राजा

किंग चार्ल्स और पत्नी कैमिला के साथ अपनी दिवंगत मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए उत्तरी इंग्लैंड में थे। इस दौरान व्यक्ति ने अंडे फेंकें और चिल्लाया कि यह देश गुलामों के खून पर बना है। हालांकि इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ा वे आगे बढ़ गए। वहीं वीडियो में आवाज भी सुना जा सकता है कि भीड़ "गॉड सेव द किंग" के नारे लगा रही है और अंडे फेंकने वाले को लोग "शेम ऑन यू" कह रहे हैं।

यूक्रेन जंग में एक लाख से ज्यादा

रूसी सैनिक मारे गए या जख्मी हुए

अमेरिकी जनरल का दावा

यूक्रेन में जंग लड़ रही रूसी सेना को लेकर शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी का यह दावा चौंकाने वाला है। करीब नौ माह से दोनों देशों के बीच जंग जारी है और दोनों देशों को इसमें भारी नुकसान व तबाही का सामना करना पड़ रहा है।

वॉशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। रूस को यूक्रेन से जंग लड़ने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने दावा किया है कि यूक्रेन जंग में रूस के एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं या जख्मी हुए हैं। यूक्रेन में जंग लड़ रही रूसी सेना को लेकर शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी का यह दावा चौंकाने वाला है। करीब नौ माह से दोनों देशों के बीच जंग जारी है और दोनों देशों को इसमें भारी नुकसान व तबाही का सामना करना पड़ रहा है।

समाचार एजेंसी एएफपी ने अमेरिकी जनरल के दावे को लेकर खबर दी है। नाटो की सदस्यता पर अड़े पूर्व सोवियत संघ के सदस्य देश यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला किया था। उसके बाद से रूस ने यूक्रेन के कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है। वहीं, नाटो की मदद के दम पर यूक्रेन रूसी फौज को कड़ी टक्कर दे रहा है। इसी कारण जंग लंबी खींच गई है। शीर्ष अमेरिकी जनरल मार्क मिले ने बुधवार को न्यूयॉर्क के इकानॉमिक क्लब के कार्यक्रम में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में 1,00,000 से अधिक रूसी सैन्यकर्मी मारे गए हैं या घायल हुए हैं। यूक्रेन की सेना को भी इतना ही नुकसान होने की संभावना है। अमेरिका जंग में यूक्रेन को सैन्य व आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। जंग में हताहतों के जनरल मिले द्वारा पेश आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती है। हालांकि, करीब नौ माह से जारी जंग को लेकर अमेरिकी आंकड़े सबसे ज्यादा सटीक व विश्वसनीय माने गए हैं।

रूस या यूक्रेन की जीत संभव नहीं

जनरल मिले ने यह भी कहा कि बातचीत से ही जंग खत्म हो सकती है। रूस या यूक्रेन यह जंग सैन्य तरीकों से जीत नहीं सकते। मिले ने कहा कि सैन्य साधनों से जीत हासिल नहीं की जा सकती, इसलिए इसे खत्म करने के अन्य तरीके आजमाने की जरूरत है।

खेरसान से हट रही रूसी फौज

जनरल मिले की यह टिप्पणी रूस द्वारा अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन के खेरसान शहर से हटने का आदेश देने के बाद आई है। खेरसान से रूसी सेना का पीछे हटना, मॉस्को के सैन्य अभियान के लिए बड़ा झटका है। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने इस पर प्रतिक्रिया में कहा है कि रूसी सेना के बिना लड़ाई के खेरसान जैसा रणनीतिक शहर छोड़ने की संभावना नहीं थी। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना है कि रूस का पीछे हटना इस बात का सबूत है कि युद्ध के मैदान पर वह समस्याओं का सामना कर रहा है।

बाजवा ने नवाज शरीफ को भिजवाया था जेल

चुनाव में ईवीएम का पाक सेना कर रही विरोध... इमरान खान का बड़ा खुलासा

इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की करतूतों पर बड़ा खुलासा किया है

इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व नवाज शरीफ को सेना प्रमुख बाजवा ने जेल भिजवाया था

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई नेताओं को जेल भिजवाने वाली नैब पर सेना का पूरी तरह से कब्जा है

इस्लामाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की करतूतों पर बड़ा खुलासा किया है। इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व नवाज शरीफ को सेना प्रमुख बाजवा ने जेल भिजवाया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई नेताओं को जेल भिजवाने वाली नैब पर सेना का पूरी तरह से कब्जा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख नैशनल अकांउटबिलिटी ब्यूरो की मदद से भ्रष्ट नेताओं को अपने कंट्रोल में रखते हैं। पीटीआई नेता ने यह भी कहा कि यह गलत धारणा है कि आईएसआई के पूर्व चीफ जनरल फैज उनके आदमी हैं। इमरान खान ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सेना चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध कर रही है जिससे चुनाव में धांधली कराना असंभव हो जाएगा। इंटरव्यू में इमरान खान ने कहा, 'मैं जिंदा बचकर राहत महसूस कर रहा हूं।' इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना के साथ अपने रोमांस और ब्रेकअप की पूरी कहानी बताई। उन्होंने कहा कि नैब उनके नियंत्रण में नहीं था और उस पर पूरी तरह से सेना का कब्जा था। मैं कुछ नहीं कर सकता था। वे बस मुझसे इतना कहते थे कि हम इस पर काम कर रहे हैं। इमरान ने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि नैब पर सेना का कब्जा है जिसके जरिए वे भ्रष्टाचार की फाइलें बनाकर नेताओं को कंट्रोल करते थे।

क्या मॉडल आयशा की वजह से सानिया-शोएब का तलाक हुआ

दोस्त का दावा- दोनों अलग-अलग रह रहे

एक्सक्लूसिव डेस्क, 10 नवंबर। इंडियन टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का तलाक हो गया है। यह दावा शोएब के करीबी दोस्त ने किया है। यह दोस्त उनकी मैनेजमेंट टीम का हिस्सा है। इसके मुताबिक, 'मैं दोनों के तलाक की पुष्टि कर सकता हूं, लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं बोल सकता।'

तलाक की अफवाहों के बीच मॉडल आयशा कमर के साथ रिश्तों को लेकर मलिक का इंटरव्यू वायरल हो रहा है। इसमें मलिक ने खुलासा किया था कि आयशा ने फोटोशूट के दौरान मेरी बहुत मदद की थी। दरअसल, 2021 में मलिक ने आयशा के साथ बोल्ड फोटोशूट करवाई थीं। अब ये सभी तस्वीरें सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही हैं।

हैदराबाद में 12 अप्रैल 2010 को सानिया और शोएब की शादी हुई थी। 15 अप्रैल को रिसेप्शन लाहौर में दिया गया था। दोनों का एक बेटा इजहान है। उसका जन्म 2018 में हुआ था।

दुबई में सानिया तो पाकिस्तान में मलिक

सानिया-मलिक के करीबी दोस्त ने बताया कि उन दोनों का ऑफिशियली तलाक हो गया है। कुछ फॉर्मलिटीज हैं, जो अभी भी बची हुई हैं। दोनों अभी अलग-अलग रह रहे हैं। सानिया इस समय दुबई में हैं, जबकि मलिक पाकिस्तान में हैं। तलाक की खबरों को सानिया की सोशल मीडिया पोस्ट से और ज्यादा हवा मिल रही है। सानिया ने लेटेस्ट पोस्ट में लिखा था- टूटे दिल कहां जाते हैं?

शोएब ने लिखा-हम भले साथ न रहें

30 अक्टूबर को सानिया और शोएब साथ नजर आए थे। मौका था बेटे इजहान के जन्मदिन का। शोएब ने फोटो पोस्ट की, लेकिन उन्होंने जो लिखा, उससे लोगों के मन में सवाल उठने लगे। शोएब ने लिखा, जब तुम्हारा जन्म हुआ तो हमारे लिए जिंदगी के कुछ खास मायने हो गए। हम भले साथ ना रह पाएं, हर रोज मिल ना पाएं, लेकिन बाबा तुम्हारे और तुम्हारी मुस्कुराहट के बारे में हर पल सोचते रहते हैं। बाबा और मम्मी तुम्हें प्यार करते हैं।

पाकिस्तानी मीडिया ने बताई वजह- शोएब ने सानिया को धोखा दिया

अपने रिश्ते को लेकर अभी तक सानिया या शोएब ने खुलकर कुछ नहीं लिखा है। दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट से ही लोग अटकलें लगा रहे हैं। पाकिस्तान का मीडिया कह रहा है कि दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि बेटे की परवरिश मिलकर कर सकें। रिपोर्ट्स में बस इतना कहा जा रहा है कि शोएब ने अपने एक टीवी शो के

दौरान सानिया को धोखा दिया था। हालांकि इस बारे में और ज्यादा कुछ नहीं लिखा जा रहा है। शोएब किसी और के साथ रिश्ते में हैं? रिपोर्ट में इसका भी जिक्र नहीं किया गया है। बस इतना कहा जा रहा है कि दोनों ने तलाक की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

शोएब की पहली पत्नी सानिया नहीं, आयशा सिद्दीकी हैं। 2010 में सानिया-शोएब की शादी से पहले आयशा मीडिया में आई थीं, उन्होंने कहा था कि वे शोएब की पत्नी हैं। बिना तलाक दिए शोएब शादी नहीं कर सकते हैं। हैदराबाद की रहने वाली आयशा ने कहा था कि शोएब मोटा होने की वजह से उन्हें पसंद नहीं करते।

पहले तो शोएब इस शादी से इनकार करते रहे और तलाक नहीं देने के बात कही, लेकिन विवाद ज्यादा बढ़ जाने के बाद उन्होंने आयशा को तलाक दिया। ये तलाक सानिया से शादी होने के बाद दिया गया था।

शादी से पहले सानिया के घर में थे शोएब, तब भी विवाद हुआ था

शोएब शादी से पहले सानिया के घर पर रहे थे। इसे लेकर भी विवाद हुआ। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कहा था कि शादी से पहले दुल्हन के घर रहना इस्लाम के खिलाफ है। तब सानिया के घर के बड़ों ने तय किया कि शोएब शादी से एक दिन पहले होटल में शिफ्ट हो जाएं। ऐसा ही हुआ।

मीडिया के चलते शोएब का निकलना मुश्किल हुआ तो सानिया के चाचा ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। लगा कि घर में झगड़ा हो रहा है। मीडिया ने उन्हें घेरा तो शोएब चुपचाप छोटी कार में नीचे लेटकर होटल पहुंचे। सानिया ने बताया था कि ये कार घर में सब्जी और सामान लाने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

सानिया की एक और पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें उन्होंने लिखा- कभी-कभी वो अपने लिए स्पेस चाहती है।

एक जगह जहां हम चुप होते हैं और दुनिया के लिए बहरे हो जाते हैं। तब हम सुनते हैं अपनी रूह की फुसफुसाहट।

5 महीने डेटिंग के बाद की थी शादी, 10 साल बाद जन्मा बेटा

सानिया-शोएब की पहली मुलाकात साल 2004-2005 में भारत में हुई थी। दोनों की ज्यादा बातचीत नहीं हुई। दोनों 2009-2010 में एक-दूसरे से ऑस्ट्रेलिया के शहर होबार्ट में फिर मिले।

सानिया टेनिस खेलने पहुंची थीं और शोएब अपनी टीम के साथ क्रिकेट खेलने। इस समय पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया टूर पर थी। यहां जान-पहचान दोस्ती में बदली और फिर मुलाकातों का सिलसिला शुरू हो गया था।

करीब 5 महीने एक-दूसरे को जानने के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। शादी की सभी रस्में हैदराबाद में हुईं। इसके बाद लाहौर में रिसेप्शन रखा गया। शादी के 10 साल बाद उनके बेटे इजहान का जन्म हुआ था।

सानिया ने अपनी आत्मकथा 'ऐस अगेंस्ट ऑड्स' में लिखा है कि शोएब उनकी लाइफ में उस समय आए थे, जब वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ में परेशानियों से जूझ रही थीं।

प्रधानमंत्री के बयान पर सीएम भूपेश की गुगली

मुख्यमंत्री बोले- चिटफंड और नान घोटाले की ईडी से कराएं जांच, मैं सहयोग को तैयार

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हुए नागरिक आपूर्ति निगम-नान और चिटफंड घोटाले पर विवाद जारी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिमाचल प्रदेश चुनाव को लेकर दिये एक बयान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बयान की गुगली डाली है। उन्होंने कहा, 2014 से 2018 तक छत्तीसगढ़ और केंद्र में भाजपा की ही सरकार थी। लेकिन उसमें न तो चिटफंड घोटाले की जांच हुई और न ही नान घोटाले की। मैं सहयोग को तैयार हूं आप दोनों मामलों की ईडी-प्रवर्तन निदेशालय से जांच कराइए। दरअसल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस पार्टी अगर हिमाचल प्रदेश की सत्ता में बैठ गई तो वे दिल्ली में मुझे हिमाचल के लिए काम नहीं करने देगी। जवाब में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने चिटफंड और नान का मामला उठा दिया। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री जी! 2014-2018 तक छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार थी, केंद्र में भी भाजपा की सरकार थी लेकिन ना ही चिटफंड घोटाले की जांच हुई, ना नान घोटाले की। मैं तो सहयोग करने को तैयार हूं, आप दोनों जांच ईडी से करवाइए। डॉ. रमन सिंह जी ने आपका साथ नहीं दिया लेकिन मैं दूंगा।' मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके। उन्होंने लिखा, भाजपा के मुख्यमंत्री पता नहीं आपका सहयोग क्यों नहीं करते। हमारा पूरा सहयोग 2024 तक आपको मिलेगा। आप छत्तीसगढ़ में भाजपा काल में हुए घोटालों की जांच शुरू करवाइए। हिमाचल में कांग्रेस सरकार बनते ही आपको जयराम जी और नड्डा जी की सिर फुटव्वल से मुक्ति मिलेगी, हिमाचल को कुशासन से।' मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी कांग्रेस के चुनाव प्रचार के लिए हिमाचल प्रदेश के प्रवास पर हैं। वहीं प्रधानमंत्री भी वहां ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में 12 नवंबर को मतदान होना है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 8 नवंबर को ही प्रवर्तन निदेशालय-ईडी के निदेशक को दो अलग-अलग पत्र लिखा था। पहले पत्र में उन्होंने नान घोटाले की जांच की मांग की थी। उनका कहना था, भाजपा शासन के समय जांच अधिकारी ने आरोपियों के पास से मिली लेन-देन की डायरी में से सीएम सर और सीएम मैडम के नाम से जुड़े मामले को दबा दिया। कई आरोपियों को क्लीनचिट दे दी गई। जबकि इस घोटाले की रकम को कई जगह खपाने के तथ्य हैं। वहीं चिटफंड घोटाले में तत्कालीन मुख्यमंत्री, उनका परिवार और कई मंत्री फर्जी कंपनियों के स्टार प्रचारक बने हुए थे। उसमें मनी लॉन्ड्रिंग भी हुई है। इधर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने नान घोटाले और चिटफंड घोटाले के आरोपों को खारिज करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विपक्ष में थे तब भी यही आरोप लगाते रहे। अब जिम्मेदार पद पर बैठे हैं, तब भी उनको मेरा ही चेहरा दिखता है। वे बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। रमन सिंह ने दावा किया कि चिटफंड मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस उनके बेटे अभिषेक सिंह सहित सभी स्टार प्रचारकों को क्लीनचिट दे चुकी है।

झारखंड कैश कांड में 'लेटर बम'

सरकार गिराने की साजिश का दावा, असम के सीएम का आया नाम

गुवाहाटी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड कैश कांड में एक के बाद एक नए आरोप सामने आ रहे हैं। इस बीच झारखंड के एक कांग्रेस विधायक ने लेटर बम फोड़ा है। बेरमो विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने हावड़ा में पकड़े गए विधायकों पर आरोप लगाया है।

इसके साथ जयमंगल सिंह ने झारखंड में सरकार गिराने की साजिश और इसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा के शामिल होने की बात भी पत्र में लिखी है।

कुमार जयमंगल सिंह ने अपने पत्र में लिखा है कि इन तीनों विधायकों ने उन्हें मिलने के लिए

कोलकाता बुलाया था। जयमंगल के मुताबिक इसके बाद तीनों उन्हें लेकर गुवाहाटी जाना चाहते थे और वहां के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से मिलने की योजना थी। इस पत्र में कांग्रेस विधायक ने लिखा है कि असम के मुख्यमंत्री ने इन लोगों से कुछ खास वादे किए थे। इसके मुताबिक झारखंड की कांग्रेस और झामुमो की सरकार गिराने की साजिश थी। इसके बाद बनने वाली नई सरकार में विधायकों को मंत्री पद और 10 करोड़ रुपए देने के लिए भी कहा गया था।

वहीं असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का भी इस मामले में बयान आया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के लोग भी हमारे संपर्क में रहते हैं। हालांकि हम लोग राजनीति की बातें नहीं करते। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं उस पार्टी में 22 साल तक रहा हूं, इसलिए हमारा संपर्क-संबंध बना हुआ है। कुमार जयमंगल के आरोपों पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि इस पर एफआईआर क्यों दर्ज हुई है।

रमन सिंह ने सीएम भूपेश बघेल को क्यों कहा, कोई काम नहीं है तो इस्तीफा दे दीजिए

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और मौजूदा सीएम भूपेश बघेल के बीच सियासी हमले का एक नया सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रमन सिंह ने सीएम भूपेश बघेल पर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सीएम बघेल जिस सार्वजनिक पद पर बैठे हैं, उनको बिना तथ्यों और सबूतों के आरोप नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने चिटफंड घोटाले को लेकर मेरे बेटे अभिषेक पर बेबुनियाद आरोप लगाए। जांच रिपोर्ट स्पष्ट थी और एजेंसियों को हमारे परिवार की कोई संलिप्तता नहीं मिली।

रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पास करने के लिए और कुछ नहीं है। वह मुख्यमंत्री पद के लिए फिट नहीं हैं इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। दरअसल, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को पिछली रमन सिंह सरकार के कार्यकाल में नागरिक आपूर्ति निगम और चिटफंड में हुए कथित अनियमितता की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से तत्काल जांच की मांग की थी।

बघेल ने ईडी निदेशक को पत्र लिखकर कहा था कि यदि इन मामलों की छानबीन नहीं की गई उन्हें मजबूरी में अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा।

फिर कोरोना से भी खतरनाक वायरस बना रहा चीन

पाकिस्तान के रावलपिंडी की सीक्रेट लैब में बन रहा 'बायो वेपन', 3 साल की डील

एक्सक्लूसिव डेस्क, 10 नवंबर। दुनिया अभी कोरोना वायरस के संकट से उबरी भी नहीं है और एक खबर ने दुनिया की नींद उड़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार चीन और पाकिस्तान मिलकर रावलपिंडी के एक रिसर्च लैब में कोरोना से भी घातक वायरस तैयार कर रहे हैं। कोरोना वायरस 2019 में चीन के वुहान से ही दुनिया भर में फैला था।

चीन और पाकिस्तान पर आरोप है कि दोनों मिलकर एक घातक वायरस को डेवलप कर रहे हैं। वायरस के रूप में इस बायोवेपन पर रिसर्च पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित एक रिसर्च सेंटर में चल रही है।

जियो-पॉलिटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, घातक वायरस को बनाने के लिए चीन की कुख्यात वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और पाकिस्तानी सेना के डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन यानी डीईएसटीओ ने एक बहुत ही एडवांस साइंटिफिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है।

इस लैब की लोकेशन को कड़ाई से छिपाकर रखा गया है। कई ग्लोबल रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन पाकिस्तान में ऐसे वायरस बना रहा है, जिसमें कोरोना की तुलना में कहीं बड़े पैमाने पर फैलने और बीमारी पैदा करने की क्षमता है।

कोरोना वायरस दुनिया में फैलने के कुछ महीनों बाद ही अप्रैल-जुलाई 2020 के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खोजी पत्रकार एंथोनी क्लैन के एक दावे ने दुनिया को हिलाकर रख दिया था। दरअसल, क्लैन ने कहा था कि चीन की वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और पाकिस्तान के डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन यानी डीईएसटीओ ने तीन साल का एक करार किया है। क्लैन ने कहा था कि इस सीक्रेट डील का मकसद बायो वेपंस बनाना है। क्लैन ने दावा किया था यह दुनिया से छिपा हुआ एक गुप्त सौदा है। पाकिस्तान में एक गुप्त लैब है, जो घातक वायरस से संबंधित कई रिसर्च प्रोजेक्ट्स चलाता है। इन लैब में एंथ्रेक्स जैसी बीमारियां फैलाने वाले घातक बैक्टीरिया और वायरस बनाए जाते हैं, जिनका इस्तेमाल बायो वेपन के रूप में किया जाता है।

क्लैन के मुताबिक, चीन ने इस गुप्त रिसर्च के लिए पाकिस्तान को इसलिए चुना है ताकि वह लोगों की नजरों से बचकर खतरनाक प्रयोगों को अंजाम दे सके। साथ ही इसे चीन के बजाय पाकिस्तान में बनाने से कुछ भी गलत होने पर चीन आसानी से इससे पल्ला झाड़ पाएगा।

पाकिस्तान ने 2020 में उसके यहां घातक वायरस की टेस्टिंग के आरोपों से इनकार किया था। पाकिस्तान के फॉरेन ऑफिस यानी एफओ ने तब कहा था, 'रिपोर्ट में पाकिस्तान की जिस बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) लैबोरेटरी का जिक्र है उसके बारे में कुछ भी गुप्त नहीं है।'

पाकिस्तान ने कहा था कि इस लैब का उद्देश्य उभरते हुए स्वास्थ्य खतरों पर रिसर्च , उनकी निगरानी और बीमारियों की जांच के जरिए डायनोगस्टिक एंड प्रोटेक्टिव सिस्टम में सुधार करना है।

क्या है जैविक हथियारों पर रोक लगाने वाला बीटीडब्ल्यूसी?

पाकिस्तान ने अपने लैब में वायरस के रूप में जैव हथियार बनाने की रिपोर्ट खारिज करते हुए बीटीडब्ल्यूसी से जानकारी साझा करने का जिक्र किया है। सवाल ये है कि आखिर बीटीडब्ल्यूसी क्या है?

इसका उद्देश्य जैविक समेत हर तरह के सामूहिक विनाश के हथियारों के डेवलेपमेंट, प्रोडक्शन, रखने और इस्तेमाल पर रोक लगाना है। इनमें 184 देश शामिल हैं।

पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित जिस लैब पर चीन के साथ मिलकर वायरस टेस्टिंग करने का आरोप है, वो बायोसेफ्टी लेवल-4 यानी बीएसएल-4 लैब है। बीएसएल-4 ऐसे लैब होते हैं, जहां सबसे खतरनाक और संक्रामक वायरस का टेस्ट और डेवलेपमेंट किया जाता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाक सेना के संचालन में चल रहा डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन यानी डीईएसटीओ रावलपिंडी के चकलाला कैंटोनमेंट में स्थित है और इसकी कमान एक टू-स्टार जनरल के हाथों में है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि बीएसएल-4 लैब का इस्तेमाल आमतौर पर संक्रामक और जहरीले वायरस की स्टडी में किया जाता है, जो जानलेवा बीमारियां फैला सकते हैं। ये घातक वायरस ऐसी बीमारियां फैलाते हैं, जिसकी न कोई वैक्सीन है और न ही कोई इलाज।

मामले की जानकारी रखने वाले खुफिया और साइंटिफिक कम्यूनिटी से जुड़े लोगों ने चेतावनी दी है कि चीन और पाकिस्तान लैब में जो वायरस डेवलेप कर रहे हैं, वे कोरोना से भी सैकड़ों गुना ज्यादा घातक हैं।

इन लोगों का कहना है कि चीन ने घातक वायरस बनाने के लिए पाकिस्तान के कई लैब को आउटसोर्स किया है। माना जा रहा है कि चीन इन वायरस को या तो पाकिस्तान के लैब में बना रहा है या फिर इन्हें अपने यहां से लाकर इन लैब में रख रहा है।

वायरस का इस्तेमाल बायो वेपन की तरह करेगा चीन?

बायोवेपन एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान सेना और चीनी सेना ऐसे कई लैब चलाती हैं, जहां वैज्ञानिक प्रयोग के बजाय वायरस और बैक्टीरिया को बायो वेपन बनाने की रिसर्च होती है।

चीन पर इससे पहले कोरोना वायरस को लैब से लीक करने का आरोप लगा था। कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 63 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। खास बात ये है कि जिस चीन से कोरोना वायरस की शुरुआत हुई, वहां इसके अब तक 2.6 लाख केस ही आए हैं और 5226 लोगों की मौत हुई है, जबकि अमेरिका में इसके करीब 10 करोड़ केस आ चुके हैं और 10 लाख से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं भारत में भी कोरोना के 4.4 करोड़ केस आ चुके हैं और 5 लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं।

चीन पर आरोप लगते रहे हैं कि उसने कोरोना वायरस का इस्तेमाल बायोवेपन की तरह करते हुए अमेरिका, भारत समेत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को गहरा नुकसान पहुंचाया। इसीलिए एक नए वायरस को बनाने की खबर को चीन के दुनिया के खिलाफ एक और बायोवेपन के इस्तेमाल के तौर पर देखा जा रहा है।

क्या है लैब लीक थ्योरी, जिससे चीन पर लगते रहे हैं कोरोना फैलाने के आरोप

दिसंबर 2019 में कोरोना का पहला केस चीन के वुहान में सामने आया था। चीन से ही कोरोना धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैला। कई रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा चुका है कि कोरोना वायरस चीन के वुहान स्थित वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी यानी उसके एक लैब से लीक हुआ था।

लैब लीक थ्योरी इस बात पर टिकी है कि संयोग से कोरोना उसी वुहान शहर से फैला, जहां स्थित एक लैब चमगादड़ कोरोनावायरस पर स्टडी करती है। चमगादड़ों में पाए जाने वाले ये कोरोना वायरस

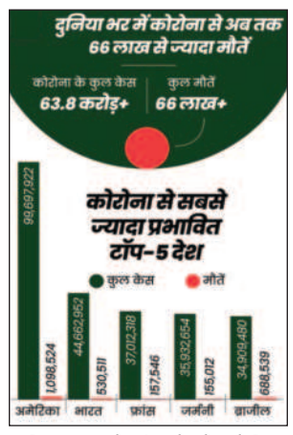

दुनिया भर में इंसानों में कोविड फैलने के लिए जिम्मेदार सार्स-कोव-2 वायरस यानी कोरोना वायरस के करीबी हैं।

चीन शुरू से ही लैब लीक थ्योरी को नकारता आया है और उसका दावा है कि कोरोना वुहान के हन्नान स्थित शीफूड होलसेल यानी जानवरों के मार्केट के जरिए इंसानों तक पहुंचा। कुछ वैज्ञानिक भी इस दावे का समर्थन करते हैं।

चीन अपने स्टेट मीडिया के जरिए ये नरेटिव भी गढ़ चुका है कि दिसंबर 2019 में वुहान में कोरोना का पहला केस मिलने से पहले ही ये वायरस विदेशों में मौजूद था। कोरोना वायरस को जानबूझकर लैब में बनाया गया है या ये नेचुरल तरीके से खुद इंसानों में फैला, इसे लेकर जांच और बहस दोनों जारी है।

क्यों है चीन के बायोलॉजिकल वेपन के इस्तेमाल का खतरा?

चीन 1984 में ही बायोलॉजिकल हथियारों पर रोक लगाने वाले बायोलॉजिकल वेपन कन्वेंशन यानी बीडब्ल्यूसी से जुड़ गया था, लेकिन इसके बावजूद उसने बायोलॉजिकल हथियार बनाना जारी रखा।

1993 में छपे न्यूयॉर्क टाइम्स के 'चाइना मे हैव रिवाइव्ड जर्म वेपन प्रोग्राम' टाइटल वाले आर्टिकल में कहा गया था कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने बायोलॉजिकल प्रोग्राम शुरू किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में दो जगहों पर बायोलॉजिकल हथियार बनाए जाने का काम चल रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक और रिपोर्ट के अनुसार जैविक हथियार बनाते समय चीन के एक सीक्रेट प्लांट में एक्सीडेंट होने से दो बड़ी महामारियां फैलीं। संयोग से 2003 में सार्स फैलने पर डब्ल्यूएचओ ने चीन की ये कहकर खिंचाई की थी, उसने समय रहते उसे इस बीमारी के बारे में नहीं बताया, जिससे ये चीन के बाहर फैली।

खास बात ये है कि चीन ने कोरोना वायरस को लेकर भी कई गलतियां कीं और दुनिया को समय रहते इसके बारे में जानकारी नहीं दी। चीन दुनिया की महाशक्ति बनने के लिए पूरा जोर लगा रहा है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने जैविक हथियारों के विकास को 2016-2020 के दौरान अपनी 13वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया था। चीन की महाशक्ति बनने के लिए बायो वेपंस यानी जैविक हथियारों के इस्तेमाल की इच्छा का खुलासा चीनी सेना के दो अधिकारियों क्विवो लांग और वांग शियांगसुई की 1999 में आई किताब 'अनरेस्ट्रिक्टेड वॉरफेयरः चाइनीज मास्टर प्लान टु डिस्ट्रॉय अमेरिका' में किया था।

इन दोनों ने लिखा था, 'इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि इंसानों के बनाए भूकंप, सुनामी, मौसमी आपदा, नए बॉयोलॉजिकल और केमिकल वेपंस, ये सभी नए कॉन्सेप्ट हथियार हैं। इनका लक्ष्य मारना और नष्ट करना है, और ये सभी सेना से जुड़े मामलों से संबंधित हैं।'

बायोलॉजिकल वेपंस यानी वायरस, बैक्टीरिया, फंगस से अटैक

बायोलॉजिकल और जहरीले हथियार वायरस, बैक्टीरिया या फंगस जैसे सूक्ष्मजीव होते हैं, जिन्हें बनाया जाता है और इंसानों, जानवरों और पौधों की मौत के लिए जानबूझकर छोड़ा जाता है

बायोवेपन या जैविक हथियारों के रूप में बायोलॉजिकल एजेंट्स, जैसे-बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और अन्य सूक्ष्मजीवों और उनसे जुड़े विषैले पदार्थों का इस्तेमाल होता है। एंथ्रेक्स, बूटोलिनम टॉक्सिन और प्लेग फैलाने वाले बायोलॉजिकल एजेंट्स लोगों की सेहत के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं और कुछ ही समय में कइयों की जान ले सकते हैं।

दूसरी बार फैलने में सक्षम बायोलॉजिकल एजेंट्स महामारी का कारण बन सकते हैं।

किसी बायोलॉजिकल एजेंट के साथ किया गया हमला प्राकृतिक घटना जैसा लगता है, जिससे उसका आकलन और उससे निपटना मुश्किल हो जाता है।

युद्ध और संघर्ष की स्थिति में लैब में तैयार बेहद खतरनाक वायरस और बैक्टीरिया जैसे बॉयोलॉजिकल एजेंट्स का इस्तेमाल लोगों के लिए घातक हो सकता है। बायोलॉजिकल वेपंस में कई और घातक हथियारों के मिलने पर उन्हें सामूहिक विनाश के हथियार भी कहा जाता है।

सामूहिक विनाश के हथियार में केमिकल, न्यूक्लियर और रेडियोलॉजिकल वेपंस भी शामिल होते हैं।

आंगनबाड़ी सुपरवाइजर भर्ती में ईडब्ल्यूएस को मिलेगी छूट

स्टार्टअप पॉलिसी कैबिनेट से मंजूर,जैसलमेर में वंडर सीमेंट प्लांट लगाएगा, 4200 करोड़ का निवेश होगा

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की नई स्टार्ट अप पॉलिसी को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इस नई नीति में स्टार्ट अप्स को आगे बढ़ाने के लिए सुविधाएं और पैकेज देने के प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कई फैसलों को मंजूरी दी गई है। ईडब्ल्यूएस और एमबीसी वर्ग के कैंडिडेट्स को भी अब आंगनबाड़ी सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती के लिए अपर एज लिमिट में छूट मिलेगी।

कैबिनेट ने राजस्थान समेकित बाल विकास (राज्य और अधीनस्थ) सेवा नियम, 1998 में संशोधन किया है। इससे आंगनबाड़ी सुपरवाइजर पद पर अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कैंडिडेट्स को भी आरक्षित वर्ग की तरह ऊपरी आयु सीमा में छूट मिलेगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से पर्यवेक्षक के पद पर सीधी भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा में 10 साल की छूट का प्रावधान है, जिसमें आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट्स के लिए 5 साल की अतिरिक्त छूट दीजाती है। अब यह छूट दूसरे आरक्षित वर्गों के साथ-साथ अति पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कैंडिडेट्स को भी मिल सकेगी।

जैसलमेर में लगेगा बड़ा सीमेंट प्लांट, वंडर सीमेंट को 400 हैक्टेयर जमीन देने की मंजूरी

वंडर सीमेंट जैसलमेर में बड़ा सीमेंट प्लांट लगाएगा। कैबिनेट ने वंडर सीमेंट को जैसलमेर में सीमेंट प्लांट और रेलवे साईडिंग के लिए कुल 400 हैक्टेयर जमीन औद्योगिक कामों के लिए का आवंटन करने की मंजूरी दी है। जैसलमेर तहसील के पारेवर और सम तहसील के गांव सोनू में 377 हैक्टेयर जमीन सीमेंट प्लांट के लिए दी जाएगी। रेलवे साईडिंग और सड़क के लिए 23 हैक्टेयर जमीन आवंअति होगी। इस प्रोजेक्ट पर 4200 करोड़ का निवेश होगा ओर इससे 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा।

जनजाति बालिका छात्रावासों में अब केवल महिला वार्डन, पुरुषों पर रोक

जनजाति छात्रावासों में ह्यूस्टल वार्डन अब केवल महिला ही होंगी। कैबिनेट ने जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के बालिका छात्रावासों में छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-2 का पद केवल महिला कैंडिडेट से ही भरे जाने का फैसला किया है। पुरुष कैंडिडेट इस पद पर नहीं लगाए जाएंगे।

सेना और पेरामिलिट्री फोर्स के शहीद और अपंग जवानों के आश्रितों को नौकरी में छूट

कैबिनेट ने शहीदों के आश्रितों के अलावा स्थायी रूप से अपंग हो चुके सेना—पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने का फेसला किया है। इसके लिए 2002 के नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

नए शिड्यूल एरिया के अनुसूचित क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को भी मिलेगा आरक्षण का लाभ

प्रदेश में नए शिड्यूल एरिया में शामिल क्षेत्र के कैंडिडेट्स को सरकारी नौकरियों में आरक्षण का फासदा मिलेगा। कैबिनेट ने राज्य में शिड्यूल एरिया का दायरा बढ़ने के कारण उस क्षेत्र के युवाओं को आरक्षण का लाभ देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। केंद्र सरकरार ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, पाली और सिरोही जिलों में अनुसूचित क्षेत्रों (टीएसपी एरिया) का दायरा बढ़ाया था।

ईआरसीपी को मिलेंगी बेकार पड़ी जमीनें

ईस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट के लिए जल संसाधन विभाग,सीएडी,आईजीएनडी से जुड़ी बेकार पड़ी जमीनें औरभवनों को ट्रांसफर करने की मंजूरी दी गई है। ईआरसीपी के लिए इन विभागों की बेकार पड़ी जमीनों को बेचकर या लीज पर देकर पैसा जुटाने की भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

पीओके को भारत में मिलाने का भाजपा कर रही संघर्ष

कैलाश विजयवर्गीय बोले– कांग्रेस को राहुल की यात्रा से नहीं मिलेगा बड़ा लाभ

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि पाक ऑक्युपाइड कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनता पार्टी की शुरू से यही सोच रही है।

संगठन इसे भारत में मिलाने के लिए संघर्ष कर रहा है। पार्टी ने हमेशा से ही पीओके को भारत का हिस्सा माना है। जिस तरह से धारा 370 हटाने में सफलता मिली है ठीक उसी तरह से हम पीओके को भी भारत में मिलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

वे गुरुवार को शहर के एक होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस की यह यात्रा निकालने का आखिर उद्देश्य क्या है। कांग्रेस ने तो शुरू से ही भारत में अलगाव बढ़ाने वाले काम किए है तो फिर अब इस तरह से भारत जोड़ो यात्रा से बड़ा लाभ नहीं होने वाला है।

कांग्रेस ने ही लगाई थी धारा 370

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अब भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं जबकि इन्हीं के परिवार के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने धारा 370 लागू की थी। ऐसे में कांग्रेस ने तो उस समय ही भारत को तोड़ने का काम कर दिया था। भाजपा को मौका मिला और हमने वह धारा हटा दी। ऐसे में अब जो यह भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है तो महज राहुल गांधी का रीलॉचिंग प्रोग्राम है। कांग्रेस को तो वोटर्स ने यूपी चुनाव में ही ठुकरा दिया।

सुशीला सारण ने वसुंधरा-पूनिया दोनों से मांगा सरदारशहर का टिकट

कहा– पिछले चुनाव में राजे की लिस्ट में था मेरा नाम, जावड़ेकर ने काटा था

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू की सरदारशहर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में BJP से सुशीला सारण ने भी टिकट की मांग कर दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दौलतराम साहरण की पुत्रवधू सुशीला सारण ने आज जयपुर में प्रदेश बीजेपी मुख्यालय पहुंचकर टिकट की दावेदारी जताई। सुशीला सारण ने बीजेपी प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह के अलावा पूर्व CM वसुंधरा राजे और प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया दोनों को अपना बायोडेटा दिया है।

सारण ने कहा- मेरा टिकट पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे ने अपनी लिस्ट में फाइनल कर दिया था। लेकिन प्रकाश जावड़ेकर ने मेरा नाम काटकर वापस अशोक कुमार पिंचा को टिकट दे दिया।

मैं पिछली बार भी 30 हजार वोटों से भंवरलाल शर्मा को चुनाव हराने का दम रखती थी। इस बार तो बात ही अलग है। सुशीला सारण ने कहा राजेंद्र राठौड़ से भी 3 बार मिलने की कोशिश की। लेकिन वो चूरू हैं। उन्हें चूरू जाकर ही बायोडेटा दूंगी। सुशीला सारण 2008 में लोक जनशक्ति पार्टी से चूरू के तारानगर से चुनाव में खड़ी हुई थीं।लेकिन निर्दलीय कैंडिडेट जय नारायण पूनिया को समर्थन दे दिया था। उसके बाद बीजेपी जॉइन कर ली थी।

मैं पिछले 15 साल से पार्टी कार्यकर्ता हूँ। पार्टी संगठन में लोगों के साथ मिलकर काम कर रही हूँ। दौलतराम जी ने जो नाम कमाया। हम भी उसे कुछ आगे बढ़ा पाएं। इसलिए मैंने बीजेपी के साथ मिलकर काम करना शुरू किया। वहां के समीकरण हमारे पक्ष में सामाजिक नाते भी जाते हैं। दौलतराम सारण ने सर्व धर्म सभा समभाव का पालन किया था। वहां पर पारीक फैक्टर को वो हमेशा साथ लेकर चले। SC कैंडिडेट को बिना रिजर्वेशन के जिला प्रमुख बनाया। उन्हें MLA भी बनवाया। इसलिए वो कौम हमारे साथ हैं। मुस्लिम कौम को भी वो बहुत साथ लेकर चले थे। इसलिए वो भी आज मेरे साथ हैं।

मैंने शुरूआत सरदारशहर के एक ब्लॉक से जिला परिषद चुनाव लड़कर की। उसके बाद मुझे जिलाध्यक्ष बनाया गया। 7 साल तक मैं बीजेपी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रही। फिर जिला कमेटी में उपाध्यक्ष रही। पिछले चुनाव के समय पीएम मोदी ने किसान समिति बनवाई। उसमें मैंने शील धाबाई के साथ सह-संयोजक के रूप में काम किया।

क्योंकि आज तक कभी जाट को टिकट दिया ही नहीं गया, तो इस समीकरण का क्या जवाब दिया जाए। एक बार मौका दिया जाए, तो इस समीकरण में क्या सत्यता है, निकलकर सामने आएगी।

मैंने प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह को दावेदारी पेश की है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को अपना बायोडेटा दिया है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को भी कल बायोडेटा दिया है। वसुंधरा राजे ने खुशी जाहिर करते हुए कहा अपना बायोडेटा मेरे पास रखकर जाइए। उन्होंने कहा- आपने महिला मोर्चा में काम किया है, उस काम को मैं जानती हूँ। पिछली बार वसुंधरा राजे ने अपनी लिस्ट में मेरा नाम फाइनल कर दिया था। फिर शाम को प्रकाश जावड़ेकर आए। 34 टिकट के लिए कवायद शुरू की। वापस से अशोक कुमार पिंचा को टिकट दे दिया।

मैं यह कहना चाहूंगी कि मैं महिला कैंडिडेट हूँ। हम महिलाओं को बीजेपी पार्टी में तवज्जो देना चाहते हैं, तो मैं चूरू जिले में इकलौती महिला उम्मीदवार हूँ। मैं अपना काम करके स्टैबलिश होने वाली महिला हूँ।

पिछली बार भी मैं कम से कम 30 हजार वोट के पार भंवरलाल शर्मा जी को हरा सकती थी। इतना दम मैं रखती हूँ। अब तो बात ही दूसरी है। टिकट अगर देते हैं, तो मैं पार्टी को सीट निकालकर दे सकती हूँ।

पूर्व विधायक अशोक पिंचा, श्यामलाल शर्मा, शिवचंद साहू, सुशीला सारण, पूर्व प्रधान सत्यनारायण सारण, सत्यनारायण झांझड़िया, गिरधारीलाल पारीक, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित ।

जयपुर में अचानक पलटा मौसम

ठंडक बढ़ी, 5 शहरों में पारा 15 डिग्री से नीचे

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में गुरुवार को अचानक मौसम पलट गया। तूफानी बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक जयपुर के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ पानी बरसा। बारिश-हवा के साथ ही सर्दी से ठिठुरन बढ़ गई। जयपुर के टोंक रोड, 22 गोदाम, जेएलएन मार्ग, विद्याधर नगर, सोडाला समेत कई जगहों पर तेज बरसात हुई। करीब आधा घंटा हुई बारिश के साथ ही तेज स्पीड से हवाएं चलने से ठिठुरन बढ़ गई। इधर, नगर निगम मुख्यालय पर जो भाजपा-कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा था। वह भी बारिश के बाद खाली हो गया। इससे पहले बीती रात जयपुर के कुछ इलाकों हल्की बूंदाबांदी हुई। इधर मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम में अचानक बदलाव लोकल लेवल पर हुई क्लाउडिंग से हुआ। इस असर जयपुर के अलावा सीकर और नागौर जिलों में भी देखने को मिला।

राजस्थान दो दिन पहले हुई बारिश-ओलावृष्टि के बाद तापमान में बड़ी गिरावट हुई है। इससे चूरू, उदयपुर समेत अधिकांश शहरों में रात और दिन का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया।

कलेक्टर ऑफिस के बाहर आत्मदाह की चेतावनी

विधायक से जमीन छुड़वा नहीं पा रहे, किसानों की जमीन दबाने का आरोप

अलवर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर में सदर थाने के सामने जमीन पर अतिक्रमण के मामले में काश्तकारों ने कलेक्टर के ऑफिस के बाहर आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। एक दिन पहले ही पूर्व मंत्री ने सदर थाने की जमीन पर रामगढ़ विधायक का अतिक्रमण बताया था।

उसके बाद विधायक के अतिक्रमण को हटाने की बजाय पुलिस अगल-बगल के काश्तकारों की जमीन से कब्जा लेकर थाने की जमीन को पूरा किया है। इसके बाद किसानों ने चेताया कि जिस जमीन पर पहले से कोर्ट में दुरस्तीकरण का दावा है। उस पर अवैध रूप से थाने ने कब्जा लिया है। जबकि असली कब्जा MLA ने किया हुआ है। इस मामले को लेकर गुरुवार को तूलेड़ा निवासी बाबूलाल, लखपतराम, सुखपाल, सुरेश चंद ने प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी कि राजस्व रिकॉर्ड में उनके नाम से शुरू से जमीन है। न जमीन का बेचान किया न कोई इकरारनामा है। इसके बावजूद उनके हक की कुछ जमीन पर बुधवार को सदर थाने ने कब्जा ले लिया। जबकि जमीन की दुरुस्तीकरण का दावा कोर्ट में विचाराधीन है। उनका कहना है कि सदर थाने की जमीन का कब्जा एमएलए सफिया खान के हिस्से की जमीन के पास है। वहां से कब्जा लेने की बजाय थाने ने खाली पड़ी दूसरे गरीब किसानों की जमीन में तारबंदी कर दी। जो दोरफा गलत है। पहला तो इस जमीन के दुरुस्तीकरण का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। दूसरा उनके हिस्से की जमीन पहले ही कम है। जिसने जमीन पर कब्जा किया हुआ उससे नहीं लिया गया। उल्टा गरीब किसानों की जमीन पर थाने वालों ने कब्जा लिया है। यह अवैध है। इस मामले की शिकायत पहले भी कलक्टर से कर चुके हैं। अब राजस्व अधिकारियों ने दबाव में आकर काम किया है।

अब कलक्टर के ऑफिस के बाहर आत्मदाह की चेतावनी

गुरुवार को पत्रकारों के सामने किसानों ने अपनी बात रखी। यह कहा कि यदि उनकी जमीन से अवैध कब्जा नहीं हटाया गया तो किसान कलक्टर के ऑफिस के बाहर आत्मदाह करने को मजबूर होंगे। यह जबर्दस्ती जमीन पर कब्जा लिया गया है। जब एमएलए से कब्जा नहीं छुड़ा पा रहे हैं तो दूसरे किसान की जमीन से कब्जा ले लिया गया।

पहले आईपीएस ने कब्जा लेने का प्रयास किया

करीब एक साल पहले आईपीएस ज्येष्ठा मैत्रेयी ने सदर थाने की जमीन का कब्जा लेने की कोशिश की थी। तब आईपीएस ने माना था कि एमएलए की तरफ सदर थाने की जमीन दबी हुई है। उसे छुड़ाया जाएगा। लेकिन उनको प्रोबेशन पीरियड खत्म हो गया।

उसके बाद 2 दिन पूर्व मंत्री नसरू खां ने मामले को उठाया था। पूर्व मंत्री ने भी साफ कहा था कि सदर थाने की जमीन पर एमएलए का कब्जा है। उसके बाद पुलिस ने जमीन पर कब्जा लिया है। अब किसानों का विरोध शुरू हो गया है। इस मामले में अभी उच्च अधिकारियों ने कोई जवाब नहीं दिया है।

2 करोड़ की लग्जरी कारें चुराने वाली गैंग का खुलासा

कैमरे पर किया चोरी का पूरा डेमो दिल्ली से लाए थे चाइनीज डिवाइस

अजमेर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। लग्जरी गाड़ियों को चोरी करने के मामले में जिला पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार।

अजमेर पुलिस ने गुरुवार को एक बड़े कार चोर गिरोह का खुलासा किया। जो सिर्फ 5 मिनट में चाइनीज डिवाइस से हुंडई की क्रेटा गाड़ी ही चोरी करते थे। पुलिस ने इस गिरोह के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कुल 11 गाड़ियां बरामद की गई हैं। इनकी कीमत करीब 2 करोड़ बताई जा रही है। साथ ही पूछताछ में 100 से ज्यादा वारदातें करना कबूला है। आरोपियों की पहली पसंद क्रेटा गाड़ी है, जिन्हें चोरी करने के बाद वह तस्करों को बेचा करते थे।

गुरुवार को अजमेर रेंज आईजी के खुलासे के बाद पुलिस ने मीडिया के सामने मुख्य आरोपी से वारदात का पूरा डेमो करवाया। आरोपियों ने कांच का शीशा तोड़ने से लेकर चाइनीज डिवाइस से गाड़ी का लॉक खोलने तक पूरा डेमो किया। पुलिस आरोपियों से मामले में पूछताछ में जुटी है। जिनसे कई तस्करों के गिरोह और वारदातों के बारे में खुलासे हो सकते हैं।

गुरुवार को 12 बजे अजमेर रेंज आईजी रूपेन्द्र सिंह ने आदर्श नगर थाने में बताया कि अजमेर जिले में आदर्श नगर, अलवर गेट, केकड़ी, ब्यावर,बिजयनगर, किशनगढ़ सहित अन्य जिलों में लग्जरी वाहनों की चोरी की वारदातें हो रही थीं। खुलासे के लिए एक टीम का गठन किया गया। वारदात के आधार पर अपराधियों का डेटाबेस तैयार किया गया। सभी से पूछताछ की गई। टीम द्वारा अलग-अलग जगह हुई वारदातों के घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के सीसीटीवी की जांच की गई। वारदात में इस्तेमाल किए गए वाहनों का रूट पता किया गया। जगह-जगह मुखबीर लगाए गए।

आईजी ने बताया कि जिला स्पेशल टीम के सदस्यों को घटना के संबंध में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से रोपियों के बारे में जानकारी मिली।

विधायक हरीश चौधरी की खुली बगावत

ट्वीट कर लिखा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी मैं स्तब्ध हूं, आखिर क्या चाहते हैं आप?

बाड़मेर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में शुरू हुआ सियासी घमासान रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक के बाद एक कांग्रेस के विधायक एवं मंत्री सीएम के खिलाफ बगावती तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को पूर्व राजस्व मंत्री एवं पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी ने ट्वीट कर खुली बगावत के संकेत दे दिए है। हरीश चौधरी ने ट्वीट किया कि ओबीसी आरक्षण मामले में कल कैबिनेट बैठक में रखने के बावजूद एक विचारधारा विशेष के द्वारा इसका विरोध चौंकाने वाला है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी मैं स्तब्ध हूं, आखिर क्या चाहते है आप? मैं ओबीसी वर्ग को विश्वास दिलाता हूं कि इस मामले को लेकर जो लड़ाई लड़नी पड़ेगी लडूंगा। फिलहाल हरीश चौधरी हिमाचल प्रदेश में चुनावी कैंपेन में है।

दरअसल, पूर्व राजस्व मंत्री एवं बायतु विधायक हरीश चौधरी बीते कई माह से ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों को लेकर जिले से लेकर राजधानी तक प्रदर्शन कर चुके है। लेकिन बीते माह राजधानी जयपुर में अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ ओबीसी आरक्षण को लेकर धरना दिया। उस समय सीएम ने आश्वासन दिया था कि जल्द ओबीसी आरक्षण विसंगतियों को दूर कर दिया जाएगा। लेकिन बुधवार को सीएम अशोक गहलोत द्वारा कैबिनेट मीटिंग में इस ओबीसी आरक्षण विसंगतियों के फैसले को लेकर कोई चर्चा नहीं होने व टालने पर बायतु विधायक हरीश चौधरी सीएम अशोक गहलोत से खफा हो गए है। सीएम से ट्वीट कर पूछ लिया कि आखिर क्या चाहते है आप?

पूर्व राजस्व मंत्री एवं पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी ने गुरुवार को ओबीसी मुद्दे पर ट्वीट कर बगावत शुरू कर दी है। सीएम अशोक गहलोत पर हमला करते हुए पूछ लिया कि ओबीसी मामले में आप क्या चाहते है। 12 बजे के बाद किए ट्वीट में लिखा ओबीसी आरक्षण विसंगित मामले को कल कैबिनेट में रखने के बावजूद एक विचारधारा विशेष के द्वारा इसका विरोध चौंकाने वाला है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी मैं स्तब्ध हूं, आखिर क्या चाहते है आप? मैं ओबीसी वर्ग को विश्वास दिलाता हूं कि इस मामले को लेकर जो लड़ाई लड़नी पड़ेगी लडूंगा।

उपेंद्र ने ट्वीट कर दी आंदोलन की चेतावनी

उपेंद्र यादव ने बुधवार को कैबिनेट मीटिंग के बाद ट्वीट कर लिखा कि सीएम अशोक ने अहमदाबाद में वार्ता हुई तब सीएम ने कहा था कि ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों को कैबिनेट की मीटिंग में दूर कर देंगे लेकिन आज की कैबिनेट मीटिंग में यह देखने को नहीं मिला जिसकी वजह से ओबीसी के युवाओं को हताशा है। उपेंद्र यादव ने ट्वीट कर कहा कि ओबीसी बहुत जल्द युवा बेरोजगारों की विभिन्न मांगों को लेकर सीएमओ से हमारे प्रतिनिधिमंडल की वार्ता होगी, उसमें मजबूती से आपकी आवाज उठाऊंगा और जब तक ओबीसी के युवाओं को न्याय नहीं मिल जाता तब तक आपके लिए सघर्ष करता रहूंगा।

वहीं राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के उपेंद्र यादव ने मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास को ट्वीट कर गुरुवार को चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया के माध्यम से हमें पता चला है कि कल की कैबिनेट मीटिंग में ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों तो दूर करने का फैसला होने वाला था, लेकिन आपने इस फैसले का विरोध किया और यह बात सत्य है तो आप भी तैयार रहे। अब युवा आपका भी खुलकर विरोध करेंगे और 2023 दूर नहीं है।

कांग्रेस विधायक रहे भंवरलाल, भाई ने बीजेपी से टिकट मांगा

कहा- कांग्रेस को चुनाव हरा दूंगा पहले भी भाभी को हरा चुका हूं

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू के सरदारशहर में विधानसभा चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। कांग्रेस विधायक भंवरलाल शर्मा के निधन से खाली हुई इस सीट पर भंवरलाल शर्मा का परिवार ही दोफाड़ हो गया है। भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा कांग्रेस से टिकट मांग रहे हैं, तो भंवरलाल शर्मा के भाई श्यामलाल शर्मा ने बीजेपी से टिकट की मांग कर दी है। श्यामलाल शर्मा वो शख्स हैं तो भंवरलाल शर्मा के जीवित रहते अपनी भाभी मनोहरी देवी को पंचायत समिति चुनाव हरा चुके हैं। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया से मुलाकात कर श्याम लाल शर्मा ने तमाम समीकरण बताते हुए टिकट मिलने पर अपनी जीत का दावा किया है। श्यामलाल ने कहा मुझे बीजेपी ने टिकट दिया तो कांग्रेस का 15000 ज्यादा वोट से मोर बुला दूंगा।

मैं अब तक 7 चुनाव लड़ चुका हूं। आखिरी बार मैंने पंचायत समिति ब्लॉक का चुनाव लड़ा था। कांग्रेस से मेरी भौजाई यानी विधायक स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा की धर्मपत्नी और बीजेपी से उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के साले चुनाव लड़ रह थे। मैं निर्दलीय था। मेरे गांव का 7 हजार वोट का ब्लॉक है। उसमें से 3500 मुस्लिम और एससी के लोग हैं। दूसरी जातियां भी हैं। उनमें भी मैं बढ़त लेकर आया। कांग्रेस के निशान पर चुनाव लड़ विधायक की पत्नी के सामने मैं माइनॉरिटी में बहुमत लेकर आया।

मैंने दावेदारी इसलिए जताई है कि आज तक का इतिहास रहा है। भंवरलाल जी बीजेपी, लोकदल, कांग्रेस, निर्दलीय कोई भी पार्टी से चुनाव लड़े हों। वो सरदारशहर शहर उत्तर की 15-16 पंचायत समितियों से ही लीड लेकर आते रहे। उसमें मेरा इतना ज्यादा प्रभाव है कि कांग्रेस कैंडिडेट को मैं 30 परसेंट वोटों पर लाकर रख दूंगा। भंवरलाल शर्मा अनिल शर्मा के पिता थे, भाई तो मेरे ही थे।

भाकपा ने लोगों से किया पीएम के दौरे पर बंद का आयोजन करने का आग्रह

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एपी पुनर्गठन अधिनियम में तेलुगु भाषी राज्यों से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रहे, भाकपा ने आज उन क्षेत्रों के लोगों से, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दौरा करेंगे, बंद का पालन करने और काला बैज लगाकर अपना विरोध व्यक्त करने का आह्वान किया।

पार्टी के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव और अन्य के साथ शहर में राज्य पार्टी मुख्यालय "मकदूम भवन" में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ के नारायण ने प्रधान मंत्री से पूछा कि वह रामागुंडम का दौरा करके क्या करेंगे? उन्होंने पीएम को चेतावनी दी कि पड़ोसी आंध्र प्रदेश से विजाग शहर की अपनी यात्रा के दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ेगा। राज्यपाल पर निशाना साधते हुए डॉ. नारायण ने कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा राष्ट्रपति और राज्यपालों की व्यवस्था का विरोध किया है और याद दिलाया कि देश में ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजों के समर्थकों को राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया जाता था। उन्होंने यह भी आलोचना की कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने राज्यपालों की प्रणाली को मूर्खतापूर्ण तरीके से लागू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार राज्यपालों की मदद से केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और तेलंगाना में विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के लिए समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या केरल के राज्यपाल जैसा भ्रष्ट राज्यपाल केरल राज्य सरकार की गतिविधियों में बाधा डालेगा, जो कोरोना वायरस की रोकथाम में देश में रोल मॉडल बन गई है?

उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रणाली के अस्तित्व से राज्यों के खजाने को 60 करोड़ से 70 करोड़ का नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्यपालों, सीबीआई और ईडी की मदद से विपक्षी दल के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के लिए बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रही है।

लोगों से माफी मांगकर तेलंगाना में कदम रखें पीएम : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर ने आज मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अलग राज्य के गठन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए राज्य की धरती पर कदम रखने से पहले तेलंगाना के लोगों से माफी मांगें।

उन्होंने कहा कि पीएम को अपनी अपमानजनक टिप्पणी भी वापस लेनी चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने इस मुद्दे पर पीएम को एक खुला पत्र लिखा। अपने पत्र में, उन्होंने कहा कि पीएम को तेलंगाना के शहीदों से भी माफी मांगनी चाहिए और कहा कि राज्य का गठन छह दशकों के लंबे संघर्ष के बाद हुआ था और इसके गठन के लिए सैकड़ों लोगों ने अपनी जान कुर्बान कर दी थी।

मानेपल्ली ज्वैलर्स ने चंदानगर में अपना 5वां स्टोर लॉन्च किया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानेपल्ली ज्वैलर्स ने गुरुवार को हैदराबाद के चंदानगर में अपना 5वां स्टोर लॉन्च किया, जिसमें विशेष शादी और दुल्हन के आभूषण उपलब्ध हैं।

स्टोर का उद्घाटन मानेपल्ली ज्वैलर्स के चेयरमैन मानेपल्ली रामाराव ने ज्वैलरी स्टोर की एक्ट्रेस और ब्रांड एंबेसडर महरीन कौर की मौजूदगी में किया, जिन्होंने वेडिंग ज्वैलरी कलेक्शन का प्रदर्शन किया। नए स्टोर के उद्घाटन के दौरान, मानेपल्ली ज्वैलर्स ने सुचित्रा सर्कल में अपने आगामी स्टोर को लॉन्च करने की भी घोषणा की। मानेपल्ली ज्वैलर्स के निदेशकों मानेपल्ली मुरली कृष्णा और मानेपल्ली गोपी कृष्णा ने कहा कि शादी और दुल्हन के आभूषणों के प्रदर्शन के अलावा, नए स्टोर में विशेष हीरे के आभूषण, हल्के वजन के सोने के आभूषण, पारंपरिक आभूषण आदि के विभिन्न खंड हैं। उन्होंने हमारे ब्रांड पर विश्वास के लिए ग्राहकों को धन्यवाद दिया और कहा कि निकट भविष्य में, हम सुचित्रा सर्कल में मानेपल्ली ज्वैलर्स का एक और शोरूम भी लॉन्च करेंगे।

जिलाधीश ने किया आश्रम बालक विद्यालय का दौरा

छात्रों को लक्ष्य बनाकर प्ररिश्रम करने का किया आह्वान

आसिफाबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि विद्यार्थी उच्च स्तरीय लक्ष्य चुनकर उन्हें प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें। जिले के जैनूर मंडल के मरलावई गांव में गुरुवार को हेमन दोर्प दंपती की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उसके बाद अचानक स्थानीय ग्राम पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालय अभिलेखों की जांच की गयी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि गांव में स्वच्छता प्रबंधन सख्ती से किया जाए, आंतरिक सड़कों, सीवरों और आवासीय क्षेत्रों को समय-समय पर बिना कचरा जमा किए हटा दिया जाए और गीला और सूखा कचरा एकत्र किया जाए. प्रत्येक घर से अलग और डंपिंग यार्ड में भेज दिया। यह सुझाव दिया जाता है कि पंचायत के भीतर नियमित रूप से गृह कर और अन्य करों की वसूली की जानी चाहिए। बाद में उन्होंने आश्रम बालक विद्यालय का दौरा किया और छात्रों को उपलब्ध सुविधाओं और शैक्षिक शिक्षण सुविधाओं का निरीक्षण किया। छात्रों ने शिक्षकों की उपस्थिति पत्रक और लंच स्टॉक रजिस्टर की जांच की। अधिकारियों को रसोई, चावल, सब्जियों आदि का निरीक्षण करने और छात्रों को मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और स्कूल के आसपास और कक्षाओं को साफ रखने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वयं छात्रों को पाठ्यक्रम पढ़ाया और उनके साथ भोजन किया। इस कार्यक्रम में ग्राम सरपंच, स्कूल शिक्षक, संबंधित अधिकारी एवं अन्य ने भाग लिया।

अग्रवाल सेवा दल-पित्ती ट्रस्ट का 103वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प 13 नवंबर को

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा दिगंबर जैन सोशल ग्रूप के सहयोग से 103 वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 13 नवंबर को आगापुरा कैसरबाग स्थित श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित किया जायेगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निशुल्क मेडिकल कैम्प में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर अस्पताल की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा जांच, स्त्री रोग, अस्थीरोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, ईएनटी, आरबीएस एवं रक्तचाप की जांच की जायेगी।

अवसर पर वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित एलसीएस डुंडु आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से रोगियों के नेत्र की जांच करने के पश्चात योग्य को चश्मे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था निशुल्क रूप से की जायेगी। शिविर में दांतों की जांच इनोक डेंटल केयर के डॉ.मनिता सेठ द्वारा की जायेगी। फिजियोथेरेपी बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की जायेगी।

शिविर सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक चलेगा जिसके लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ही किया जायेगा। शिविर का सभी से अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक संजय पंसारी, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र ठोलिया, विनय गगवाल, सुभाष लोहाडे से संपर्क किया जा सकता है।

चातुर्मास में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले श्रावक कार्यकर्ता सम्मानित

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वी श्री त्रिशलाकुमारी जी के पावन सान्निध्य में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा इस चातुर्मास में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले श्रावक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। साध्वीश्री त्रिशला कुमारीजी का प्रेरणादायी वक्तव्य रहा। साध्वीश्री रश्मि प्रभाजी की सुमधुर गीतिका व साध्वीश्री कल्पयशाजी का भी वक्तव्य रहा। चिकित्सा सेवा में डॉ. संभव वोरा, डॉ. भावना जैन, डॉ. समता गांधी, डॉ. विकास बैद, विनय बैद, राजेश सिंघी का सम्मान किया गया। सबसे कठिन पैदल रास्ते की सेवा करने वाले प्रेमसुख बैंगानी, संपतमल गोलछा, सुदीप नोलखा, प्रमोद भंडारी, आसकरण सेठिया, सुजीत कोठरी का भी सम्मान किया गया। रोज की गोचरी की सेवा में प्रकाश दफ्तरी का सम्मान हुआ। विशेष सेवा में निर्मल बैंगानी, राज कुमार गुजरानी, राजेश पटावरी, श्रीमती नीरज सुराणा का सम्मान किया गया। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया एवं तेरापंथ डिजिटल डायरेक्टरी में सेवा देने हेतु संजय कुचेरिया, अरिहंत गुजरानी, खुशाल भसाली, मीनाक्षी सुराणा, राजेंद्र बोथरा, दीपेश बैंगानी, लक्ष्मीपत बैद का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर सभा द्वारा तपस्या करने वाले तपस्वियों का भी सम्मान किया गया। सिद्धि तप करने वाले महेंद्र लुणावत, मुन्नी देवी मालू, मासखमन की तपस्या में मानक देवी बेगवानी, बीस की तपस्या में कल्पना देवी बरमेचा एवम सत्तरह की तपस्या में सुखराज देवी दुगड़ का सम्मान किया गया। जैन विद्या में वीरेंद्र घोसल, मनीष संचेती, दीपक सेठिया, कोमल सेठिया, मनीष सेठिया, हेमा लोढ़ा को भी सम्मानित किया गया। काशीद विक्रम को भी सम्मानित किया गया। सभाध्यक्ष बाबुलाल बैद ने चातुर्मास सफलता के साथ संपन्नता पर गुरुदेव व साध्वीश्री जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। सभा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ को साधुवाद दिया अन्य संस्थाओं के महिला मंडल, तेयूप, टी पी एफ, अनुव्रत समिति के सभी अध्यक्षों व कार्यकर्ताओ को भी साधुवाद दिया। आभार ज्ञापन मंत्री सुशील संचेती ने किया। संचालन लक्ष्मीपत बैद ने किया।

भाजपा के गुदूर ने की मांग, गृह मंत्री और डीजीपी इस्तीफा दें

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य के वरिष्ठ नेता गुदूर नारायण रेड्डी ने गुरुवार को राज्य के गृह मंत्री महमूद अली और पुलिस महानिदेशक महेंद्र रेड्डी से राज्यपाल डॉ. तमिलसाई सुंदरराजन के फोन टैप करने की नैतिक जिम्मेदारी के कारण अपने पदों से इस्तीफा देने की मांग की। एक मीडिया बयान में, उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने दावा किया है कि राज्य पुलिस ने उनका फोन टैप किया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार उनकी निजी बातचीत को कैसे जान सकती है जब तक कि उसने उसका फोन टैप नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं. वास्तव में गृह मंत्री राज्यपाल का एक नियुक्त व्यक्ति होता है।

गोशामहल के विधायक टी. राजासिंह से मुलाकात कर उनका सम्मान करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, मयूर कालेकर, अनिल कुमार व अन्य।

जेल से रिहाई के बाद विधायक टी. राजा सिंह से मुलाकात करते हुए युवा भाजपा नेता अशोक सेन, राघव गुप्ता, शैलजा व अन्य।

महेंद्र भंडारी जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी के पुनः अध्यक्ष मनोनीत

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ समाज की प्रतिष्ठित संस्था श्री जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी के ट्रस्टियों की वार्षिक साधारण सभा की बैठक तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी सिकंदराबाद में आयोजित की गयी। पांच नवकार मंत्र के स्मरण के बाद बैठक प्रारंभ हुयी, सर्वप्रथम अध्यक्ष महेंद्र भंडारी ने उपस्थित सभी ट्रस्टियों का स्वागत किया।

मैनेजिंग ट्रस्टी मनोज दुगड़ ने पिछले सम्पूर्ण कार्यकाल में हुए अनेक कार्यों का ब्योरा दिया। सम्पूर्ण भवन का मरम्मत कार्य करवा कर भवन का नवीनीकरण किया गया। पुरानी लिफ्ट को ठीक करवाया तथा भवन के अन्दर की तरफ एक नई लिफ्ट स्थापित की गई। टैरेस का पुनः निर्माण कर एक वातानुकूलित हाल बनाया गया जिससे ज्ञानशाला तथा अन्य धार्मिक गतिविधियां अनवरत निर्बाध संचालित हो सके।

परमपूज्य आचार्य श्री महाश्रमण के हैदराबाद चातुर्मास में निर्मित भवन कल्पतरु जो पहले ही ले लिया गया था तथा दूसरे भवन कामधेनु को भी क्रय करने की जानकारी मनोज दुगड़ ने सभी ट्रस्टियों को दी। नये ट्रस्टी बनाने वाली कमेटी के सदस्य अशोक बरमेचा तथा डालचंद सिपानी ने नये बने ट्रस्टियों की जानकारी सभी को दी। आगामी वर्ष के लिये 15 सदस्यीय नए ट्रस्ट बोर्ड के चयन हेतु 16 प्रत्यक्षियों ने ही अपना नामांकन किया था बाद में 1 प्रत्याक्षी ने अपना नाम वापिस ले लिया अतः सभी 15 प्रत्याक्षी निर्विरोध चयनित हुए। सर्वसम्मत निर्विरोध निर्वाचन के मित्रवत स्वस्थ परंपरा है। ट्रस्ट बोर्ड में अमृत कुमार जैन, अशोक बरमेचा, बाबूलाल बैद, बछराज डोसी, डालचंद सिपानी, दिनेश सुराणा, हनुमानमल नखत, केवलचंद जैन, मनोज दुगड़, महेंद्र भंडारी, प्रकाशचंद बैद, संजय कुमार छाजेड़, सुनील कुमार सुराणा, सुरेशचंद संचेती, सुरेश कुमार नखत को नए सदस्यों के रूप में चयनित किया गया। नव चयनित 15 सदस्यीय ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने सर्वसमति से श्री महेंद्र भंडारी को पुनः अगले कार्यकाल के लिए चेयरमैन के लिए चयनित किया। महेंद्र भंडारी का पिछला कार्यकाल अनेक उपलब्धियां वाला रहा है। उनकी अध्यक्षता में सन 2020 का पूज्य गुरुप्रवर का हैदराबाद मे सुसफल चातुर्मास हुवा था। सभी सदस्यों ने महेंद्र जी भंडारी को बधाई दी तथा आगामी कार्यकाल की बेहतरीन सफलता की शुभकामनाएं दी।

जेल से रिहा होने के बाद गोशामहल के विधायक राजा सिंह से हैदराबाद किराना मर्चेंट एसोसिएशन के परामर्शदाता एवं समाज सेवी रमेश सांकला (रमास) ने गुरुवार को उनके आवास पर मुलाकात की और सम्मानित भी किया।

पाली राजस्थान से पधारे हुए एस.पी.सिखवाल का सिखवाल प्रगति समाज की ओर से सम्मानित करते हुए रामदेव नागला, बद्रीनारायण नागला, दीनदयाल उपाध्याय, चंद्रभान व्यास, संदीप जायलवाल व अन्य।

एकलव्य मॉडल स्कूल में पोषण वाटिका का उद्घाटन

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीआरएएस के दिशानिर्देशों के अनुसार,राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में आज दिनांक10-11-2022 को तेलंगाना के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, गंडगुलापल्ली गांव दम्मापेट मंडल भद्राद्री कोत्तागुडेम जिला में पोषण वाटिका के उद्घाटन किया गया। इसके भाग के रूप में गुलर, महुवा, देशी खजूर, आँवलाकड़ी पत्ता, नारियल, खजूर, लवलीफल, इमली,अमरूद, काजू, बेहड़ा, अनार, नींबू, जामुन, कटहल, बकुला, देशीबादाम, पपीता, आम, बेल, रामफल, करोंदा, कैथा, चीकू, सीताफल जैसे कुल 26 प्रजातियों के फलवृक्षों को संस्थान के डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा संग्रह करके गंडगुलापल्ली विद्यालयमें 125 पौधे रोपण किए गए। पोषण माह के अंतर्गत आयुष मंत्रालय एवं जनजातीय मंत्रालय दोनों के सहयोग से आज का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गंडगुलापल्ली के सरपंच एम. सुशीला, विद्यालय के प्रधानाचार्य टी. नागेश्वर राव, उप प्रधानाचार्य श्रीमती बी. हरिता, अध्यापिका वी. रजनी और विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्रों ने भाग लिया और संस्थान के डॉ. रमेश कुमार के. एल. अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयाध्यक्ष और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

टीआरएस सांसद के

तलाशी की जानकारी मिलने पर मंत्री कमलाकर बुधवार देर रात वापस हैदराबाद पहुंचे। उन्होंने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि वे 32 साल से ग्रेनाइट के कारोबार में हैं और वे कानून के दायरे में और पारदर्शिता के साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा, "किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। मैं 16 घंटे के भीतर लौटे है। हम अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करेंगे।" एक साथ छापे कुछ ग्रेनाइट कंपनियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों को शिकायतों की पृष्ठभूमि में आते हैं, जिनमें करीमनगर जिले में खदानों से चीन और कुछ अन्य देशों में कच्चे ग्रेनाइट ब्लॉकों का निर्यात करने वाली कंपनियां शामिल हैं। यह फेमा मानदंडों के कथित उल्लंघन पर हैं।

यह आरोप लगाया गया था कि आठ ग्रेनाइट एजेंसियों ने पड़ोसी आंध्र प्रदेश में काकीनाडा और कृष्णापट्टनम समुद्री बंदरगाहों के माध्यम से विभिन्न विदेशी देशों को निर्यात किए गए ग्रेनाइट ब्लॉकों को कम मापकर रॉयल्टी के करोड़ों रुपये की चोरी की, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने में 124.94 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

गौतम नवलखा को ...

जस्टिस केएम जोसफ और जस्टिस हृषिकेश रॉय की पीठ ने आदेश दिया कि खर्चे का ड्राफ्ट पुलिस कमिश्नर के दफ्तर में जमा करना होगा।

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि वो नवलखा को हाउस अरेस्ट में रखने के पक्ष में है। सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए को गुरुवार को यह बताने के लिए कहा है कि अगर उन्हें जेल से बाहर घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी जाती है तो एजेंसी नवलखा पर किस तरह के प्रतिबंध चाहती है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने नवलखा को तुरंत मुंबई के जसलोक अस्पताल में भर्ती कराने के आदेश दिए थे। जस्टिस के एम जोसेफ और जस्टिस हृषिकेश रॉय की बेंच ने कहा था कि हम इस विचार से हैं कि नवलखा एक विचाराधीन कैदी हैं।

उनका भी स्वास्थ्य का अधिकार है। इसलिए तलोजा जेल के सुपरीटेंडेंट को आदेश देते हैं कि वो नवलखा को उनकी पसंद के जसलोक अस्पताल ले जाएं। हम अभी इस मामले में हाउस अरेस्ट के बड़े मुद्दे पर विचार नहीं कर रहे हैं।

एनआईए की ओर से एसजी तुषार मेहता ने हाउस अरेस्ट का विरोध किया था और कहा था कि वो मामले के इलेक्ट्रॉनिक्स सबूतों को मिटाना चाहते हैं। उनको हाउस अरेस्ट की इजाजत ना मिले। वहीं नवलखा की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा था कि अगर नवलखा मुंबई में अपनी बहन के घर रहते हैं तो इसमें देश की सुरक्षा को क्या खतरा है। उनको बीमारी है और कोलोनोस्कॉपी के लिए तीन दिन के उपवास की जरूरत है।

गुजरात में भाजपा ...

मोरबी पुल हादसे के वक्त कांतिलाल लोगों की जान बचाने के लिए मच्छू नदी में कूदे थे। उन्होंने जल्द रेस्क्यू के लिए वीडियो भी पोस्ट किया था। रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा को जामनगर उत्तर से टिकट दिया गया है।

कांग्रेस से आने वाले इन नेताओं को दिया टिकट :

प्रद्युमन सिंह जडेजा (अबडासा), कुवरजी बावड़ियां (जसदन), जवाहर चावडा (मानावदर), हर्षद रिबडीया (विसावदर), भगा बारड (तालाला), अश्विन कोटवाल (खेडब्रह्मा), जीतू चौधरी (कपराडा) को बीजेपी से टिकट दिया गया है। ये सभी नेता 2017 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे। अब बीजेपी की ओर से मैदान में हैं।

एनएमडीसी की सतर्कता पत्रिका सुबोध के पहले अंक का विमोचन

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सभी हितधारकों के बीच ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए, एनएमडीसी सतर्कता विभाग ने 9 नवंबर 222 को अपनी सतर्कता गृह पत्रिका-सुबोध के प्रथम अंक का विमोचन किया।

एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब ने कंपनी के कार्यात्मक निदेशकों - निदेशक (वित्त) अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (उत्पादन) दिलीप कुमार मोहंती; सीवीओ, बी विश्वनाथ और हैदराबाद में प्रधान कार्यालय के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में पत्रिका का विमोचन किया। इस अवसर पर एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सुमित देब ने कहा कि मेरा हृदय से यह मानना है कि संगठन को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहां निवारक उपाय दंडात्मक उपायों से अधिक महत्वपूर्ण हों और यह पत्रिका इस दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। बी. विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी ने कहा कि इस पत्रिका के माध्यम से, एनएमडीसी सतर्कता निगरानी प्रणाली के महत्व और संगठन में उल्लेखनीय प्रथाओं के प्रसार पर जोर देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने एक पुरानी सूक्ति पर प्रकाश डाला कि "दूसरों की गलती से सीखना बुद्धिमानी है' और यह पत्रिका उस दिशा में एक कदम है। उन्होंने संगठन में निवारक और सहभागी सतर्कता को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सीएमडी ने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को पत्रिका में प्रकाशनार्थ लेख प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

टीम इंडिया के शेर, सेमीफाइनल में ढेर

इंग्लैंड ने 10 विकेट से रौंदा, पाकिस्तान से होगा फाइनल

एडिलेड, 10 नवंबर (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को एडिलेड में खेला गया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टीम इंडिया ने 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 16 ओवर में बिना विकेट गंवाए 170 रन बना लिए।

इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट से हरा दिया है। उसने 169 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाए ही हासिल कर लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब इंग्लैंड की टीम ने 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के 170 रन बना लिए। इंग्लैंड के लिए एलेक्स हेल्स ने 47 गेंद पर नाबाद 86 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर ने 49 गेंद पर 80 रन की पारी खेली। भारत के छह में से चार गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा की इकोनॉमी रेट से रन दिए।

इंग्लैंड ने 13 ओवर में 140 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड को जीत के लिए 42 गेंद पर 29 रन बनाने हैं। बटलर 37 गेंद पर 56 और एलेक्स हेल्स 41 गेंद पर 80 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड ने नौ ओवर में बिना किसी नुकसान के 91 रन बना लिए हैं। उसे जीत के लिए 66 गेंद पर 78 रन बनाने हैं। एलेक्स हेल्स 29 गेंद पर 51 रन बनाकर नाबाद हैं। जोस बटलर 25 गेंद पर 36 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारतीय गेंदबाजों को पहले विकेट की तलाश है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की है। पावरप्ले में इन दोनों ने मिलकर 63 रन बनाए हैं। मैच में इंग्लैंड की टीम मजबूत स्थिति में जा चुकी है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने बिना कोई विकेट गंवाए 50 रन की साझेदारी कर ली है। जोस बटलर और एलेक्स हेल्स शानदार अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं। भारत के सभी गेंदबाज अब तक बेअसर साबित हुए हैं।

जोस बटलर और एलेक्स हेल्स की जोड़ी ने इंग्लैंड को तेज शुरुआत दिलाई है। दोनों बल्लेबाज तेज गति से रन बना रहे हैं और इंग्लैंड के लिए मैच आसान बना रहे हैं। इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ने पहले ओवर में 13, दूसरे ओवर में आठ, तीसरे ओवर में 12 और चौथे ओवर में आठ रन बटोरे। चार ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर बिना किसी नुकसान के 41 रन हो चुका है। भारत ने अब तक तीन गेंदबाजों को आजमाया है, लेकिन कोई भी विकेट नहीं ले पाया है।

इंग्लैंड की पारी शुरू हो चुकी है। कप्तान जोस बटलर और एलेक्स हेल्स क्रीज पर हैं। बटलर ने भुवनेश्वर कुमार के पहले ओवर में तीन चौके लगाए। इंग्लैंड ने एक ओवर में बिना किसी नुकसान के 13 रन बनाए हैं।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। इंग्लिश टीम को 169 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य मिला है। टीम इंडिया के हार्दिक पांड्या ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए। उन्होंने 33 गेंद की पारी में चार चौके और पांच छक्के लगाए। हार्दिक आखिरी गेंद पर हिटविकेट आउट हुए। उनके अलावा विराट कोहली ने 40 गेंद पर 50 रन की पारी खेली। भारत ने आखिरी पांच ओवर में 68 रन बनाए। हार्दिक और कोहली के अलावा कोई भी बल्लेबाज भारत के लिए बड़ी पारी नहीं खेल पाया। कप्तान रोहित शर्मा अच्छी शुरुआत के बाद 27 रन बनाकर आउट हो गए। सूर्यकुमार यादव ने 14 रन बनाए। ऋषभ पंत छह और केएल राहुल पांच रन बनाकर आउट हुए। रविचंद्रन अश्विन एक भी गेंद खेले बगैर शून्य पर नाबाद रहे। इंग्लैंड के लिए क्रिस जॉर्डन ने चार ओवर में 43 रन देकर तीन विकेट लिए। क्रिस वोक्स और आदिल रशीद ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

हार्दिक पांड्या ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा कर लिया है। भारत ने 19 ओवर में चार विकेट पर 156 रन बना लिए हैं। दूसरे छोर पर ऋषभ पंत मौजूद हैं। भारत को चौथा झटका विराट कोहली के रूप में लगा।

वह 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर पवेलियन लौट गए। क्रिस जॉर्डन ने उन्हें आदिल रशीद के हाथों कैच कराया। कोहली ने आउट होने से पहले अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। उन्होंने 40 गेंद पर 50 रन बनाए। इस दौरान चार चौके और एक छक्का लगाया। भारत ने 18 ओवर में चार विकेट पर 136 रन बना लिए हैं। हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत क्रीज पर हैं।

विश्व चैंपियन बनने पर महिला बॉक्सर को मिलेंगे 81 लाख

निकहत बोलीं- स्वर्ण जीता, तो मर्सिडीज खरीदूंगी

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। आईबीएफ के अध्यक्ष अजय सिंह के मुताबिक इस चैंपियनशिप में 19.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि होगी। स्वर्ण पदक विजेता को 81 लाख रुपये की भारी-भरकम इनामी राशि मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग संघ (आईबीए) ने बुधवार को भारतीय बॉक्सिंग संघ (आईबीएफ) को आधिकारिक रूप से विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी सौंप दी। यह चैंपियनशिप नई दिल्ली के केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में अगले वर्ष मार्च में आयोजित की जाएगी। आईबीएफ के अध्यक्ष अजय सिंह के मुताबिक इस चैंपियनशिप में 19.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि होगी। स्वर्ण पदक विजेता को 81 लाख रुपये की भारी-भरकम इनामी राशि मिलेगी।

विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने इतनी बड़ी इनामी राशि पर कहा कि अगर वह अगले वर्ष चैंपियन बनीं, तो मर्सिडीज खरीदेंगी और आईबीए के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव को हैदराबाद बुलाकर उन्हें कार में घुमाएंगी। इस पर क्रेमलेव बोले अगर निकहत जीतती हैं तो वह उन्हें मर्सिडीज गिफ्ट करेंगे।

पहली बार लागू होगा बाउट रिव्यू सिस्टम

भारत तीसरी बार विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। दो साल पहले भारत से आईबा ने विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी आवश्यक फीस जमा नहीं करने के चलते छीन ली थी। आईओसी ने बाद में आईबा को अनियमितताओं के चलते भंग कर दिया था।

विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी को लेकर क्रेमलेव और अजय सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। अजय सिंह ने कहा कि चैंपियनशिप में 75 से 100 देशों के तकरीबन 1500 मुक्केबाज शिरकत करेंगे। इस चैंपियनशिप से पहली बार ऐतिहासिक बाउट रिव्यू सिस्टम लागू किया जाएगा।

आईबीए के महासचिव जॉर्ज येरोलिंपोज ने कहा कि रिव्यू सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित होगा। रिंग के चारों ओर कैमरे लगे होंगे, जो बाउट के दौरान हर पंच का विश्लेषण करेंगे।

अगर कुछ गड़बड़ी नजर आती है तो बाउट के दौरान ही इसे सुधारा जाएगा। क्रेमलेव ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि बॉक्सिंग ओलंपिक से बाहर नहीं होगा। पेरिस ओलंपिक के बाद वह इसमें कई सुधार करेंगे।

फुटबॉल का महाकुंभ: तीन महिलाएं दिखाएंगी खिलाड़ियों को 'कार्ड'

खेल डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। जापानी रेफरी योशिमी यामाशिता जानती हैं कि विश्व कप में मैचों में अंपायरिंग के लिए चुनी गई तीन महिलाओं में से वे एक हैं।

यह पहली बार है जब एक महिला खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट को संचालित करेगी। फ्रांस की स्टेफनी फ्रैपार्ट और रवांडा की सलीमा मुकांसंगा की सोच भी ठीक ऐसी हो होनी चाहिए। ये तीनों महिलाएं कतर के लिए सूचीबद्ध 36 रेफरी के पूल में हैं – बाकी सभी पुरुष हैं। फीफा ने 69 के पूल में तीन महिला सहायक रेफरी को भी नामित किया है। ब्राजील की नुजा बैक, मैक्सिको की करेन डियाज मदीना और संयुक्त राज्य अमेरिका की कैथरीन नेस्बिट।

यामाशिता इस बात से अवगत हैं कि उनके चयन ने महिलाओं के लिए समान वेतन के अधिकांश उपायों और लैंगिक समानता के वैश्विक अध्ययनों में जापान की निम्न रैंकिंग पर ध्यान केंद्रित किया है। यामाशिता ने एक साक्षात्कार में

कहा था, अगर महिलाएं इस तरह से खेल में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं और विशेष रूप से फुटबाल इसका नेतृत्व कर सकती हैं, तो मुझे बहुत खुशी होगी।

जापान में, फुटबाल की दुनिया (महिलाओं की भागीदारी के संबंध में) में एक मुकाम तक पहुंचने के लिए अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है, इसलिए यह बहुत अच्छा होगा यदि यह अलग-अलग तरीकों से खेल में महिला भागीदारी को बढ़ावा देने से जुड़ा हो, न सिर्फ फुटबाल में बल्कि बाकी खेलों में भी। तीनों ने पहले भी पुरुषों के मैचों में रेफरी की भूमिका निभाई है और विश्व कप फुटबाल में उनका पदार्पण उस मध्य पूर्वी देश से हो रही है जहां महिलाओं की भूमिका अभी नगण्य है।

फीफा विश्व कप के एक मैच की टिकट की कीमत लाखों में, कहां देखें मैच

खेल डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप के एक मैच की टिकट की कीमत 14 लाख रुपये है। कतर में आयोजित होने वाले इस विश्व कप को लेकर फैंस खासे उत्साहित हैं। इसी वजह से टिकट के दाम आसमान छू रहे हैं।

फीफा विश्व कप की शुरुआत में अब दो हफ्ते का समय रह गया है। फुटबॉल के इस महकुंभ की शुरुआत 20 नवंबर होगी। वहीं, फाइनल मुकबाला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। 29 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 32 टीमें भाग लेंगी। फीफा विश्व कप का आयोजन पहली बार कतर में हो रहा है। अरब देशों में दिन के समय काफी ज्यादा गर्मी होती है। इस वजह से सभी मैचों का आयोजन रात के समय किया जाएगा।

कतर में फीफा विश्व कप की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, लेकिन अपने कठोन नियम और

समलैंगिक लोगों को लेकर कानून के चलते कतर लगातार विवादों में बना हुआ है। हालांकि, इन सब चीजों के बावजूद फैंस फीफा विश्व कप को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसके चलते इस टूर्नामेंट में एक मैच के टिकट के दाम आसमान छू रहे हैं। फीफा विश्व कप में एक मैच के लिए टिकट की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग 14 लाख रुपये है।

कहां खरीद सकते हैं टिकट?

फीफा विश्व कप के टिकट फीफा की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सभी मैचों के टिकट ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। कतर के लोगों और विदेशी नागरिकों के लिए टिकट की कीमत अलग-अलग रखी गई है। फीफा की वेबसाइट के अलावा दूसरे प्लेटफॉर्म से भी टिकट खरीदे जा सकते हैं, लेकिन इनकी कीमत अलग हो सकती है। फीफा हर स्टेज के लिए टिकट की कीमत अलग रखी है। हालांकि, अब तक ग्रुप स्टेज के अधिकतर टिकट बिक चुके हैं।

फीफा विश्व कप टिकट की कीमत

ग्रुप स्टेज- 53 हजार से 4.79 लाख रुपये

प्री-क्वार्टर फाइनल- 37 हजार रुपये से 18 लाख रुपये

क्वार्टर फाइनल- 47 हजार रुपये से 3.40 लाख रुपये

सेमीफाइनल- 77 हजार रुपये से 3.5 लाख रुपये

फाइनल- 2.25 लाख रुपये से 13.39 लाख रुपये

टीवी में कैसे देखें मैच?

भारत में फीफा विश्व कप के सभी मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स ग्रुप के चैनलों पर देखे जा सकते हैं। वहीं, मोबाइल फोन पर जियो टीवी एप में फीफा के विश्व कप देखे जा सकते हैं।

यह मुकाबले भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30, शाम 6:30, रात 8 बजे, रात 9:30 बजे, रात 12:30 बजे से शुरू होंगे।

उपेक्षित प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य पुरस्कार का झुनझुना

खेल डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हर साल की तरह इस बार भी राष्ट्रीय खेल पुरस्कार पाने वाले खिलाडियों और गुरुओं की कतार में कुछ और नाम जुड़ने जा रहे हैं ।

यह रस्म साल दर साल निभाई जाती रही है। लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि खेल पुरस्कार रेविड़यों की तरह बांटना कहां तक ठीक है ? जो सम्मान अभिनव बिंद्रा , नीरज चोपड़ा , सुशील ,योगेश्वर, मैरीकाम ,विजेंद्र , मीराबाई चानू , रवि दहिया, बजरंग पूनिया जैसे चैम्पियनों को दिया जाता है उसके हकदार सिर्फ राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडी कैसे हो सकते हैं ? कैसे वे बिना कोई बड़ा पदक जीते खेल रत्न पा जाते हैं? कैसे विदेशी प्रशिक्षकों के एकाधिकार के चलते हमारे देसी कोच द्रोणाचार्य अवार्ड का झुनझुना पा जाते हैं ?

चलिए मान लिया कि ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद अर्जुन और खेल रत्न अवार्ड रेवडियों की तरह बांट दिए गए लेकिन द्रोणाचार्य अवार्ड बांटते हुए जिम्मेदार लोगों ने इतना भी नहीं सोचा कि खुद सरकार और साइं ने अपने गुरुओं और कोचों को सिरे से ख़ारिज कर दिया है । हाकी फुटबाल, एथलेटिक, कुश्ती, जुडो, मुक्केबाजी, तैराकी और तमाम खेलों में विदेशी कोच हमारे खिलाडियों को सिखा पढ़ा रहे हैं । स्वदेशी का नारा बुलंद करने वाली सरकारों का हाल यह है कि देसी कोच उन्हें फूटी आंख नहीं भाते । हां, जब द्रोणाचार्य अवार्ड देने की बात आती है तो खेल मंत्रालय और खेल प्राधिकरण में बड़ी पैठ रखने वाले सम्मान ले उड़ते हैं । तारीफ की बात यह है कि सम्मान पाने वालों में कई नाम ऐसे भी होते हैं जिनको कोई जानता तक नहीं ।

एफआईएच नेशंस कप में भारत की अगुआई करेगी गोलकीपर सविता पूनिया, दीप ग्रेस उप-कप्तान

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। नवजोत कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर हो गई थी। एफआईएच महिला नेशंस कप अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में एक अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इसके चैंपियन को एफआईएच महिला प्रो लीग 2023-2024 सत्र का टिकट मिलेगा।

गोलकीपर सविता पूनिया स्पेन के वेलेंसिया में 11 से 17 दिसंबर तक खेले जाने वाले महिला एफआईएच नेशंस कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। हॉकी इंडिया ने टूर्नामेंट के लिए बुधवार को 20 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। मिडफील्डर नवजोत की टीम में वापसी हुई है जबकि रक्षापंक्ति की

खिलाड़ी दीप ग्रेस एक्का टूर्नामेंट में टीम की उप-कप्तान होंगी।

नवजोत कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर हो गई थी। एफआईएच महिला नेशंस कप अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में एक अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इसके चैंपियन को एफआईएच महिला प्रो लीग 2023-2024 सत्र का टिकट मिलेगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम पूल-बी में चिली, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ है। भारत टूर्नामेंट के पहले दिन चिली के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

इस साल अगस्त में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम 2021-22 एफआईएच प्रो लीग में पहली बार भाग लेते हुए अर्जेंटीना और नीदरलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर रही थी।

भारतीय टीम इस प्रकार है-

गोलकीपरः सविता पूनिया (कप्तान), बिचू देवी खरीबाम।

डिफेंडर्सः दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी।

मिडफील्डरः निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, नेहा, सोनिका, ज्योति, नवजोत कौर।

फॉरवर्डः वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग।

23 दिसंबर को आईपीएल मिनी ऑक्शन

कोच्चि में 10 टीमें लगाएंगी बोली ; पंजाब के पर्स में सबसे ज्यादा 8 .45 करोड़ रुपए

खेल डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। 23 दिसंबर 2022 को केरल के कोच्चि में इंडियन प्रीमियर लीग का मिनी ऑक्शन होगा। इस बार सभी 10 टीमों को पर्स में 5 करोड़ रुपए ज्यादा मिलेंगे। पिछली बार मेगा ऑक्शन में टीमों के पास 90 करोड़ रुपए का पर्स था। इस बार उन्हें प्लेयर्स पर खर्च करने के लिए 95 करोड़ रुपए मिलेंगे।

पंजाब के पास सबसे ज्यादा पैसा बाकी

आईपीएल की सभी 10 टीमों के पास पिछले मेगा ऑक्शन के बाद कुछ पैसा बचा हुआ था। उसमें अब 5 करोड़ रुपए जुड़ जाएंगे। फिलहाल, पंजाब किंग्स के पास पर्स में सबसे ज्यादा रुपए बचे हैं। पिछले ऑक्शन के बाद उनके पास 3.45 करोड़ रुपए बचे

थे। 5 करोड़ जुड़ने के बाद ऑक्शन में वह 8.45 करोड़ रुपए के साथ उतरेंगे।

वहीं, पिछले आईपीएल में पहली बार शामिल हुई लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपना पूरा पर्स खत्म कर लिया था। यानी ऑक्शन में उनके पास 5 करोड़ ही रहेंगे।

बाकी टीमों के पास कितना पैसा बाकी?

5 करोड़ रुपए जुड़ने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के पास 7.95 करोड़ रुपए, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 6.55 करोड़ रुपए, राजस्थान रॉयल्स के पास 5.95 करोड़ रुपए और कोलकाता नाइट राइडर्स के पास 5.45 करोड़ रुपए का पर्स बाकी है। पिछले साल के डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ऑक्शन में 5.15 करोड़ रुपए के साथ ऑक्शन में उतरेंगे। वहीं, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स तीनों ही 5.10 करोड़ रुपए के साथ ऑक्शन में बोली लगाएंगे।

15 नवंबर तक रिटेन खिलाड़ियों के नाम सामने होंगे

सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजी को 15 नवंबर 2022 तक रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट जारी करनी होगी। पिछली बार हुए मेगा ऑक्शन के बाद इस साल मिनी ऑक्शन होगा।

बाबर आजम 2048 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनेंगे

1992 की 'चालीसा' पढ़ रहे पाकिस्तानियों पर सुनील गावस्कर का तंज

खेल डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2022 में भी पाकिस्तान का सफर कुछ ऐसा ही रहा है। उसकी शुरुआत खराब रही थी। हालांकि, इसके बाद उसने लगातार 4 जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने जब से न्यूजीलैंड को हराया है, तब से पाकिस्तान के

पूर्व क्रिकेटर्स और प्रशंसक 1992-1992 की माला रट रहे हैं। दरअसल, 1992 में इमरान खान की अगुआई में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराया था। वह विश्व कप भी ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था।

पाकिस्तान ने 1992 के विश्व कप की शुरुआत भी हार के साथ की थी, लेकिन शानदार वापसी की और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। इसके बाद उन्होंने टेबल-टॉपर्स न्यूजीलैंड को हराकर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में फाइनल में जगह बनाई थी।

सनसनीखेज हार के बाद द्रविड़ का बवालिया बवान, उठाए बीसीसीआई पर सवाल

खेल डेस्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया को हार मिली. टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई पर ही सवाल खड़ा कर दिया. सनसनीखेज हार के बाद द्रविड़ का बवालिया बवान, उठाए बीसीसीआई पर सवाल. टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया बुरी तरह हारी. इंग्लैंड ने भारत की ओर से दिए 169 रनों के लक्ष्य को बिना विकेट खोए हासिल कर लिया. दोनों ने 24 गेंद पहले ही अपनी टीम को जीत दिला दी. इंग्लैंड के हाथों मिली इतनी करारी हार के बाद जाहिर तौर पर टीम इंडिया निराश थी और उसके हेड कोच राहुल द्रविड़ ने मैच के बाद बीसीसीआई पर सवाल खड़े करने वाला बयान दे डाला. द्रविड़ ने इशारों ही इशारों में बीसीसीआई की सोच पर सवाल खड़े किए. राहुल द्रविड़ ने टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद कहा, 'विदेशी लीग में खेलने से हमारे खिलाड़ियों को मदद मिलेगी. ये बीसीसीआई के ऊपर है फैसला उन्हें लेना है.' बता दें बीसीसीआई हमेशा से ही भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने से रोकती है. भारतीय क्रिकेट से जुड़ा कोई भी क्रिकेटर विदेशी लीग में नहीं खेल सकता है. वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड का हर खिलाड़ी दुनियाभर की लीग में खेलते हैं.

विदेशी लीग खेलने से होता है फायदा

भारत के खिलाफ कमाल बल्लेबाजी करने वाले जॉस बटलर और एलेक्स हेल्स दुनियाभर की लीग्स में खेलते हैं. हेल्स तो आईपीएल के अलावा कैरेबियन प्रीमियर लीग, पाकिस्तान सुपर लीग और ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बिग बैश लीग में खेले हैं. बिग बैश में खेलने का फायदा ही एलेक्स हेल्स को मिला है और इस खिलाड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप में कमाल का प्रदर्शन किया है. विदेशी लीग में खेलने से आपको उस देश के हालात और पिच का बेहत आभास होता है और वो चीज आईसीसी टूर्नामेंट्स में काम आती है.

तेलंगाना व आंप्र की 20 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को कल राष्ट्र को समर्पित करेंगे पीएम

नई दिल्ली, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की 20,000 करोड़ रूपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्तित करेंगे। श्री मोदी 11 और 12 नवंबर को कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 12 नवंबर को करीब साढ़े दस बजे आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 10,500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। श्री मोदी 6-लेन के ग्रीनफील्ड रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारे के आंध्र प्रदेश खंड की आधारशिला रखेंगे। इसे 3750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया जाएगा। यह आर्थिक गलियारा छत्तीसगढ़ और ओडिशा के औद्योगिक नोड्स से लेकर विशाखापट्टनम बंदरगाह और चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच तेजी से संपर्क प्रदान करेगा। यह आंध्र प्रदेश और ओडिशा के आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में भी सुधार करेगा। प्रधानमंत्री विशाखापट्टनम में कॉन्वेंट जंक्शन से शीला नगर जंक्शन तक एक समर्पित पोर्ट रोड की आधारशिला भी रखेंगे। ये स्थानीय यातायात और बंदरगाह जाने वाले मालवाहक यातायात को अलग करके विशाखापट्टनम शहर में यातायात की भीड़ को कम करेगा। श्री मोदी श्रीकाकुलम-गजपति कॉरिडोर के हिस्से के रूप में 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित एनएच-326ए का पथपट्टनम खंड राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह परियोजना इस क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी की यू-फील्ड ऑनशोर डीप वाटर ब्लॉक परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसे 2900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है।

यह इस परियोजना की सबसे गहरी गैस खोज है जहां लगभग 3 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रति दिन (एमएमएससीएमडी) की गैस उत्पादन क्षमता है। श्री मोदी लगभग 6.65 एमएमएससीएमडी की क्षमता वाली गेल की श्रीकाकुलम अंगुल प्राद्धतिक गैस पाइपलाइन परियोजना की भी आधारशिला रखेंगे। 745 किलोमीटर लंबी इस पाइपलाइन का निर्माण कुल 2650 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। प्राद्धतिक गैस ग्रिड (एनजीजी) का एक हिस्सा होने के नाते, ये पाइपलाइन आंध्र प्रदेश और ओडिशा के विभिन्न जिलों में घरों, उद्योगों, वाणिज्यिक इकाइयों और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में प्राद्धतिक गैस की आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगी। यह पाइपलाइन आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम और विजयनगरम जिलों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क को प्राद्धतिक गैस की आपूर्ति करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। यह पुनर्विकसित स्टेशन प्रति दिन 75,000 यात्रियों को सेवाएं देगा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करके यात्री अनुभव में सुधार करेगा। श्री मोदी विशाखापट्टनम फिशिंग हार्बर के आधुनिकीकरण और उन्नयन की आधारशिला भी रखेंगे। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 150 करोड़ रुपये है। उन्नयन और आधुनिकीकरण के बाद इस फिशिंग हार्बर की हैंडलिंग क्षमता 150 टन प्रति दिन से दोगुना होकर लगभग 300 टन प्रति दिन हो जाएगी। ये सुरक्षित लैंडिंग और बर्थिंग प्रदान करेगा और अन्य आधुनिक बुनियादी सुविधाएं इस जेटी में टर्नअराउंड समय को कम करेगी, अपव्यय को घटाएगी और मूल्य प्राप्ति में सुधार करने में मदद करेगी। पीएम मोदी करीब सवा चार बजे रामागुंडम में 9500 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

इप्पाटम में मकान गिराने पर चंद्रबाबू ने सीएम जगन की आलोचना की

विजयवाड़ा, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया है कि वाईएसआरसीपी सरकार राज्य के गरीब लोगों पर पिस्तौल तानकर आतंकित कर रही है। उनकी संपत्ति लूट कर उनके जीवन को तबाह कर रही है। अचंता निर्वाचन क्षेत्र के एक दलित राजनेता चिरा बालाजी के उनके समर्थकों साथ तेलुगु देशम पार्टी में शामिल होने के बाद चन्द्रबाबू नायडू ये टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने तेदेपा के तहत किए गए 25 दलित-संबंधित कार्यक्रमों को रद्द करने के लिए जगन प्रशासन की आलोचना की। पूर्व सीएम चंद्रबाबू ने पुलिवेंदुला, वेंकटगिरी, नुज्जिविड, तुनी, पडेरू और पलकोंडा निर्वाचन क्षेत्रों के नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने यह भी कहा है कि पुलिवेंदुला के निवासी सीएम जगन के चाचा के हत्यारों को बचाने की खबर को पचा नहीं पा रहे हैं।

सरकार जाति आधारित व्यवसायों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध : विधायक

सूर्यापेट, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोदाड विधायक बोल्लम मल्लैया यादव ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष उपाय किए हैं। अनुसूचित जाति निगम की स्वरोजगार योजना के तहत सिलाई मशीनों की खरीद के लिए 14 महिलाओं को चेक वितरित करते हुए मल्लैया यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से जाति आधारित व्यवसायों के पुनरुद्धार के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने गरीब लोगों से कहा कि वे राज्य सरकार की योजनाओं का उपयोग करके वित्तीय आत्मनिर्भरता प्राप्त करें। पहले, जाति-आधारित व्यवसायों में कुशल होने के बावजूद, कई लोग सरकार से समर्थन की कमी के कारण आजीविका की तलाश में गांवों से शहरों की ओर पलायन करते थे। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, टीआरएस सरकार ने जाति-आधारित व्यवसायों के पुनरुद्धार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी और विभिन्न जातियों के लोगों को समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक हल हो गई है।

जीएचएमसी की जीवन सुगमता सर्वेक्षण में भाग लेने की नागरिकों से अपील

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ने शहर के नागरिकों से कहा है कि शहर में लोगों के जीवन स्तर पर राष्ट्रव्यापी जीवन सुगमता और नागरिक धारणा सर्वेक्षण 2022 में भाग लेना चाहिए और ग्रेटर हैदराबाद शहर को सबसे आगे रखना चाहिए। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार पूरे देश में स्मार्ट सिटी कार्यक्रम के तहत 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में जीवन सुगमता पर सर्वेक्षण किया जा रहा है। नागरिकों को गृह किराया, सार्वजनिक परिवहन आदि पर सभी 17 प्रमुख नागरिक सेवा सुविधाओं के बारे में केंद्रीय आवास और शहरी विकास विभाग द्वारा तैयार किए गए सवालों का जवाब देना है। जीवन स्तर पर सर्वेक्षण गुरुवार से ही शुरू हो गया है। शहर के निवासी इसमें भाग ले सकते हैं सर्वेक्षण ताकि शहर को प्रासंगिक क्यूआर कोड के माध्यम से एक अच्छी रैंक मिले।

यूआरएल के माध्यम से सर्वेक्षण 8 भाषाओं में किया जाता है। प्रश्न पत्र तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल, मलयालम, मराठी और गुजरात भाषाओं में उपलब्ध हैं। राज्य, तेलंगाना, हैदराबाद शहर का नाम सही ढंग से चुना जाना चाहिए। सबसे पहले नागरिक यूआरएल दर्ज करें: https://eol2022.org/ दूसरी चरण में टेक सर्वे पर क्लिक करें तीसरे चरण में नागरिक विवरण दर्ज करें, चरण में तेलंगाना के रूप में राज्य का चयन करें और हैदराबाद के रूप में शहर का चयन करें चरण चौथे चरण आगे बढ़ें पर क्लिक करें और पांचवे चरण सभी 17 प्रश्नों के उत्तर दर्ज करें और सबमिट करे। जीएचएमसी ने नागरिकों से बड़ी संख्या में सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील की है, जिससे हैदराबाद को सर्वश्रेष्ठ रैंक मिले।

राज्यपाल ने शिक्षा मंत्री को मिलने का समय दिया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन ने तेलंगाना कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड विधेयक 2022 पर चर्चा के लिए राज्य की शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी को समय दिया। सूत्रों के अनुसार, राजभवन के अधिकारियों ने विश्वविद्यालयों में गैर-शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति को लेकर साझा भर्ती बोर्ड विधेयक के मुद्दे पर मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी को 11 नवंबर को राज्यपाल तमिलसाई से मिलने के लिए समय दिया। आज राज्यपाल तमिलिसाई सिद्दीपेट दौरे पर हैं। यह ज्ञात है कि तेलंगाना कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड विधेयक 2022 राज्यपाल के कार्यालय में लंबित है क्योंकि उन्होंने विधेयक के पारित होने के बाद कानूनी मुद्दों के बारे में कुछ संदेह जताया था।

सनतनगर के विकास में कोई कमी नहीं होगी : तलसानी

मंत्री ने कई विकास कार्यों का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुपालन, मत्स्य पालन एवं डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सनतनगर विधानसभा क्षेत्र में काफी विकास कार्य हुआ है।

इतना पिछले 50 साल में काम नहीं किया गयाथा। गुरुवार को अमीरपेट और सनतनगर संभाग में 2.18 करोड़ रुपये के कई विकास कार्यों की शुरूआत मंत्री ने की। सबसे पहले अमीरपेट संभाग के सोनाबाई मंदिर में 60 लाख रुपये की लागत से वीडीसीसी सड़क निर्माण कार्य, बाल्कमपेट रोड में वृंदावन होटल के पास 75 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य, विवेकानंद समिति हॉल निर्माण कार्य सनतनगर संभाग के सी टाइप कॉलोनी में 50 लाख रुपये की लागत से संचालित चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम का निर्माण कार्य शुरू किए गए। इसी तरह 15 लाख रुपये की लागत से बने रवींद्रनगर कमेटी हॉल के प्रथम तल का लोकार्पण किया गया। मंत्री ने अधिकारियों के साथ सोनाबाई मंदिर स्थित हरिजन बस्ती का दौरा किया और बस्तीवासियों की समस्याओं के बारे में जाना। जल निकासी की समस्या पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने ईई इंदिरा एवं जल निर्माण कार्य महाप्रबंधक हरि शंकर को जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पाइप लाइन व सड़क निर्माण के लिए जल्द से जल्द कदम उठाने के निर्देश दिए। इसी तरह बस्ती में जर्जर लोहे के बिजली के पोल को हटाकर सीमेंट का पोल लगाने का आदेश दिया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि दिए गए सभी वादों को पूरा कर क्षेत्र के लोगों की कई पुरानी समस्याओं का समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि कंजरला लक्ष्मीनारायण पार्क से बल्कमपेट रोड तक 60 फीट सड़क के माध्यम से नई सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

इस मौके पर पार्षद कोलन लक्ष्मी बाल रेड्डी, सरला, पूर्व पार्षद नमना सेशुकुमारी, जोनल कमिश्नर रवि किरण, डीसी मोहन रेड्डी, ईई इंदिरा, वाटर वर्क्स जीएम हरि शंकर, बागवानी डीडी श्रीनिवास, नायक हनमंथा राव, अशोक यादव, प्रवीण रेड्डी, बलराम, गोपीलाल चौहान सुरेश गौड़, सराफ संतोष, करुणाकर रेड्डी, बासा लक्ष्मी, वनम श्रीनू आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने वीरा बैरनपल्ली गांव का किया दौरा

बैरनपल्ली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का दिया आश्वासन

सिद्दीपेट, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन ने सभी योग्य लाभार्थियों को पेंशन के मुद्दे को आगे बढ़ाने के अलावा वीरा बैरनपल्ली गांव को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय को पत्र लिखने का आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने गुरुवार को धूलमिट्टा मंडल के बैरनपल्ली गांव में शहीद स्मारक और बुरुज में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिवारों से बात करते हुए कहा कि तेलंगाना को बैरनपल्ली के लोगों के बलिदान के बिना आजादी नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि वह गांव के योग्य व्यक्तियों को पेंशन दिलाने के लिए अपना पूरा प्रयास करेंगी। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों

को शॉल देकर सम्मानित भी किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। यह कहते हुए कि वह इस साल 17 सितंबर को राजभवन में आयोजित एक प्रतियोगिता में भाग लेने वाली एक छात्रा सी. अखिला के अनुरोध के बाद गाँव का दौरा कर रही है, सुंदरराजन ने कहा कि ग्रामीणों ने उनसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि वे निज़ाम के खिलाफ अपनी लड़ाई सुनिश्चित करें। सेना और रजाकारों को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया ताकि आने वाली पीढ़ियां इसे याद रखें। इससे पहले, राज्यपाल ने श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, कोमुरावेली में पूजा-अर्चना की, जहा उन्होंने मीडिया से कहा कि वह केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर मनोहराबाद-कोतापल्ली रेलवे लाइन पर रेलवे स्टेशन बनाने का अनुरोध करेंगी।

हैदराबाद वापस जाते समय, राज्यपाल ने एक महिला मल्लिगरी संध्यारानी को अपना हाथ लहराते हुए देखकर चेरियाल शहर में उनका वाहन भी रोक दिया। यह पता चलने पर कि संध्यारानी चेरियाल नगर पालिका में एक सफाई कर्मचारी है, राज्यपाल ने उनके घर का दौरा किया। संध्यारानी द्वारा 'उचित घर' के लिए मदद के अनुरोध के साथ, राज्यपाल ने अधिकारियों से उनकी मदद करने के लिए उनका विवरण एकत्र करने को कहा।

रामागुंडम उर्वरक संयंत्र में अमोनिया पाइप लाइन लीकेज से उत्पादन ठप

पेद्दापल्ली, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमोनिया पाइपलाइन में रिसाव के कारण रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) में यूरिया का उत्पादन ठप हो गया है। बुधवार शाम को अमोनिया प्लांट से यूरिया प्लांट में अमोनिया सप्लाई करने वाली पाइप लाइन में लीकेज देखा गया। आरएफसीएल के अधिकारियों ने उत्पादन रोक दिया है और बहाली का काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि हालांकि आरएफसीएल में उत्पादन चार दिन पहले वार्षिक मरम्मत कार्य पूरा करने के बाद शुरू हुआ था, लेकिन रिसाव कम समय में आया है। आरएफसीएल के अधिकारी भी रिसाव को लेकर चिंतित हैं क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 नवंबर को कारखाना राष्ट्र को समर्पित करने वाले हैं। मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है।

केटीआर जल्द ही कोडकंदला में रखेंगे मिनी टेक्सटाइल पार्क की नींव

जनगांव, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हथकरघा और कपड़ा मंत्री केटी रामा राव जल्द ही जिले में कोडाकंडला मंडल केंद्र के पास एक मिनी-टेक्सटाइल पार्क की नींव रख सकते हैं। जिला कलेक्टर सीएच शिवलिंगैया ने अतिरिक्त कलेक्टर प्रपुल देसाई, तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीएसआईआईसी) के जोनल मैनेजर संतोष कुमार राम के साथ गुरुवार को कोडाकंडला में प्रस्तावित स्थल का दौरा किया। कलेक्टर ने वहां उपलब्ध भूमि का निरीक्षण करने के बाद संबंधित अधिकारियों को इस माह के अंत तक या अगले माह की शुरुआत में मंत्री के दौरे की व्यवस्था करने को कहा। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येर्राबेली दयाकर राव के प्रयासों के बाद, राज्य सरकार ने क्षेत्र में लगभग 20,000 बुनकर परिवारों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा करने के लिए कोडाकंडला मंडल में कपड़ा पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने कहा कि इसके एक हिस्से के रूप में, राज्य सरकार निजी लोगों से कम से कम 60 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करेगी और जिन्हें उचित मुआवजा देकर जमीन मिली थी, अधिकारियों ने कहा। सरकार की लगभग 10 एकड़ जमीन अब गाँव में उपलब्ध है। लेकिन हमें टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए कुल 70 एकड़ जमीन की जरूरत है। थाना घनपुर राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) कृष्णवेणी को जमीन की पहचान कर उसे अधिगृहीत करने का कार्य एक अधिसूचना जारी कर सौंपा गया था कहा जाता है कि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार गांव में जमीन का बाजार मूल्य 15 लाख रुपये प्रति एकड़ है जमीन सौंपने के बाद, टीएसआईआईसी कपड़ा पार्क में सड़कों, नालों और अन्य सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे का विकास करेगा। सूत्रों ने बताया कि पार्क को विकसित करने में कम से कम एक साल का समय लगेगा।

मोदी का आरएफसीएल दौरा एक और राजनीतिक ड्रामा : देवरकोंडा विधायक

नलगोंडा, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस के जिला अध्यक्ष और देवरकोंडा के विधायक रामावत रवींद्र कुमार नाइक ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) के समर्पण की आड़ में राज्य का दौरा कर तेलंगाना में एक और राजनीतिक नाटक की तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया से बात करते हुए, रवींद्र कुमार नाइक ने कहा कि आरएफसीएल लगभग दो साल पहले व्यावसायिक रूप से चालू हो गया था। राष्ट्र के प्रति समर्पण अब एक और राजनीतिक नाटक का हिस्सा है, उन्होंने कहा कि केंद्र ने पिछले आठ वर्षों से आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में तेलंगाना से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। यह बताते हुए कि केंद्र के फैसले तेलंगाना के हितों को प्रभावित कर रहे हैं, विधायक ने प्रधान मंत्री से यह घोषणा करने का आग्रह किया कि उनकी सरकार ने राज्य की यात्रा से पहले तेलंगाना के लिए क्या अच्छा किया है। कॉरपोरेट क्षेत्र को छोड़कर, अन्य सभी वर्गों के लोग मोदी सरकार से खुश नहीं है, उन्होंने कहा, पिछले सात वर्षों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में 300 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई, जिससे आम लोगों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एससी वर्गीकरण के अपने वादे को पूरा नहीं करके दलितों को भी धोखा दिया है।

विधायक ने यह भी कहा कि राज्य सरकार राज्य में किसानों द्वारा उत्पादित धान का एक-एक दाना खरीदेगी। सिंचाई सुविधाओं में सुधार के कारण राज्य में धान उत्पादन में वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

मुनुगोडु विधायक प्रभाकर रेड्डी ने ली शपथ

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 3 नवंबर को हुए मुनुगोडु उपचुनाव जीतने वाले के. प्रभाकर रेड्डी ने गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष कक्षों में विधायक के रूप में शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने सुबह 11 बजे शपथ दिलाई।

टीआरएस (अब बीआरएस) की ओर से उपचुनाव लड़ने वाले प्रभाकर रेड्डी ने भाजपा उम्मीदवार कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को 10,000 से अधिक मतों से हराया। उनकी जीत ने भारत राष्ट्र समिति में तब्दील होने के बाद तेलंगाना राष्ट्र समिति की पहली जीत को चिह्नित किया। मंत्री केटी रामाराव, टी. हरीश राव, जी. जगदीश रेड्डी, वेमुला प्रशांत रेड्डी, मोहम्मद महमूद अली, ए. इंद्रकरन रेड्डी, पुव्वाड़ा अजय कुमार, कई सांसद, विधायक, एमएलसी और अन्य टीआरएस तत्कालीन नलगोंडा और अन्य जिलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने शपथ ग्रहण में भाग लिया। विधानसभा सचिव वी. नरसिम्हाचार्युलु भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्हें बधाई दी। बाद में, प्रभाकर रेड्डी ने राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी से शिष्टाचार भेंट के रूप में मुलाकात की।

पीएम मोदी के तेलंगाना दौरे के खिलाफ बढ़ रहा असंतोष

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे के खिलाफ विरोध तेज होता जा रहा है। मोदी की यात्रा के विरोध में गुरुवार को हैदराबाद की सड़कों पर पोस्टर दिखाई दिए, जबकि मंचेरियल, रामागुंडम और कोठागुडेम के सिंगरेनी खनन क्षेत्रों में कोयला खनिक काले बैज पहनकर काम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री 12 नवंबर को रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की फैक्ट्री राष्ट्र को समर्पित करने के लिए रामागुंडम जाने वाले हैं। हालांकि फैक्ट्री को चालू हुए करीब दो साल हो गए हैं, लेकिन इसे अब देश को समर्पित करने के प्रधानमंत्री मोदी के फैसले पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जुबली चेकपोस्ट, सिकंदराबाद और बेगमपेट सहित विभिन्न जंक्शनों पर "मोदी नो एंट्री" के नारों के साथ पोस्टर और फ्लेक्सी बैनर दिखाई दिए। "तेलंगाना चेनेता (बुनकर) युवा बल" के नाम के साथ, बैनर लगाए गए हैं, जिसमें भाजपा सरकार से हथकरघा उत्पादों पर लगाए जा रहे पांच प्रतिशत जीएसटी को वापस लेने की मांग की गई है। उन्होंने राज्य के लोगों से किए गए वादों को पूरा किए बिना राज्य में प्रवेश करने के खिलाफ चेतावनी दी।

राज्य के स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) से संबंधित भूमिगत खदानों और ओपनकास्ट परियोजनाओं के साथ काम करने वाले कोयला खनिकों ने भी मोदी के दौरे के विरोध में काला बैज लगाकर विरोध किया। आंदोलनकारी खनिकों ने 'मोदी गो बैक' जैसे नारे लगाए और तेलंगाना में कोयला ब्लॉकों के निजीकरण की कोशिश करने और खनिकों की आजीविका को

प्रभावित करने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि वे मजदूर विरोधी नीतियों को अपनाने के लिए मोदी के दौरे को रोक देंगे। तेलंगाना बोग्गू घनी कर्मचारी संघम (टीबीजीकेएस), ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी), इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) और सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। परियोजनाओं की मंजूरी और धन के आवंटन के मामले में राज्य के साथ किए जा रहे भेदभाव के लिए तेलंगाना के लोगों में भाजपा सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। राज्य से संबंधित लंबित मुद्दों को उठाते हुए, बड़ी संख्या में ट्रेड यूनियनों, छात्र और नागरिक संगठनों ने मोदी से तेलंगाना में कदम रखने से पहले अपने वादों को पूरा करने की मांग की है। विभिन्न संगठनों ने पहले ही "मोदी गो बैक" के नारे के साथ विरोध प्रदर्शन करने और प्रधान मंत्री की यात्रा में बाधा डालने की कसम खाई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.